3 राजधानी
मौत के आंकड़ों पर गहराया विवाद

6 अभिमत
नेपाल की राजनीति में उथल-पुथल

10 स्पोर्ट्स
खिलाड़ियों को मानसिक रूप से दृढ़ होना होगा: गायकवाड़

11 विदेश
अमेरिका को चीन पर निर्भरता समाप्त करनी चाहिए: हेली

RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 196
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 21 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

फिर जागा कंगना रानौत का कवि मन
विविध-12

पश्चिम बंगाल, ओडिशा में अम्फान का तांडव, 4 मरे

190 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं ने जमींदोज किए हजारों मकान, उखाड़े पेड़-गिराए बिजली के खंभे

- समुद्र तटों से लेकर दीघा-कोलकाता तक चारों ओर भारी तबाही, बर्बादी का मंजर
- तटीय इलाकों को ऐहतियातन पहले ही खाली कराया गया, बचाव राहत में जुटीं एनडीआरएफ की 41 टीमें

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता, भुवनेश्वर, नई दिल्ली

21 साल बाद- इतना बड़ा तूफान

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना में चक्रवाती तूफान के कहर से ध्वस्त हो गयी एक दूकान

पश्चिम बंगाल में बुधवार को 190 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले विकराल चक्रवात अम्फान के कारण भारी तबाही हुई और कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। चक्रवात दोपहर में करीब ढाई बजे पश्चिम बंगाल में दीघा और बांग्लादेश में हटिया द्वीप के बीच तट पर पहुंचा। चक्रवात के कारण तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही हुई। चक्रवात की वजह से बड़ी संख्या में पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए वहीं कच्चे मकानों को भी खासा नुकसान हुआ। अधिकारियों के अनुसार चक्रवात आने से पहले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कम से कम 6.58 लाख लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल तट पर पहुचने के समय चक्रवात के केंद्र के पास हवा की गति 160-170 किमी प्रति घंटे थी। एक अधिकारी ने बताया कि हावड़ा और उत्तरी 24 परगना जिले में पेड़ उखड़ने से दो महिलाओं की मौत हो गई।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक एस एन प्रधान ने नई दिल्ली में कहा कि ओडिशा में 20 टीमों को तैनात कर दिया गया है जबकि पश्चिम बंगाल में 21 टीमों को तैनात किया गया है। एनडीआरएफ के एक दल में करीब 45 कर्मी होते हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में एनडीआरएफ की टीमों ने सड़कों को साफ करने का अभियान शुरू कर दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल में तैनात टीमें लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब पांच लाख लोगों को और ओडिशा में करीब 1.58 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। टीवी फुटेज में दीघा तट पर समुद्र की काफी ऊंची लहरें दिख रही हैं। भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी भर गया वहीं कच्चे मकान गिर गए या क्षतिग्रस्त हो गए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के महानिदेशक ने कहा कि कहा कि चक्रवात अम्फान से संबंधित स्थिति तेजी से बदल रही है और उस पर करीब से निगाह रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि देशभर से छह बटालियनों से 24 टीमों को किसी भी वक्त तैनात करने के लिए तैयार रखा गया है। प्रधान ने कहा कि टीमों को अब कोविड-19 के खतरे को दिमाग में रखते हुए काम करना होगा और वे पीपीई किटों से लैस हैं। उन्होंने कहा कि देशभर की छह बटालियनों से 24 दलों को किसी भी वक्त तैनात करने के लिए तैयार रखा गया है। उन्होंने कहा, वे तैयार हैं और 15 मिनट के अंदर उन्हें हवाई मार्ग से लाया जा सकता है। उनकी संभवत: तूफान के दौरान जरूरत नहीं हो लेकिन राहत और पुनर्वास प्रक्रिया के दौरान पड़ सकती है।

वहीं भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने प्रधान के साथ मीडिया को संयुक्त रूप से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तरी 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर जिलों में 160-170 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। हवाओं की गति बढ़कर 185 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि चक्रवात का सबसे घातक हिस्सा तट पर पहुंचा गया है जिससे तीनों जिलों में भारी बारिश हुई। तूफान के केंद्र का व्यास 30 किमी का था। कोलकाता में उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना तथा पूर्वी मिदनापुर से आने वाली खबरों में कहा गया है कि खपरैल मकानों के ऊपरी हिस्से तेज हवाओं में उड़ गए। बिजली के खंभे टूट गए या उखड गए। भारी बारिश के कारण कोलकाता के निचले इलाकों में सड़कों और घरों में पानी जमा हो गया। महापात्र ने बताया कि चक्रवात देर शाम तक कोलकाता पहुंच जाएगा और 110-120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। चक्रवात के कारण ओडिशा के पुरी, खुर्दा, जगतसिंहपुर, कटक, केंद्रपाड़ा, जाजपुर, गंजम, भद्रक और बालासोर जिलों के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। महापात्र ने कहा कि चक्रवात बुधवार देर रात तक ओडिशा से आगे बढ़ जाएगा लेकिन उस समय तक खड़ी फ़सलों, पेड़ों और बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर जिलों में पांच मीटर तक का ज्वार उठ सकता है जो 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों को जलमग्न कर सकता है। पश्चिम बंगाल में कल तक तेज हवाएं और बारिश के जारी रहने का अनुमान है। असम और मेघालय में भी बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। पश्चिम बंगाल में नदिया और मुर्शिदाबाद पार करने के बाद देर रात तक चक्रवाती तूफान के कमजोर होने की उम्मीद है। बाद में इसके कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

आया उड़ान भरने का दिन, 25 मई से शुरू होंगी घरेलू फ्लाइट

- चरणबद्ध तरीके से शुरू होंगी उड़ानें, हवाई अड्डों और एयरलाइन कंपनियों को किया जा रहा सूचित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने घरेलू उड़ानों को शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी है। इसकी शुरुआत 25 मई से चरणबद्ध तरीके से होगी। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि सभी हवाई अड्डों और एयरलाइन कंपनियों को 25 मई से संचालन शुरू करने के बारे में बताया जा रहा है।

देश में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 23 मार्च और घरेलू उड़ानें 25 मार्च से बंद हैं। करीब 62 दिन बाद 25 मई से चरणबद्ध तरीके ये उड़ानें शुरू होंगी। पुरी ने ट्वीट किया कि मंत्रालय यात्रियों के आवागमन के लिए अलग से मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करेगा। मंत्री ने कहा कि अभी कम संख्या में घरेलू उड़ानें शुरू की जाएंगी और बाद में शुरुआती अनुभवों को देखते हुए इन्हें बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीच की सीट को खाली रखने का विचार उतना बेहतर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि आप बीच की सीट खाली भी रखते हैं तो भी ऐसी स्थित रहेगी (शेष पेज 9)

रेलवे बोर्ड ने स्टेशनों पर खानपान, बिक्री इकाइयों को खोले जाने की अनुमति दी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेलवे बोर्ड ने स्टेशनों पर खानपान, बिक्री इकाइयों को खोले जाने की अनुमति दे दी है लेकिन साथ ही कहा है कि फूड प्लाजा, जलपान वस्तुओं को केवल लेकर जाने की अनुमति होगी, वहां बैठकर खाने की कोई व्यवस्था नहीं की जाएगी। आदेश में कहा गया कि इन इकाइयों में पैक किया हुआ सामान, जरूरी सामान, दवाइयां आदि की दुकानें तथा बुक स्टॉल आदि शामिल हैं, जिन्हें देश में कोविड-19 के फैलने के तुरंत बाद बंद कर दिया गया था। आदेश में कहा गया है कि रेलवे जोन स्टेशनों पर खानपान इकाइयां खोलने के (शेष पेज 9)

प्रियंका ने लौटाईं बसें लल्लू फिर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खत्म नहीं हुई रार

प्रियंका गांधी

प्रवासी मजदूरों को उनके गांव-घर पहुंचाने को लेकर शुरू हुई सियासी रार खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अनुमति नहीं मिलने पर बुधवार शाम चार बजे बॉर्डर पर तैयार खड़ी बसों को वापस भेज दिया। इस बीच, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को आगरा में फिर गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि उन्हें शाम को लखनऊ ले जाया गया है। अजय कुमार लल्लू के खिलाफ लखनऊ के हजरतगंज थाने में मंगलवार को आईपीसी की अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

लल्लू को मंगलवार को भी प्रियंका के सचिव के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन आगरा की स्थानीय अदालत ने उन्हें 20,000 के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत दे दी थी। दोनों पर पुलिस और सरकारी काम में बाधा डालने, धोखाधड़ी और बसों का गलत विवरण देने समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था। बुधवार को जैसे ही लल्लू को जमानत मिली, लखनऊ पुलिस ने उन्हें फौरन हिरासत में ले लिया।

उधर, आगरा और लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष की गिरफ्तारी और राज्य सरकार द्वारा उनकी बसों को मजदूरों को लाने (शेष पेज 9)

अमित शाह का ऐलान, लॉकडाउन में होंगी 10वीं-12वीं की परीक्षाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बड़ी संख्या में छात्रों की शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के लिए लॉकडाउन में छूट देने का निर्णय लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कोरोनो वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान लंबित सीबीएसई कक्षा 10 और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं। दो दिन पहले ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सीबीएसई की कक्षा 10 और 12 की लंबित बोर्ड परीक्षा की समय-सारणी घोषित की थी। इसके अनुसार 29 प्रमुख विषयों की परीक्षाएं 1 से 15 जुलाई के बीच आयोजित की जाएगी। इनमें (शेष पेज 9)

गलवान घाटी में चीन ने गाड़े तंबू, सीमा पर बढ़ा तनाव

- दोनों सेनाओं के कमांडरों के बीच स्थिति सामान्य बनाने के लिए वार्ता प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लद्दाख के कुछ इलाकों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बढ़ रहे तनाव को खत्म करने के लिए भारत और चीन की सेना के स्थानीय कमांडर बातचीत कर रहे हैं।

पांच और छह मई को पूर्वी लद्दाख के पांगपोंग झील के क्षेत्र में फिंगर फाइव इलाके में दोनों सेनाओं के जवान आमने-सामने आ गए थे जिससे दोनों सेनाओं हाथापाई हो गई थी। बहरहाल बाद में यह शांत हो गया और सेनाएं पीछे हट गईं। चीन अब गलवान नदी के पास और टुकड़ियां तैनात कर रहा है। चीन ने भारतीय ठिकाने से कुछ दूरी पर तंबू गाड़ दिए है जिससे तनाव बढ़ गया है।

लद्दाख क्षेत्र में पहले भी विवाद हो चुका है तथा 1962 में दोनों सेनाएं जंग लड़ चुकी हैं। कोई भी चूक न हो इस (शेष पेज 9)

भारत से नेपाल आ रहा कोरोना चीन, इटली से अधिक घातक: ओली

काठमांडू (भाषा)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि भारत से आने वाला कोरोना वायरस संक्रमण चीन और इटली से आने वाले संक्रमण से अधिक घातक है। उन्होंने साथ ही देश में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के लिए भारत से अवैध तरीके से प्रवेश करने वालों को जिम्मेदार ठहराया। नेपाल में कोरोना वायरस के मामले (शेष पेज 9)

दिल्ली से गुरुग्राम में घुसने से रोका तो पुलिस पर किया पथराव

- हरियाणा पुलिस के पांच जवान जख्मी मामले की जांच जारी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर पर सलापुर खेड़ा गांव में पुलिस पर पथराव करते ग्रामीण

कोरोना को लेकर गुरुग्राम-दिल्ली की सीमाओं पर कड़ी चौकसी है। किसी को भी बेवजह या फिर बिना पास के आने-जाने नहीं दिया जा रहा। ऐसे में बुधवार की सुबह दिल्ली के सलापुर खेड़ा गांव की तरफ से गुरुग्राम में प्रवेश कर रहे लोगों को जब हरियाणा पुलिस ने रोका तो उन्होंने पथराव कर दिया, जिसमें पांच पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। मामले की फिलहाल जांच की जा रही है।

बुधवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे दिल्ली के गांव सलापुर खेड़ा के रास्ते कुछ प्रवासी लोग गुरुग्राम में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। जैसे ही पुलिस को इस बारे में पता चला तो पुलिस वहां पर पहुंची और उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी बीच इन मजदूरों ने एकाएक पुलिस पर पथराव करना शुरू कर (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	30,818	↑ 622
निफ्टी	9,066	↑ 187
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

आतंकी हमले में बीएसएफ के दो जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में बुधवार को आतंकवादियों के हमले में सीमा सुरक्षा बल के दो जवान शहीद हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए आतंकवादियों ने श्रीनगर से 17 किलोमीटर दूर पंडाच क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर गोलीबारी कर दी। उन्होंने बताया कि हमले में सीमा सुरक्षा बल के दो जवान घायल हो गए जिन्हें यहां पर सौरा स्थित एसकेआईएमएस अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक जवान को अस्पताल के डाक्टरों ने मृत लाया घोषित कर दिया जबकि दूसरे ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि दोनों जवानों की उम्र 35 और 36 साल है।

देश में प्रति लाख आबादी पर 0.2 और दुनिया में 4.1 मौतें

- अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति बेहतर, कुल मामले बढ़कर 1,11,601 पहुंचे: स्वास्थ्य मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दुनियाभर में कोरोना वायरस से प्रति लाख आबादी पर 62 लोग प्रभावित हुए हैं जबकि भारत में प्रति लाख आबादी पर 7.9 लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक भारत में प्रति लाख आबादी पर 0.2 मौत हुई है जबकि दुनिया का आंकड़ा 4.1 का है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी स्थिति रिपोर्ट पर आधारित हैं।

लव अग्रवाल ने कहा कि अन्य प्रभावित देशों की तुलना में भारत काफी बेहतर स्थिति में है और यह उपलब्धि राज्यों के साथ मिलकर समय रहते टेस्टिंग और बचाव के उपाय करने के चलते हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 2250 नए कोविड-19 मामलों और 65 मौतों के साथ बुधवार को देश में कुल 5,120 नए मामले सामने आए और 124 लोगों की मौत हुई है। देषभर में अब तक कुल मामलों की संख्या 1,11,601 हो गई। कोरोना के कारण अभी तक (शेष पेज 9)

धीरे-धीरे बढ़ रहा है श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का कार्य

- भूमि समतलीकरण और खोदाई में मिली देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां
- रामलला के भव्य मंदिर परिसर में दिखेगी त्रेता युग की अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

कोरोना संकट के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का कार्य धीरे-धीरे ही सही लेकिन आगे बढ़ रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या द्वारा मंदिर निर्माण के लिए भूमि के समतलीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के अनुसार 11 मई से शुरू हुए समतलीकरण के लिए हो रही खोदाई के दौरान बड़ी संख्या में पुरावशेष प्राप्त हुए हैं जिनमें देवी देवताओं की खंडित मूर्तियां, पांच फिट आकार का नक्काशीयुक्त शिव लिंग, पुष्प, कलश, आमलक, दोरजाम्ब आदि कलाकृतियां, मेहराब के पत्थर, सात ब्लैक टच स्टोन के स्तंभ, छह रेड सैंड स्टोन के स्तंभ शामिल हैं। डॉ. मिश्र ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते शारीरिक दूरी सहित सरकार द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए यह कार्य हो रहा है। इसमें तीन जेसीबी, एक क्रेन, दो ट्रक्टर और 10 मजदूर लगे हुए हैं। दूसरी ओर श्री रामजन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर निर्माण को लेकर खाका खींचा जाने लगा है। 70 एकड़ भूमि पर रामायण कालीन ढांचे का पूरा एहसास कराने की तैयारी है।

त्रेता युग की अयोध्या को पुनर्जीवित करने की योजना श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बनाई है। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के साथ ही भगवान श्रीराम के समय की पौराणिकता का एहसास हो, इसके लिए ट्रस्ट ने पूरी भूमि का सर्वे कर अति ऐतिहासिक और प्राचीन संदर्भ को प्रदर्शित करने वाले 11 स्थान चिन्हित किए हैं। इसका ब्लूप्रिंट ट्रस्ट ने बनाकर मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा को भेज दिया है। मंदिर का निर्माण शुरू करने से पहले ट्रस्ट ने समिति का गठन कर कार्यों का विभाजन कर लिया है। रामलला के गर्भगृह सहित पूरे 70 एकड़ भूमि में कई ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल मौजूद हैं। श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक जन श्रुतियों के आधार पर विशेषज्ञों की ओर से पूरी भूमि का इंटरनल सर्वे मंदिर ट्रस्ट ने कराया है। रिपोर्ट में भगवान राम के युग के साक्ष्य परिसर (शेष पेज 9)

मुद्दा धान बुवाई पर प्रतिबंध का

किसानों को मंजूर नहीं बंदिशें कांग्रेस किसानों के साथ : हुड्डा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के किसान धान की बुवाई पर लगाई गई बंदिशों को मानने को तैयार नहीं है और हरियाणा कांग्रेस किसानों के साथ हर समय खड़ी है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि किसान अगर अपनी मर्जी से धान या दूसरी कोई भी फसल लगाने का फैसला करता है, तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। हुड्डा ने कहा कि बार-बार आग्रह के बावजूद सरकार अपनी जिद पर अड़ी है। महामारी के दौर में ऐसा करना बिल्कुल गलत है। भूजल संरक्षण के लिए नई परियोजनाएं चलाने की बजाए किसानों पर बंदिशें थोपी जा रही हैं।

किसानों पर बंदिशें थोपने की बजाए, भूजल संरक्षण के लिए योजनाएं बनाए सरकार

उन्होंने कहा कि भूजल की चिंता वाजिब है। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान भी सरकार के सामने ये चुनौती थी लेकिन, उस वक्त सरकार ने दादूपुर नलवी, हांसी बुटाना नहर परियोजना चलाने, राखसी नदी, खंड नाला को पुनर्जीवित करने, सिरसा में ओटू झील बनवाने, इजराइली ड्रिप सिस्टम से सिंचाई को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए थे।

ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए फव्वारा सेट और पाइप लाइन के लिए किसानों को अनुदान दिया जाता था लेकिन, बीजेपी सरकार ने उसे बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि

सरकार को भूजल संरक्षण की योजनाओं के प्रति सकारात्मक रुख अपनाते हुए उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। उसे डीएसआर पद्धति और हाईब्रिड बीजों से धान की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। इससे कम वक्त और कम पानी में धान की अच्छी फसल ली जा सकती है।

हुड्डा ने आंकड़ों के जरिए गेहूं पेमेंट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार 7500 करोड़ रुपये पेमेंट का दावा करती है। जबकि खरीद के मुताबिक किसानों की कुल पेमेंट 13500 करोड़ बनती है। हालांकि सरकारी आकड़े कहते हैं कि सरकार ने अबतक सिर्फ 27 लाख मीट्रिक टन गेहूं के लिए 5231 हजार रुपये का ही भुगतान किया है। इसलिए सरकार को पेमेंट की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज फूल और सब्जी उत्पादक किसानों की हालत सबसे बुरी है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्यूबवेल कनेक्शन को लेकर विपक्ष के दबाव सरकार जागी है। उन्होंने बिजली बिलों को लेकर आ रही शिकायतों पर कहा कि छोटे दुकानदारों और कारोबारियों को राहत देने की बजाए, उन्हें गलत बिल भेजकर परेशान किया जा रहा है। हुड्डा ने 1530 भर्तियों के रद्द करने की सिफारिश पर भी आपत्ति जताई।

आने वाला समय चुनौतीपूर्ण, सरकार करे अग्रिम तैयारी : सैलजा

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने कोरोना महामारी के बीच आने वाले कुछ महीनों के दौरान चुनौती बढ़ने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एम्स के डायरेक्टर और कुछ अन्य विशेषज्ञों ने बताया है कि जून-जुलाई में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ेंगे। साथ ही जुलाई-अगस्त के महीनों में मच्छरों से होने वाली बीमारियां जैसे कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि भी एक समस्या हो सकती है। हरियाणा में यह बीमारी न फैलें, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा इनकी रोकथाम के लिए पहले ही तैयारियां करना बेहद जरूरी है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि बीते कुछ समय में भारत ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की दवाई भारी मात्रा में अन्य देशों में निर्यात की हैं जो कि इन बीमारियों से लड़ने में काम आती है। कहीं ऐसी स्थिति उत्तपन्न न हो जाए कि हमें इस दवाई की अपने ही देश में किल्लत

हो जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई स्थानों से यह बातें भी सामने आ ही हैं कि बायोवेस्ट को खुले में फेंका जा रहा है, यह हमारे प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। प्रदेश सरकर इस पर भी तुरंत संज्ञान ले और लापरवाही करने वालों के खिलाफ कारवाई करे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारों का यह रवैया रहा है कि समय रहते इनके द्वारा कदम नहीं उठाए जाते। ऐसा पहले भी हो चुका है, जब फरवरी में राहुल गांधी ने सरकार को कोरोना संक्रमण को लेकर आगाह किया था।

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसपोर्ट कंपनी का शटर तोड़कर लाखों की चोरी

कैथल। कैथल में चोरों ने मंगलवार रात एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। फ्रांस वाला रोड ओवर ब्रिज के पास चोरों ने एक बड़ी ट्रांसपोर्ट कंपनी की दुकान का शटर तोड़कर करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी कर लिया। दुकान में चोरी की सूचना जब दुकान मालिक तक पहुंची तो वह हक्का-बक्का रह गया। इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सिटी थाना इंस्पेक्टर नन्ही देवी मौका स्थल पर पहुंची वहीं चोरी की घटना के सुराग एकत्रित करने के लिए फोरेंसिक टीम भी मौका स्थल पर पहुंची। दुकान मालिक सुरेश कुमार ने बताया कि चोरों ने लंबे सरिए से उसकी दुकान का शटर तोड़ा है और दुकान में रखा चीनी का कट्टा एलईडी सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोर इतने शातिर थे कि मौका स्थल से किसी को कोई सुराग न लगे इसके लिए वह कैमरे की डीवीआर भी अपने साथ ले गए। पुलिस एसएचओ नन्ही देवी ने बताया कि पुलिस ने सुरेश की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। आसपास क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

उपायुक्त पुनिया ने प्रशासनिक अधिकारियों को दिए निर्देश

सोनीपत। कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही उपायुक्त श्यामलाल पुनिया ने अपने कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मामलों की विस्तृत जानकारी लेते हुए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। चरखी दादरी से स्थानांतरित होकर आये उपायुक्त श्यामलाल पुनिया पदभार संभालते ही एक्शन मोड में आ गये हैं। वैश्विक महामारी कोविड-19 कोरोना वायरस की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने अधिकारियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया। उन्होंने विशेष रूप से कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए जरूरी निर्देश दिए।

6066 में से 5652 लोगों की रिपोर्ट आई नेगेटिव

सोनीपत। उपायुक्त श्यामलाल पुनिया ने कहा कि बुधवार की सांयकाल तक जांच के लिए 6066 लोगों के सैंपल लिए जा चुके हैं। इनमें से 5799 लोगों की जांच रिपोर्ट आ चुकी है। अभी 267 लोगों की रिपोर्ट की जांच प्रक्रिया जारी है। रिपोर्टों में से 147 लोगों की रिपोर्ट पोजिटिव आई है, जबकि शेष 5652 व्यक्तियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उपायुक्त पुनिया ने यह जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर दी। उन्होंने कहा कि उक्त पोजिटिव मामलों में दो पोजिटिव केस जमात के भी हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि आज कोरोना संक्रमित एक और मरीज ने रिकवरी की है। इस प्रकार रिकवरी करने वाले लोगों का आंकड़ा 102 हो गया है, जो कि राहत की बात है। आज रिकवरी करने वाला मरीज जैनपुर गांव का निवासी है।

अनाज मंड़ी में जरूरतमंदों को पौष्टिक खाने के पैकेट बांटे

इंद्री। सिजेंटा कंपनी और एग्रो इंडस्ट्री के सहयोग से बुधवार को इंद्री की अनाज मंड़ी में समाजसेवी ऋषिपाल के नेतृत्व में जरूरतमंदों को खाने के पैकेट बांटे गये। मौके पर विशेष रूप से इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप मौजूद रहे। विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि सिजेंटा कंपनी द्वारा यह समाजसेवा का कार्य किया जा रहा है। इससे पहले भी इंद्री हल्के को सैनेटाइज करने में सिंजेटा कंपनी का विशेष सहयोग रहा है। विधायक ने कहा कि जरूरतमंदों को पौष्टिक खाने के पैकेट बांटकर सिजेंटा कंपनी ने एक पुनीत कार्य किया है। मौके पर समाजसेवी चरण सिंह मंढ़ाण, सुमेर कांबोज, ओमप्रकश सैनी चेयरमैन मार्केट कमेटी, इंद्री भाजपा मंडल अध्यक्ष अमनदीप सिंह विर्क, समे सिंह कांबोज, मोहिन्द्र प्रेमी, सिंजेटा कंपनी के मैनेजर अवध रोहिला, डॉ. अंकित कुमार, कर्मजीत सिंह, अनिल कुमार और जसपाल सिंह आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

लक्ष्मण कॉलोनी, सेक्टर-3 व आजाद नगर कंटेनमेंट जोन घोषित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस पाजीटिव 6 केस सामने आए हैं। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। इस तरह जिला में अब तक कोरोना पॉजीटिव 9 केस सामने आए हैं। हालांकि इनमें से 3 केस स्वस्थ हो चुके हैं। जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने लक्ष्मण कालोनी मकान नम्बर 658 से 663, सेक्टर 3 के मकान नम्बर 653 से 655, आजाद नगर में शर्मा डायरी से मकान नम्बर 1532 तक को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया। इसके साथ ही इन कंटैनमेंट जोन के साथ लगते क्षेत्र को बफरजोन में शामिल किया है। आजाद नगर व लक्ष्मण कॉलोनी के लिए नप कार्यालय और सेक्टर-3 के लिए हुडा कार्यालय को कन्ट्रोल रूम बनाया है। तीनों कंटेनमेंट जोन और बफर जोन के लिए एसडीएम थानेसर अश्वनी मलिक को ओवर ऑल इन्चार्ज बनाया है। जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने बुधवार को जारी आदेशों में कहा है कि लक्ष्मण कालोनी निवासी एक 39 वर्षीय महिला व उसके 15 वर्षीय बेटे का दोबारा सेम्पल लिया और इन दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। आजाद नगर निवासी 58 वर्षीय महिला और सेक्टर 3 निवासी 25 वर्षीय युवक के कोरोना सैंपल पॉजिटिव आए हैं, जबकि गांव अजराना खुर्द में भी आंध्रप्रदेश से आए 2 युवक 25 व 27 वर्षीय के सैम्पल 19 मई को लिए गए थे, जिनकी देर सायं मिली रिपोर्ट पाजीटिव आई है।

नर सेवा नारायण सेवा की कहावत चरितार्थ कर रहा है रोटी क्लब संस्कार : शास्त्री

पलवल। रोटरी क्लब संस्कार पलवल ने जिला बाल कल्याण परिषद् नूंह के कार्यालय में दान स्वरूप सैनिटाइजर मशीन भेंट की।

रोटरी क्लब की अध्यक्षा डॉक्टर अंजली जैन ने कहा कि जिला बाल कल्याण परिषद बच्चों के हित में कार्य करने के लिए सदा तत्पर रहती है। और इसी उद्देश्य से हमारे क्लब ने सैनिटाइजर मशीन देने का मन बनाया। और आज जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री को सैनिटाइजर मशीन भेंट की है और साथ आए हुए। शिव कुमार गुप्ता, सचिन जैन, वीरेंद्र शर्मा ,अनूप पराशर ,जगमोहन रावत ने जिला बाल कल्याण परिषद की भूरी भूरी प्रशंसा की।

जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने आए हुए सभी रोटेरियन एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विजेंद्र सिंह सौरोत का स्वागत एवं अभिनंदन किया। और भविष्य में इसी प्रकार सहयोग करते रहे इस तरह की आशा करते हुए सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ सीपी यादव, कार्यक्रम सुपरवाइजर लोकेश कुमार, मुकेश कुमार आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मारपीट व लूट के आरोप में दो होमगार्ड गिरफ्तार

पलवल। कैंप थाना पुलिस ने दो ऐसे होमगार्डों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने बाइक सवार युवक के साथ मारपीट कर पहले लूट की वारदात को अंजाम दिया और बाद में उसका खाता नंबर व ओटीपी पूछकर 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 हजार रुपये की नकदी को बरामद कर लिया जबकि 38 हजार रुपये एक होमगार्ड ने अपनी प्रेमिका के खाते में डाले हुए हैं।

डीएसपी हैडक्वार्टर सुनील ने बताया कि गांव खेड़ला निवासी पिंटू ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह फरीदाबाद नगर निगम में चालक के पद पर कार्यरत है। पीड़ित 18 मई को बाइक पर सवार होकर निजी काम से जा रहा था तभी रास्ते में उसे दो युवकों ने रोक लिया। दोनों युवकों ने मारपीट कर पीड़ित का मोबाइल फोन लूट लिया और जबरन खाता नंबर व ओटीपी पूछकर खाते से 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि एक युवक ने खाकी वर्दी पहन रखी थी और सामने आने पर वह दोनों को पहचान लेगा।

दो दशक से परेशानी का सबब बने थे सड़क के बीच खड़े बिजली के 23 पोल

चंडीगढ़। सूचना क्रांति के दौर में सोशल मीडिया की लोकप्रियता और इसकी ताकत जग-जाहिर है। लेकिन अगर दो दशकों की किसी समस्या का समाधान महज 24 घंटों से भी कम समय में हो जाए तो इसे किसी चमत्कार से कम नहीं कहा जा सकता।

मामला जींद जिले के उचाना विधानसभा क्षेत्र के बधाना गांव का है। गांव में लगभग दो दशक से रास्ते के बीचों-बीच बिजली के पोल खड़े थे और अब लगभग एक साल पहले उस कच्चे रास्ते पर मार्केटिंग बोर्ड द्वारा रोड बना दिया, लेकिन बिजली के खंभे जस के तस खड़े रहकर ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बने रहे। इससे तंग आकर ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर यह मुद्दा उठाया।

एक मीडिया के व्हाट्सएप ग्रुप और ट्विटर के माध्यम से जब यह मामला हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह के संज्ञान में आया तो उन्होंने तुरंत प्रभाव से इस समस्या का हल करने के निर्देश दिए। इसके बाद,

अगले ही दिन विभाग ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए बिजली के खंभों को हटाकर शिफ्ट करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बने इन खंभों को हटवा कर साइड में लगाने के लिए बिजली मंत्री रणजीत सिंह की क्षेत्र में काफी प्रशंसा हो रही है। ग्रामीण का कहना है कि 20 साल पुरानी समस्या अगर मात्र 24 घंटों से कम समय में दूर हो जाए तो इसे मंत्री की संवेदनशीलता और बेहतरीन कार्य प्रणाली कहा जा सकता है।

गीला व सूखा कचरा किया जाएगा अलग-अलग इकट्ठा

रादौर। शहर में कचरे की समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका ने बस स्टैंड के पास एमआरएफ (मैटिरियल रिकवरी फेसलटी) योजना के तहत लगभग 15 लाख रुपये की लागत से 50 फीट लंबा व 50 फीट चौड़ा शेड व रास्ता तैयार किया है। जहां शहर की गंदगी में से गीला व सूखा कचरा अलग-अलग जमा किया जाएगा। जिससे शहर में गंदगी की समस्या पर अंकुश लग पायेगा। सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह ने बताया कि कचरे में से नपा के 4 कर्मचारी गीला कचरा अलग कर उसे कंपोस्ट पीट में भेजने का काम करेंगे। जहां गीले कचरे से खाद तैयार की जाएगी। जिसे नगर पालिका के पार्कों में इस्तेमाल किया जाएगा। जो खाद बचेगी उसे किसानों को बेचा जाएगा। वहीं सूखे कचरे में से प्लास्टिक, गत्ता, कांच, लोहा, अलमीनियम, पॉलीथिन को अलग किया जाएगा। जिसे रीसाईक्लीन के लिए बेचा जायेगा। इससे नपा को अच्छी आय होगी। वहीं इससे डंपिंग जोन में शहर का कचरा भी 90 प्रतिशत घट जायेगा। लगभग 10 प्रतिशत बेकार कचरा ही डंपिंग जोन में जा पाएगा।

कैथल के मृतक बिजलीकर्मी संजय को कोरोना सेनानी का दर्जा दे सरकार

कैथल। गांव शेरुखेड़ी में बिजली की 11 हजार केवी लाइन पर कार्य कर रहे संजय कुमार की करंट लगने से मौत हो गई है। पाई निवासी 28 वर्षीय संजय कुमार तीन वर्ष से बिजली निगम में बतौर एएलएम डीसी रेट पर कार्य कर रहा था। सोमवार सुबह 10 बजे वह शेरुखेड़ी में 11 हजार केवी की तार पर मेंटेनेंस का काम कर रहा था। इस बाबत हरियाणा राज्य महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कमलेश पांचाल ने प्रदेश सरकार से मृतक संजय कुमार को कोरोना सेनानी का दर्जा देने की मांग व 50 लाख की आर्थिक सहायता एवं पीड़ित की विधवा पत्नी को योग्यता अनुसार सरकारी नौकरी देने का देने की मांग भी की।

शहीदाने सभा ने मुख्यमंत्री से की ईद पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग

पायनियर समाचार सेवा। हथीन

अखिल भारतीय शहीदाने मेवात सभा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम एक ज्ञापन पत्र हथीन के एसडीएम वकील अहमद सौंपा। ज्ञापन पत्र में सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरफुद्दीन खां मेवाती ने मांग उठाई है कि प्रदेश सरकार रमजान के महीने में चौबीस घंटे बिजली सप्लाई कर रही है लेकिन रमजान खत्म होने के बाद अगले दिन पवित्र ईद के त्योहार के दिन बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है।

उन्होंने ज्ञापन पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री व बिजली मंत्री से चौबीस घंटे और बिजली का परमिट की मियाद बढ़ाने की मांग की है। प्रदेश में भाजपा जजपा सरकार

द्वारा मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान के दौरान मुस्लिम बाहुल्य बिजली के फीडरों पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने पर सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, बिजली मंत्री रंणजीत चौटाला का आभार प्रकट किया है।

उन्होंने इस दौरान कहा कि रमजान के महीने में बिना बाधित बिजली आपूर्ति सुचारू रूप की जा रही है। सामाजिक संगठन अखिल भारतीय शहीदाने सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरफुद्दीन खां मेवाती ने अपने लिखित पत्र में कहा कि जब सरकार पूरे 29 दिनों तक बिजली सप्लाई 24 घंटे कर रही है तो ईद के त्योहार वाले दिन बिजली एकदम से गायब हो जाती है।

यह पिछले कई वर्षों से देखने को मिला है। उन्होंने मांग उठाई है कि ईद के त्यौहार पर बिजली की आपूर्ति की सख्त आवश्यकता होती है इस लिए विधुत विभाग ईद के पर्व पर भी बिजली आपूर्ति चौबीस घंटे चालू रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को मुसलमानों के इस पवित्र त्योहार का भी ख्याल रखते हुए ईद वाले दिन भी 24 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग उठाई है।

श्रमिकों के पलायन से सरकारी स्कूलों का भविष्य खतरे में

स्कूलों में बढ़ रहा ड्रापआउट रेट, एक हजार से अधिक स्कूलों में बढ़ी दिक्कत

चंडीगढ़। लॉकडाउन में एक तरफ जहां प्रवासी मजदूरों के पलायन ने किसानों व उद्योगपतियों की चिंता बढ़ा दी है वहीं प्रवासियों के पलायन से हरियाणा के सरकारी स्कूलों के भविष्य पर भी सवालिया निशान लगा दिया है।

प्रवासियों के पलायन के साथ हरियाणा के स्कूलों में अनुपात गड़बड़ाना शुरू हो गया है। प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों से इस संबंध में रिपोर्ट तलब कर ली है। हरियाणा में लॉकडाउन के चलते पिछले कई दिनों प्रवासी मजदूर अपने पैतृक राज्यों को जा रहे हैं। हरियाणा से अब तक करीब दो लाख प्रवासी मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के लिए पलायन कर चुके हैं। सरकारी स्कूलों में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों के बच्चे पढ़ रहे थे। सरकारी स्कूलों में बच्चों की घटती संख्या से चिंतित शिक्षा निदेशालय ने नए विद्यार्थियों को जोडने् के निर्देश दिए हैं। विशेषकर विकट स्थिति उन 1062 स्कूलों की है जिन्हें विगत जनवरी में ही शिक्षा विभाग ने 25 बच्चों से कम होने के कारण बंद करने कवायद शुरू कर दी थी। हालांकि तब शिक्षक संघटनों ने इन स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने की बात कह कुछ महीनों की मोहलत मांग ली थी। अगर इन स्कूलों में बच्चों की संख्या नहीं बढ़ी तो इसी सत्र में इनके छात्रों को दूसरे स्कूलों में समायोजित किया जाना तय है।

फ्यूचर जेनेरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड पेश करता है 'प्रोजेक्ट बोल्ट'

ग्राहकों के लिए एक सरल, त्वरित और संपर्क रहित बीमा प्रक्रिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वृद्धि की राह पर आगे और विश्वव्यापी महामारी की स्थिति के मद्देनजर फ्यूचर जेनेरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआइएलआइ) ने 'प्रोजेक्ट बोल्ट' लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे अपने वैसे मौजूदा ग्राहकों के लिए पेश किया है, जो अपना जीवन और अधिक सुरक्षित करना, कंपनी से एक और पालिसी लेना चाहते हैं।

चूंकि सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) कायदा बन गया है, अधिकतर ग्राहक खरीदारी के समय कम-से-कम संपर्क या संपर्करहित बातचीत करना पसंद करेंगे। साथ ही, मेडिकल टेस्ट के लिए डायग्नोस्टिक सेंटरों में जाने से भी ग्राहकों को हिचक होगी। इसलिए, कंपनी ने अपनी विक्रय प्रक्रिया को पुनर्गठित करके इसे पूरी तरह डेटा संचालित, संपर्क रहित और कागज रहित बना दिया है। जोखिम के आधार पर ग्राहकों को पहले से चिह्नित कर लिया जाता और बीमांकन मॉडल और सम्पूर्ण विक्रय प्रक्रिया अब डिजिटलीकृत हो गयी है। अत:, अब सारी प्रक्रिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूरी हो सकती है जहां वितरक पर्याप्त ढंग से उत्पाद के बारे में समझा सकता है और ग्राहक डिजिटल पद्धति से पांच मिनट से कम समय में महज कुछ क्लिक करके बगैर कागजी प्रपत्र, दस्तावेज और यहां तक कि मेडिकल टेस्ट के प्रस्ताव को पूरा कर सकता/सकती है। इस प्रक्रिया में समय भी काफी कम लगता है और प्रस्ताव जमा करने के 48 घंटे के भीतर पालिसी जारी हो सकती है।

एफजीआइएलआई ने प्रोजेक्ट पर कैसे काम किया?

लीडरशिप टीम को नयी प्रक्रिया का ढांचा तैयार करने और मौजूदा प्रक्रिया में अपेक्षाओं का समाधान बताने का दायित्व दिया गया था। उसके बाद विभिन्न विभागों - विक्रय, आईटी, विपणन, परिचालन और अनुपालन की टीमों को प्रक्रिया का विखंडन करने और छांटने लायक अनावश्यक चरणों को चिह्नित करने को कहा गया। इसे किल-बिल्ड प्रयोग का नाम दिया गया जिसमें समाप्त (किल) करने वाले चरणों को और टेक्नोलॉजी के प्रयोग से तैयार की जाने वाली (बिल्ड) नयी सेवाओं की पहचान की गयी। यह प्रक्रिया नयी शुरुआत के लिए महत्वपूर्ण थी जो महज तीन क्लिक के साथ 5 मिनट में पूरी की जाएगी।

कोरोना से लड़ने में मददगार होगी अर्सेनिक एल्बम-30

हरियाणा की सभी जेलों में कैदियों व कर्मचारियों के लिए दिया मुफ्त

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोरोना के चलते हरियाणा सरकार जहां आयुष विभाग के माध्यम से देसी नुस्खों का प्रचार किया जा रहा है वहीं आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाओं का चलन फिर से बढ़ गया है।

इसी कड़ी के बीच इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फिजिशियनस की हरियाणा इकाई ने बुधवार को चंडीगढ़ में हरियाणा के गृहसचिव विजय वर्धन, जेल विभाग के महानिदेशक के.सेल्वराज से मुलाकात करके जेलों में बंद सभी कैदियों और जेल स्टॉफ व उनके परिजनों के लिए कोरोना से लड़ने् की दवा मुफ्त दी है। प्रदेश यूनिट के

अध्यक्ष डॉ. विनोद सांगवान ने बुधवार को चंडीगढ़ में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजय वर्धन से मुलाकात करके जेलों में बंद 18 हजार कैदियों, बंदियों के अलावा 7 हजार जेल स्टॉफ व उनके परिजनों के लिए मुफ्त में दवाई सौंपी। इस दौरान डीजीपी (जेल) के सेल्वराज और सुनारियां (रोहतक) के जेल अधीक्षक सुनील सांगवान भी मौजूद रहे। एसोसिसएशन के डॉ. हरप्रकाश शर्मा, डॉ. उमेशकांत खन्ना, डॉ. निर्मल तेज सिंह सोढ़ी भी इस दौरान साथ रहे। गृह सचिव ने जेल विभाग के महानिदेशक को कहा कि दवाइयों की कीमत अदा की जाए लेकिन एसोसिएशन ने कहा कि उन्होंने जेल विभाग को मुफ्त ही यह दवा देने का फैसला लिया है। दवा वितरण के लिए प्रदेश को जोन में बांटा गया है। कुरुक्षेत्र, कैथल, अंबाला व यमुनानगर जेल के कैदियों व स्टॉफ के लिए दवा का वितरण कुरुक्षेत्र से होगा। रोहतक से सुनारियां जेल के अलावा सोनीपत, पानीपत, करनाल, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल व रेवाड़ी जेल में दवा पहुंचाई जाएगी। हिसार से हिसार, जींद व सिरसा में दवा उपलब्ध होगी। नारनौल व भिवानी की जेलों में दवा का प्रबंध भिवानी जेल से होगा।

कोरोना से लड़ने के लिए बनाई गई इस दवा का नाम अर्सेनिक एल्बम-30 रखा गया है। होम्योपैथी की एक शीशी में इतनी गोलियां हैं कि परिवार के चार सदस्यों का काम आसानी से चल सकता है। व्यस्क को चार, 6 से 15 वर्ष तक के बच्चों को 3 और छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को लगातार तीन दिन रोजाना 2 गोलियां लेनी हैं। सुबह खाली पेट ये गोलियां लेनी होगी। गोली खाने के आधा घंटा पहले और आधा घंटा बाद कुछ खाना या पीना नहीं है। बहुत जरूरी है तो पानी पी सकते हैं। अहम बात यह है कि इन गोलियों को चबाने या निगलने की बजाय चूसकर खत्म करना है।

इस तरह से रक्षा करेगी दवाई

डॉक्टर सांगवान का कहना है कि केंद्रीय मंत्रालय की गाइड लाइन के हिसाब से बनाई गई इस दवा का मुख्य काम बॉडी में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। इसलिए इसे 'होम्योपैथिक इम्युन बूस्टर' कहा जाता है। वायरस से लडने् के लिए यह दवा एंटी बॉडी विकसित करती है। दवा का कोर्स पूरा होने के बाद अगर कोई व्यक्ति कोरोना संक्रमण की चपेट में आ भी जाता है तो यह दवाई वायरस को पनपने से पहले ही खत्म कर देगी। दवा का असर पूरे 30 दिन रहेगा। डॉ सांगवान ने कहा कि यह दवा लेने वालों को किसी तरह की परहेज करने की भी जरूरत नहीं है।

कोरोना महामारी

मौत के आंकड़ों पर गहराया विवाद

दिल्ली सरकार ने एमसीडी से मांगा अंतिम संस्कारों का सटीक ब्योरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस से हुई मौत के आंकड़े को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। विपक्ष ने भी इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सही संख्या बताने की

● राजधानी में अब तक 176 लोग मरे, निगम के आंकड़ों (12 अप्रैल से 16 मई के बीच) के मुताबिक-मरीजों-संदिग्धों समेत 531 की मौत

मांग कर चुका है। अब दिल्ली सरकार ने एमसीडी से पिछले कुछ समय में हुए सभी अंतिम संस्कारों की जानकारी मांगी है। जिसके जवाब में दक्षिण और उत्तरी दिल्ली नगर निगम की ओर से जवाब दिया गया है।

आम आदमी पार्टी की सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से दक्षिणी दिल्ली नगर निगम को चिट्ठी लिखा है। जिसमें अंतिम संस्कारों की जानकारी मांगी गई। जिसके जवाब में दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने 301 और उत्तर दिल्ली नगर निगम ने 230 अंतिम संस्कार की बात कही है। यानी एमसीडी की ओर से कुल 531 अंतिम संस्कार का आंकड़ा दिल्ली सरकार को भेजा गया है। इनमें कोरोना वायरस के संदिग्ध और कन्फर्म दोनों का आंकड़ा शामिल है। निगम ने 12 अप्रैल से 16 मई तक के आंकड़े जारी किए है। जिनमें पंजाबी बाग में 177, आईटीओ 130, निगम बोध 230 ये आंकड़ा दिल्ली में कोरोना वायरस से हुई कुल मौतों से काफी ज्यादा है। अभी इसमें कितनी लोगों की मौत कोरोना वायरस की वजह से हुई हैं। इसकी पुष्टि होनी बाकी है। उल्लेखनीय हो कि 11 मई को दिल्ली के भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे आग्रह किया था कि दिल्ली सरकार राजधानी में कोरोना से हुई मौतों की सही-सही संख्या जनता को बताए। विधायकों ने कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के मद्देनजर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अस्थायी अस्पताल बनाने की सलाह भी दी थी।

फाइल फोटो

लगातार दूसरे दिन 500 से ज्यादा केस

नई दिल्ली। कोविड-19 के मामले दिल्ली में रफ्तार पकड़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 534 नए केस आए हैं जो मंगलवार से भी ज्यादा है। कोरोना के 24 घंटे में यह अबतक के सबसे ज्यादा मामले हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या 11088 हो गई है। इनमें से 5720 केस अभी ऐक्टिव हैं वहीं 176 ने कोरोना से जान गंवा दी है। मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में पहली बार एक दिन में कोरोना से 500 लोग संक्रमित हुए थे। लेकिन इसके अगले दिन यानी बुधवार को ही 534 नए मरीज सामने आ गए। यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। औसतन 7.2 फीसद सैंपल पॉजिटिव पाए गए। यानि हर एक 100 में लगभग 7 लोगों में अभी तक संक्रमण पाया गया। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में संक्रमण लगभग 400 प्रति दिन था जो मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की जारी रिपोर्ट में 500 तक पहुंच गया। मंगलवार को 265 मरीज ठीक होकर अपने घरों को गए थे। वहीं बुधवार तक डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की आंकड़ा अब 5192 तक पहुंच गया है।

जेवर एयरपोर्ट को मिल ही गई अंतिम एनओसी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर एयरपोर्ट विकसित करने के लिए निर्माण कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल को केंद्र से सुरक्षा मंजूरी सिक्योरिटी क्लीयरेंस मिल गई है। लेकिन विकास कर्ता कम्पनी ने नियाल को मेल भेज कर कंसेशन एग्रीमेंट के लिए समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। सिक्यूरिटी क्लियरेंस के 45 दिन में एग्रीमेंट होना जरूरी है।

इसकी पुष्टि प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री व नागरिक उड्डयन एसपी गोयल ने की। उन्होंने मंगलवार देर रात ट्वीट किया कि मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास के लिए सुरक्षा मंजूरी मिल गई है। दरअसल कंपनी ने काम शुरू करने की प्रक्रिया के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय को सुरक्षा मंजूरी के लिए आवेदन किया था। बता दें कि जेवर एयरपोर्ट बनाने का कार्य स्विस कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी को मिला है। इससे पहले अप्रैल में जेवर एयरपोर्ट की बिड की वैधता की समय सीमा बढ़ा दिया गया था।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड नियाल बोर्ड ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए बैठककर इसकी सीमा बढ़ाने पर मुहर लगाई थी। सुरक्षा मंजूरी न मिलने के कारण एयरपोर्ट पर काम शुरू होने का मामला लटका था। इसके लिए कंपनी ने केंद्र सरकार से इसे मंजूरी देने की अपील की थी। इससे पहले यूपी सरकार ने राज्य का बजट पेश करने के दौरान एयरपोर्ट निर्माण की गति को बढ़ाने के लिए दो हजार करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

देश के सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने जा रहे जेवर एयरपोर्ट के लिए सरकार पहले ही चार से छह रनवे बढ़ाने की मंजूरी दे दी थी। पहले चरण में 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया था। बता दें कि जेवर एयरपोर्ट के बनने से हजारों लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इस एयरपोर्ट बनने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के लोगों को राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है।

बढ़ी बसों की संख्या, ज्यादा यात्री बैठे तो होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सार्वजनिक बसों के चालकों को अपनी बस में 20 से अधिक सवारियों को नहीं बैठाने का दिल्ली सरकार ने निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि अगर तय सीमा से अधिक लोग बसों में बैठें है और अनुरोध करने पर भी वे नहीं उतारते हैं तो चालक परिचालक व मार्शल पुलिस को फोन कर बुला सकते हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा लॉकडाउन के चौथे चरण में दी गई ढील के मुताबिक दिल्ली परिवहन निगम और क्लस्टर बसों में 20 से अधिक यात्रियों को नहीं बैठाया जा सकता। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने उम्मीद जताई कि

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत

धीरे-धीरे सड़क पर डीटीसी और क्लस्टर की सभी बसें उतर जाएंगी। मंगलवार को करीब 3400 बसें सड़कों पर उतारी गई थीं। इनमें विशेष किराए के तहत पुलिस और अन्य सरकारी एजेंसियों को दी गई 1,400 बसें भी शामिल हैं। अगले एक-दो दिन में परिवहन सेवा समान्य हो जाएगी। गहलोत ने कहा कि देशभर के अलग-अलग प्रदेशों के रहने वाले प्रवासी मजदूर, जो अपने गृह प्रदेश जा रहे हैं, उनको रेलवे स्टेशनों तक पहुंचाने के लिए आज भी डीटीसी की काफी बसें लगी हुई है। कल करीब 1 हजार बसें प्रवासियों को रेलवे स्टेशनों तक छोड़ने में लगी हुई थी।

आज भी करीब 1200 बसें राजस्व विभाग ने अधिग्रहित किया है। यदि सरकार हायर की गई स्पेशल बसों को मिला कर लें, तो कल करीब 3400 बसें सड़कों पर उतरी थीं। ट्रेनों का तीन-चार दिन और सेड्यूल है। इसके बाद बसों की संख्या बढ़ेगी। सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर दिल्ली सरकार पूरी तरह से गंभीर है। उनकी कोशिश है कि बसों

● बीस यात्रियों का नियम तोड़ने पर चालान, यात्रियों ने उतरने से किया मना तो आएगी पुलिस : गहलोत

में सिर्फ 20 यात्री ही बैठें। इसके लिए बस चालक, परिचालक और मार्शल को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि यदि 20 से अधिक यात्री बस में आ जाते हैं, तो वे बस नहीं चलाएंगे। अगर शिकायत मिलती है कि बस में 20 से अधिक सवारी बैठाई जा रही है, तो बस में मौजूद स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रोहिणी जेल के सहायक अधीक्षक हुए संक्रमित

नई दिल्ली। रोहिणी जेल में सहायक अधीक्षक कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। पांच दिन पहले इस जेल के 15 कैदी संक्रमित पाए गए थे।

वहीं जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया, करीब 34 दिन पहले अधिकारी को उच्च मधुमेह और गले में सूजन थी जिसके बाद उन्हें घर पर रहने और आराम करने के लिए कहा गया।

अधिकारी कोरोना वायरस की जांच के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल गए और मंगलवार को जांच रिपोर्ट में वह संक्रमित पाए गए। जेल सहायक अधीक्षक तिहाड़ आवासीय परिसर में रहते हैं और उनके परिवार के सदस्यों को होम क्वॉरंटीन कर दिया गया है।

लंबे बाल काटने पर नाराज युवक, चाकू घोंप कर की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक युवक को लंबे बाल रखने का शौक है। बालों को कोई हाथ भी लगा ले तो उसकी खैर नहीं। एक बदमाश ने कैंची लेकर सीधे उसके बालों की लंबी लटें ही काट दी।

युवक इस बात से इतना आग बबूला हुआ कि उसने बीच गली में बदमाश के चाकू घोंपकर हत्या कर दी। दोनों के बीच विवाद रुपये के लेनदेन को लेकर हुआ था। मृतक की पहचान सलमान के रूप में हुई है। कुछ घंटों बाद उसे दबोच लिया। आरोपित की पहचान फरमान उर्फ मन्नू के रूप में हुई। पुलिस ने उसके

कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। वेलकम थाना पुलिस केस दर्जकर मामले की जांच कर रही है। सलमान परिवार के साथ वेलकम इलाके में रहता था।

सलमान के खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज थे। पूछताछ में आरोपित फरमान ने बताया है कि वे इलाके में सिलाई का काम करता है।

सब्जी विक्रेता के साथ लूटपाट, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लगे लॉकडाउन के बीच गाजीपुर मंडी जाने के दौरान एक सब्जी विक्रेता और उसके दोस्त से लूटपाट करने वाले कथित तौर पर लूटने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कन्हैया, अमन, और अब्दुल रहमान के रूप में हुई। ये सभी पहले से ही लूटपाट, झपटमारी, चोरी के कई मामलों में शामिल रहे हैं।

आरोपियों ने गत 16 मई को शांति मुकुंद अस्पताल के पास सब्जी विक्रेता और उसके दोस्त से मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। पुलिस उपायुक्त अमित शर्मा ने कहा कि आनंद विहार पुलिस स्टेशन में लूटपाट का मामला दर्ज किया गया था।

नोएडा में भी दुकानों के लिए ऑड-ईवन

नई गाइडलाइन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना रेड जोन में शामिल प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में लॉकडाउन 4 के लिए जिला प्रशासन ने गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। इसमें दुकानों के खुलने, कहीं आने-जाने, उद्योग, जरूरी सामानों के साथ ही कई अन्य बातों को लेकर गाइडलाइन जारी हुई।

कन्टेनमेंट जोन के बाहर सभी तरह के उद्योग चलेंगे। यात्री वाहन और बसों का अंतरराज्जीय आवागमन नहीं होगा, यानी दिल्ली और नोएडा के बीच सवारी बसें नहीं

चलेंगी। इसके लिए राज्य सरकार अलग से निर्देश जारी करेगी।

शहरी इलाके में कोई भी वीकली मार्केट नहीं लगेगी। मार्केट में दुकानें एक दिन 50 फीसदी और अगले दिन 50 फीसदी के आधार पर खुलेंगी। दुकानें बंद करने का टाइम ऐसा होगा, जिससे शाम 7 बजे

● दिल्ली और नोएडा बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा : डीएम सुहास एलवाई

से पहले सभी घर पहुंच जाएं। मिठाई की दुकानें खुलेंगी।

गौतमबुधनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि लॉडाउन 4 के दौरान भी नोएडा दिल्ली के बीच अभी आवागमन नहीं होगा, शासन से इस संबंध में दिशा निर्देश मांगे गए हैं। तब तक डीएनडी सहित दिल्ली नोएडा के बीच सभी सीमाएं पूर्व की तरह सील रहेंगी।

गाजियाबाद में बाजार खुलने पर संशय, उखड़े व्यापारी

गाजियाबाद। बुधवार को हाई वोल्टेज हंगामे के बाद सम्पन्न हुई जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे और जनपद के व्यापारियों की बैठक के बाद भी बाजार खोले जाने को लेकर कोई फैसला नहीं हो सका।

डीएम ने व्यापारियों से सुझाव मांगे हैं। संभवतया गुरुवार से शहर के बाजार खुल सकें। जिला प्रशासन की मंशा है कि लॉकडाउन के दौरान लोगों कम से कम बाहर निकले इसके लिए ऑड-इवन प्रणाली लागू किया जाए, जबकि अधिकतर व्यापारी सातों दिन दुकान खोलने के पक्ष में हैं। इस मुद्दे को लेकर डीएम और व्यापारी उखड़े नजर आए।

आठ माह के बच्चे समेत और चार लोग कोरोना की चपेट में

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में बुधवार को कोरोनावायरस से संक्रमित 4 और लोगों की पहचान की गई है।

इनमें एक 8 महीने का बच्चा और 80 साल का बुजुर्ग भी शामिल हैं। तीसरी एक 27 वर्षीय युवती है, जो नोएडा के सेक्टर-15 की रहने वाली है। 8 महीने का बच्चा ग्रेटर नोएडा में रबूपुरा क्षेत्र के फलेदा गांव का निवासी है। जबकि, 80 साल के बुजुर्ग नोएडा के सेक्टर.110 में रहते हैं। एक 68 वर्षीय व्यक्ति शामिल है, जो नोएडा के सेक्टर-78 में सनशाइन हेलियस हाउसिंग सोसाइटी के निवासी हैं। सभी को उपचार के लिए अस्पतालों में भर्ती कर दिया गया है। गौतमबुद्ध नगर के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ सुनील दोहरे ने बताया बुधवार को 4 नए मरीज रिपोर्ट किए गए हैं। इनमें एक 68 वर्षीय व्यक्ति शामिल है, जो नोएडा के सेक्टर-78 में सनशाइन हेलियस हाउसिंग सोसाइटी के निवासी हैं। ग्रेटर नोएडा में रबूपुरा क्षेत्र के फलेदा गांव में एक 8 महीने का बच्चा भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी सरकार को बर्खास्त करने की मांग

गाजियाबाद। जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर योगी सरकार को बर्खास्त करने व प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमें वापस लेने की मांग की है। कांग्रेसियों ने कहा है कि प्रवासी मजदूरों को उनके घर वापस भेजने के लिए प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी ने एक हजार बसें चलाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन अब इन बसों को कभी लखनऊ, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा की सीमाओं से आगे नहीं बढ़ने दिया जा रहा है। हजारों मजदूर सड़कों पर पैदल चल रहा है। इस दौरान पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, अल्पसंख्यक कमेटी के जिलाध्यक्ष नसीम खान, राजेन्द्र, एहसान अली, मौ.तनवीर, शरीफ अहमद, चौधरी गफ्फार, निसार अहमद, शिबू अहमद, साजिद उल्लाह खां मौजूद रहे।

यशोदा अस्पताल की लैब में कोरोना जांच आज से

गाजियाबाद। अब कोरोना के संदिग्ध मरीजों को सैम्पल देने के 24 घंटे के अन्दर ही जांच रिपोर्ट मिल जाएगी। इससे इलाज में जहां तेजी आएगी वहीं संक्रमण का भी समय से पता चल सकेगा। कौशांबी के यशोदा अस्पताल में आज से जिले की पहली कोरोना वायरस जांच लैब खुलने जा रही है। यशोदा अस्पताल के एमडी डॉ.पीएन अरोड़ा ने बताया कि कोरोना जांच के लिए सैंपल लेना शुरू किया गया है। साथ ही घर से भी या कंपनियों, फैक्ट्री साइट से सैंपल लेने की सुविधा भी उपलब्ध है। अस्पताल के डायरेक्टर क्लीनिकल सर्विसेज डॉ राहुल शुक्ला ने बताया कि यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी की एनएबीएल से मान्यता प्राप्त टेस्टिंग लैब में कोरोना जांच शुरू की गई है। अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर सुनील डागर ने बताया कि यह जांच रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक सरकार द्वारा तय रेट साढ़े चार हजार रुपए में कराई जा सकती है।

तमंचा दिखाकर दस मोबाइल-नकदी लूटे

नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र के नगर स्थित पुराना कटहेरा रोड पर मोबाइल फोन रिपेयर की दुकान चलाने वाले युवक को हथियार के बल पर आतंकित कर बदमाश मोबाइल फोन व नगदी लूट ले गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत कोतवाली में की है। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है। दादरी नगर के मोहल्ला नई आबादी निवासी जफर पुत्र रमजानी नगर के पुराना कटहेरा रोड पर मोबाइल रिपेयर की दुकान करता है। मंगलवार शाम जफर मोबाइल फोन रिपेयर कर रहा था, तभी एक बदमाश मोबाइल रिपेयर कराने के बहाने दुकान पर आया तौर तमंचे के बल पर आतंकित कर रिपेयर के 10 मोबाइल फोन और 4.5 हजार रूपये लूट लिए। शोर मचाने पर गोली मारने की धमकी देकर बदमाश फरार हो गया। इसके बाद पीड़ित ने शोर मचाया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस बदमाश की तलाश कर रही है।

दोषी को अस्पताल ले जाकर जांच का निर्देश

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने जेल अधिकारियों को 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में एक दोषी को चिकित्सा जांच के लिए तीन दिन के भीतर आईएलबीएस अस्पताल ले जाने के लिए कहा है। उसे यकृत और गुर्दे का प्रतिरोपण कराना है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली सरकार और विशेष जांच दल को भी दोषी नरेश सहरावत की याचिका पर 25 मई तक स्थिति रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। सहरावत ने याचिका में चिकित्सा आधार पर अपनी सजा तीन महीने के लिए निलंबित करने की अपील की है।अदालत ने दंगा मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे सहरावत की याचिका पर यह निर्देश दिया है, जिसने अपने यकृत और गुर्दे के प्रतिरोपण के लिए तीन महीने की मोहलत मांगी है।

अपहरण के बाद नाबालिग लड़की की हत्या, युवक हुआ गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर थाना क्षेत्र में आठ वर्षीय एक लड़की का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई और शव भोजपुर गांव के जंगल में फेंक दिया।

बुधवार को पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लड़की की लाश बरामद कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी के अनुसार लड़की के परिजनों ने बताया कि मोदीनगर के विजयनगर कॉलोनी में आरोपित युवक गौरव को खरंजा लगाने का काम कर कर रहा था।

लड़की के माता-पिता राशन लेने गए थे, तभी गौरव उनके घर पहुंचा और पानी पीने के बहाने पीछे का दरवाजा खुलवाकर अंदर चला गया। परिजनों का कहना है कि उसने लड़की को 50 रुपये दिए और उसे मोटरसाइकल पर बिठाकर अपने साथ ले गया। मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। थोड़ी सख्ती से पूछताछ की तो गौरव ने सच उगल दिया।

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष समेत दो पर मुकदमा दर्ज

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी व उत्तर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक पंकज मलिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर सेक्टर 39 थाना में दर्ज की गई है। दोनो नेताओं पर लॉक डाउन और निषेधाज्ञा तोड़ने का आरोप है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक पंकज मलिक के नेतृत्व में कांग्रेस के नेता मंगलवार की शाम बड़ी संख्या में बसें लेकर नोएडा पहुंच गए थे। जिसके बाद पुलिस और कांग्रेसियों के बीच काफी तीखी झड़प भी हुई थी।

कोरोना रिपोर्ट आने तक रहना होगा क्वॉरंटीन

● पहले खून का नमूना देने के बाद घर चले जाते थे मरीज

विभु मिश्रा। गाजियाबाद

जिला स्वास्थ्य विभाग ने गाजियाबाद में कोरोना पर काबू पाने के लिए रणनीति बदलने का निर्णय लिया है।

अब विभाग संयुक्त जिला अस्पताल में बने टेस्ट सैम्पल बूथ पर कोविड-19 परीक्षण के लिए आने वालों को अब क्वॉरंटीन करने का फैसला किया है। यदि रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, तो व्यक्ति को इलाज के लिए कोविद अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। रिपोर्ट नेगेटिव आने पर उसे क्वॉरंटीन सेंटर से छुट्टी मिल जाएगी।

यह कदम विभाग ने ऐसे कई मामलों जिसमें, टेस्ट कराने वाला व्यक्ति अपने नमूने देने के बाद घर में क्वॉरंटीन में नहीं रहा। लेकिन बाद में वो पॉजिटिव पाया गया, जिससे उसके संपर्कों के बीच संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ गई।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोग कुछ सप्ताह पहले जिला संयुक्त अस्पताल के अंदर स्थित बूथ पर अपना नमूना देने के बाद बिहार और अलीगढ़ वापस चले गए थे। बाद में, उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई, लेकिन उन्हें ट्रेस करने में बहुत देर हो गई। बता दें कि संजय नगर के संयुक्त जिला अस्पताल में इस परीक्षण केंद्र को 7 अप्रैल को शुरू किया गया था।

यहां रोज लगभग 100 नमूने लिए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने संदिग्ध मरीजों के लिए संयुक्त अस्पताल के कोरेन्टीन सेंटर को आईएमएस कॉलेज में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने कहा कि नमूने देने वाले कॉलेज में तब तक रहेंगे, जब तक उनकी रिपोर्ट नहीं आ जाती।

लॉकडाउन-4 : छूट के बावजूद नहीं रूक रहे मजदूर

स्पेशल ट्रेनों का पास लेकर गांव और घर लौटने के लिए मारामारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन-4.0 में औद्योगिक इकाइयों और मार्केट सहित काफी कुछ खोलने की छूट दी जा रही है।

गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने इस संबंधित गाइड लाइंस जारी कर दी है। कोरोना वायरस के चलते लगभग दो माह से अस्त व्यस्त पड़े जन जीवन को पटरी पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद भी प्रवासी मजदूरों का पलायन जारी है। प्रवासी मजदूर घर जाने को बेताब हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिले के दादरी और दनकौर रेलवे स्टेशन से प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजने का सिलसिला पांचवें दिन भी जारी रहा।

घर जाने के लिए ट्रेन में बैठने पर राहत की सांस ले रहे हैं। बुधवार को दादरी और दनकौर रेलवे स्टेशन से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में नौ हजार से अधिक प्रवासी मजदूरों के उनके घर भेजा गया। दादरी स्टेशन से दो श्रमिक ट्रेनें रवाना की गई। पहली ट्रेन बिहार के छपरा सारण के लिए दोपहर 12:40 मिनट पर रवाना हुई, जिसमें 1544 यात्री और 285 बच्चे सवार थे। दूसरी ट्रेन दोपहर बाद 3:45 मिनट पर बिहार के अररिया के लिए रवाना हुई।

इस ट्रेन में 1544 यात्री व 302 बच्चे सवार थे। ट्रेन में बैठते ही बिहार के छपरा निवासी सरवर उनकी पत्नी अंगूरी देवी, बहन सोमवती और बच्चों ने सबसे पहले भोजन शुरू किया। सरवर का कहना था कि उनके परिवार को तीन दिन से भरपेट भोजन नहीं मिला था। उनका कहना है कि गांव जाने पर जान बच जाएगी, यहां कोरोना और भूख दोनों मिलकर जल्द ही मार देते। बिहार जाने के लिए उमेश, रोबिन व निरंजन आदि दिल्ली शाहदरा से रेलवे लाइन के रास्ते पैदल दादरी पहुंचे थे। रेलवे लाइन पर पुलिस को देख रूपबास गांव के रास्ते चलने लगे।

रास्ता भटकने पर फिर रेलवे लाइन पटरी के नीचे से स्टेशन पर पहुंचे। सभी लोगों दिल्ली में मजदूरी करते थे। वहीं दनकौर रेलवे स्टेशन से बुधवार को चार श्रमिक स्पेशल ट्रेनें रवाना की गई। पहली ट्रेन गाजीपुर के लिए भेजी गई, जो लखनऊ, सुल्तानपुर व जौनपुर होते हुए गाजीपुर पहुंचेगी। दूसरी ट्रेन गोरखपुर के लिए भेजी गई व तीसरी ट्रेन मऊ के लिए भेजी गई।

निजी अस्पतालों को सस्ते दामों में मिलेंगी पीपी किट

गाजियाबाद। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. एनके गुप्ता ने बताया आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार करने वाले निजी अस्पतालों को 50 फीसदी रेट पर पीपीई किट उप्लब्ध कराई जाएंगी। 50 फीसदी राशि का भुगतान उद्योग विभाग कम्पनियों के सीएसआर फंड से भुगतान करायेगा।

सीएमओ डा. गुप्ता ने बताया अब तक जनपद में डेढ़ सौ से अधिक निजी चिकित्सकों को कोविड प्रोटोकाल की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। निजी चिकित्सालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वह आपातकालीन सेवाएं जारी रखें और किसी भी गंभीर रोगी को उपचार देने से इनकार न करें। यह भी हिदायत दी गई है कि हर मरीज का उपचार करते समय उन सभी सावधानियों को अमल में लाएं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

डब्ल्यूएचओ के बोर्ड की अध्यक्षता मिलने से बढ़ा देश का गौरव : ओपी

पायनियर समाचार सेवा। नारनौल

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन को विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) के कार्यकारी बोर्ड की अध्यक्षता दिए जाने पर गहरा हर्ष व्यक्त किया है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। डब्ल्यूएचओ के बोर्ड की अध्यक्षता भारत को मिलना देश के लिए बड़े गौरव की बात है।

मंत्री ओमप्रकाश यादव ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि विश्व भर में कोरोना महामारी के बीच भारत के स्वास्थ्य मंत्री को यह

प्रदेश में कोरोना बीमारी का रिकवरी रेट 64.74 है जो एक अच्छा संकेत

महत्वपूर्ण दायित्व मिलना बहुत ही महत्व व मायने रखता है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ में भारत का जो मान-सम्मान और गौरव बढ़ा है। उसका पूरा श्रेय देश के प्रधानमंत्री को दिया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री रहते डॉ. हर्षवर्धन ने देश में कोरोना महामारी से लड़ने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन किया है। यही कारण है कि हमारे देश का रिकवरी रेट

लगातार बेहतर रहा है। हरियाणा में भी कोरोना बीमारी का रिकवरी रेट 64.74 है जो एक अच्छा संकेत है। श्री यादव ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में कोरोना बीमारी से डिस्चार्ज होने वाले लोगों का आकड़ा 629 है। उन्होंने कहा कोरोना महामारी से लड़ाई में हमारे देश में मृत्यु दर विश्व में सबसे कम है। जो आज की तारीख में 3.2 प्रतिशत है, जबकि वैश्विक मृत्यु दर 1.5 प्रतिशत है। उनके नेतृत्व में पूरे देश में महामारी से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण निगरानी तंत्र तैयार किया है। इससे जिला स्तर पर भारी पैमाने पर टैस्टिंग का कार्य संभव हो सका है।

श्री यादव ने कहा कि केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पृथ्वी विज्ञान मंत्री होने के नाते विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने पर्यावरण की रक्षा के लिए एक बड़े नागरिक अभियान में ग्रीन वुड डीडस की शुरूआत की है।

खेल मंत्री ने विकास कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

पिहोवा। हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने अधिकारियों के साथ क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा। मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी को सूची बनाकर देनी होगी कि कितने विकास कार्य पूरे हो चुके हैं और कितने अभी होने शेष हैं।

लॉकडाउन के चलते प्रभावित हुए कार्यों में अधिकारियों को व्यक्तिगत रूचि लेते हुए तेजी दिखानी होगी, ताकि लॉकडाउन पीरियड के दौरान हुई देरी की क्षतिपूर्ति की जा सके। इस्माइलाबाद के निजी पैलेस में खेल मंत्री संदीप सिंह बुधवार को अधिकारियों से रूबरू हुए। उन्होंने बिजली विभाग के कार्यकारी अभियंता

एमएस धीमान और एसडीओ को आदेश दिए कि रात के समय बिजली के कट की समस्या को कम किया जाए और किसी तरह का फाल्ट आने पर मिलने वाली शिकायत पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। पीडब्ल्यूडी बीएंड आर के कार्यकारी अभियंता अमित मलिक, एसडीओ अमित मनुजा, सुरेंद्र सिंह, जेई संदीप, जेई वीरेंद्र सिंह और शाहाबाद के जेई विजय वधावन आदि से हुई बातचीत में खेल मंत्री ने कहा कि सड़कों के निर्माण में क्वालिटी को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय की नई पहल जननी हेल्पलाइन

गुरुग्राम। लॉकडाउन के दौरान महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी के समाधान के लिए गुरुग्राम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा जी ने प्रोजेक्ट पिंक बटरफ्लाई के साथ मिलकर जननी हेल्पलाइन की शुरूआत की, ताकि कोई भी महिला कॉल कर अपनी सेहत से संबंधित किसी भी परेशानी का समाधान जान सके। जननी हेल्पलाइन नंबर 18002126119 है।

कंटेनमेंट जोन में 600 वृद्धों को कोरोना प्रतिरोधक दवा दी जाएगी

नरेश कुमार। सोहना

आयुष विभाग शहर के चार कंटेनमेंट जोन में 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले 600 वृद्धों को आर्युवैदिक प्रतिरोधक दवाई वितरण करेगा। ताकि अधिक उम्रदराज लोगों में कोरोना से लड़ने की शक्ति हो सके।

केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के आदेश पर बुधवार को सोहना के नागरिक अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर, नर्स, स्टॉफ, सफाई कर्मचारी सहित 110 कर्मचारियों को आर्युवैदिक प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाली दवाई दी गई। जिला आर्युवैदिक अधिकारी डॉ. मंजू बांगड़, स्थानीय अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर, डॉ. कुलभूष, डॉ. सुनीता दहिया फार्मेसी सुमित कुमार सहित मौजूद थे। डॉ. मंजू बांगड़ ने बताया कि आयुष मंत्रालय ने लोगों में कोरोना से लड़ने की ताकत बढ़ाने के आदेश जारी किए हैं। जिसके तहत उनका विभाग ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित कर रहा है। जहां-जहां कोरोना के पॉजिटिव केस मिले हैं। उन्होंने बताया कि सोहना में अभियान की शुरुआत नागरिक अस्पताल से की गई। वहां डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, सफाई कर्मचारियों आदि अन्य को दवा वितरण की गई।

बुधवार को सोहना के नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों को कोरोना प्रतिरोधक आर्युवैदिक दवा वितरण की गई।

उन्होंने बताया कि जो दवा दी गई है। वह पांच दिन कम से कम खानी है। छह वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों को भी पांच दिन का कोर्स होगा।

नागरिक अस्पताल में आयुष विभाग के प्रभारी डॉ. कुलभूषण ने बताया कि सोहना शहरी क्षेत्र में चार कंटेनमेंट जोन रहे थे। जिसमें ठाकुरवाड़ा, शिव कुंड, भूड़पाड़ा व त्रिपत कॉलोनी शामिल है। चारों जोन में 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले महिला-पुरुषों की संखया लगभग 600 है। जहां पर यह दवा फ्री में दी जाएगी। ताकि 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों में कोरोना महामारी से लड़ने की क्षमता बढ़ सके। डॉ. कुलभूषण ने बताया कि कोरोना प्रतिरोधक दवाइयों में ग्लोयधवली, अनुप तेल और हरित की नामक मुख्य दवाइयां है। ये दवाइयां शरीर में कोरोना से लड़ने की क्षमता बढ़ाती है। जिसे कोई व्यक्ति पांच दिन तक उपयोग नियमित कर सकता है।

1983 पीटीआई को दोबारा से लेने की मांग

अध्यापक संघ ने खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल खटाना को ज्ञापन सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने सर्व कर्मचारी संघ के तत्वावधान में प्रदेश सरकार से 1983 पीटीआई को दोबारा से नौकरी पर लिए जाने की मांग की है। संघ ने राज्य सरकार से भर्ती प्रक्रिया एवं भर्ती आयोग में कोई भी सीधा हस्तक्षेप न होने के कारण सेवा में रखने को कहा है।

बुधवार को सोहना में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर के बाहर राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल

खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल खटाना को ज्ञापन सौंपते अध्यापक संघ।

प्रांगण में हरियाणा अध्यापक संघ कार्यकर्ताओं की सर्व कर्मचारी संघ के बैनर तले राज्य में 1983 पीटीआई को निकाले जाने पर बैठक हुई। अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्षक कंवरपाल यादव ने की। अध्यापक संघ के जिला प्रधान सुभाष यादव, सत्यनारायण यादव राज्य उपप्रधान हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, जसविन्द्र शास्त्री, जिला सचिव, कुलदीप खटाना पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, सुरेन्द्र शास्त्री पूर्व जिला अध्यक्ष, सूरज प्रकाश, पीटीआई सतबीर सहित करीब सौ कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद अध्यापक संघ कार्यकर्ताओं ने खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल खटाना को ज्ञापन सौंपा। खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल ने अध्यापक संघ को आश्वासन देते हुए कहा कि उनकी मांग को बहुत ही जल्द उच्चाधिकारियों में पहुंचा दिया जाएगा।

शिक्षकों की ड्यूटी लगाने का किया विरोध

प्रदेश सरकार व शिक्षा विभाग पर हरियाणा अध्यापक संघ ने कोविड-19 में शिक्षकों की लगी ड्यूटी को उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। अध्यापक संघ ने कोविड-19 ड्यूटी से शिक्षकों को तुरन्त प्रभाव से मुक्त किए जाने की मांग की है।

सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने शहीद राजसिंह खटाना को दी श्रंदाजलि

सोहना। फरीदाबाद के सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने दमदमा में पहुंच शहीद राजसिंह खटाना को श्रद्धांजलि दी। सांसद ने पीड़ित परिवार से मुलाकात करते हुए केन्द्र सरकार से शहीद फंड से अधिक से अधिक राशि दिलाने का आश्वासन दिया। गांव के राजकीय मिडिल स्कूल को कक्षा 12वीं तक का दर्जा दिलाने और इसका नामकरण शहीद के नाम पर कराने का भरोसा भी दिया है।

इस अवसर पर सोनू खटाना धुनेला, सतबीर पहलवान, स्वराज खटाना व गांव के गणमान्य लोग मौजूद थे। कृष्णपाल गूर्जर ने शहीद की मां बिमला देवी और पत्नी रविता को ढांढस बंधाया।

बुधवार को गांव दमदमा में शहीद राजसिंह खटाना की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते फरीदाबाद से सांसद कृष्णपाल गुर्जर।

गुरुग्राम जिला में हुई देश की पहली डिजिटल ग्राम सभा

ग्रामीणों ने जूम ऐप पर रखी समस्याएं पंचायत ने पारित किए प्रस्ताव

सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन ने नयागांव में लागू किया बीबीपुर मॉडल

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

बेशक कोरोना के वार से लॉकडाउन में देश और दुनिया संकट में हैं, लेकिन इस कोरोना ने सुपर पावर अमेरिका से लेकर गांव की छोटी सरकारों को नए तरीके से जीना और काम करना सिखा दिया है। बुधवार को गुरुग्राम जिला के नयागांव में देश की पहली डिजिटल ग्राम सभा हुई। इस दौरान जूम ऐप के माध्यम से ना केवल ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखी, बल्कि पंचायत ने कई प्रस्ताव भी पारित किए। कोरोना में यह एक बड़ा बदलाव यहां देखने को मिला।

सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन ने यह अनोखी पहल की। इस ग्राम सभा में जहां पंचायत सदस्यों ने अपने-अपने वार्ड की समस्याएं रखी, वहीं सरपंच की मौजूदगी में इस प्लेटफार्म पर कई प्रस्ताव भी पारित किए गए। टेक्नॉलोजी के जरिए पूरी ग्राम पंचायत के सदस्य जहां अपने-अपने घरों से जूम ऐप के माध्यम से जुड़े थे, वहीं ग्रामीण भी अपने-अपने घरों से इस सभा से जुड़े रहे। सरपंच सुरज्ञान सिंह की अध्यक्षता में हुई इस ग्राम सभा में पंच शिशिर कुमार ने जहां कच्ची गलियों को पक्का करने की समस्या को उठाया, वहीं वार्ड नंबर पांच के पंच विनय दुबे ने राशन कार्ड नहीं बनने, पानी की निकासी जैसे कई मुद्दे उठाए। ग्राम सभा के दौरान सदस्यों ने शमशान घाट, स्ट्रीट लाइट आदि जैसे मुद्दे उठाए। सचिव गंगाराम ने कार्यालय से सभा की कार्यवाही लिखी।

गुरुग्राम जिला के नयागांव से डिजिटल ग्राम सभा में भाग लेते सरपंच, पंच व बीबीपुर गांव के पूर्व सरपंच एवं सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के जनक सुनील जागलान।

आईटी से जोड़कर रुके विकास को गति का प्रयास

सेल्फी विद डॉटर फांउडेशन के अध्यक्ष सुनील जागलान कहते हैं कि सामाजिक दृष्टि से उत्थान के लिए पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी फांउडेशन द्वारा हरियाणा के 100 गावों को गोद लिया गया है। इन गावों में बीबीपुर मॉडल को लागू करने के लिए पिछले कई वर्षों से काम हो रहा है। फांउडेशन द्वारा ज्वलंत मुद्दों पर जहां वैबीनार का आयोजन किया जा रहा है, वहीं देश में सबसे पहला प्रयास करते हुए आज गुरुग्राम के सोहना उपमंडल के गांव नयागांव में डिजिटल ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को आईटी तकनीक के साथ जोड़ते हुए लॉकडाउन में सरकार के निर्देशों का पालन करना तथा उनके रूके हुए विकास कार्यों को गति देना था।

मेयर ने राजीव चौक पर बांटे जूते-चप्पल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद ने बुधवार को यहां राजीव चौक पर पैदल जा रहे प्रवासियों को जूते व चप्पलें वितरित की। कार्यक्रम नवकल्प फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया। भोजन, राशन के बाद अब नवकल्प ने जूते और चप्पलें वितरित करने की सेवा शुरू की है। साथ ही सभी को पानी की बोतलें भी दी गई।

मौके पर प्रवासियों को मेयर मधु आजाद ने कहा कि लॉकडाउन में बेशक वे घर जा रहे हैं, लेकिन लौटकर जरूर आना। यहां काम-धंधे उनका इंतजार करेंगे। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम शहर के विकास में उनका

गुरुग्राम के राजीव चौक पर प्रवासियों को चप्पलें वितरित करतीं मेयर मधु आजाद।

अहम योगदान है। यह योगदान आगे भी रहना चाहिए। मधु आजाद ने कहा कि देश के हर कोने से यहां पर लोग रहते हैं। सभी का यहां के विकास में किसी न किसी रूप में योगदान है। उन्होंने नवकल्प फाउंडेशन के कार्यों की भी सराहना की, जिसने खुद भी वंचितों को भोजन, राशन उपलब्ध कराया, वहीं अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर भी इस काम को गति दी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को यौद्धा के रूप में सम्मान देकर संस्था ने और भी बेहतर काम किया। यह जरूरी था कि समाज के उन व्यक्तियों को पूरा सम्मान दिया जाए, ताकि वे अपने काम को और भी अधिक बेहतरी से कर सकें। हर कोई इस कोरोना काल में घर में था, लेकिन सफाईकर्मियों ने योद्धा बनकर काम किया है।

फाउंडेशन के सचिव डा. सुनील आर्य ने कहा कि लोगों के पांवों में चप्पलें तक नहीं हैं, तो सोचा कि क्यों न चरण पादुकाएं आवंटित की जाएं। उसी दिन से उन्होंने चप्पलों, जूतों का आवंटन शुरू कर दिया। उनका यही प्रयास रहा है कि हर तरह से वंचितों को सहायता की जाए।

तीन कॉमर्शियल बिल्डिंग सहित छह दुकानें सील

अनाधिकृत निर्माणों पर निगम कार्रवाई जारी

गुरुग्राम। नगर निगम से बिल्डिंग प्लान स्वीकृत करवाए बिना किए जा रहे अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ नगर निगम गुरुग्राम की इनफोर्समेंट टीमों ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

बुधवार को जोन-4 क्षेत्र की इनफोर्समेंट टीम ने सहायक अभियंता राजीव यादव के नेतृत्व में गांव इस्लामपुर तथा टीकली में अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफकार्रवाई की। टीम ने इस्लामपुर में 3 कमर्शियल निर्माणाधीन भवनों को सील करने के साथ ही गांव टीकली में 6 दुकानों को भी सील किया। टीम द्वारा पूर्व में भी निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी किए गए थे। नगर निगम सीमा में होने वाले

गुरुग्राम नगर निगम के जोन-4 क्षेत्र में अवैध निर्माणाधीन बिल्डिंग को सील करते निगम अधिकारी।

अनाधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई करने के लिए जोन वाइज अलग-अलग चार टीमों का गठन किया हुआ है। इन टीमों का इंचार्ज सहायक अभियंताओं को बताया गया है तथा संबंधित सहायक अभियंता को ही ड्यूटी मजिस्ट्रेट की भी जिम्मेदारी सौंपी हुई है।

रतन लाल के तबादले से लोगों में नाराजगी

क्षेत्र के कुछ लोगों को एसएचओ के ईमानदारी से कार्य करने का तरीका शायद रास नहीं आया

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के पिनगवां थाने में पिछले कई महीने से अपराध की दिशा में तेज गति से काम करने वाले इंस्पेक्टर रतन का तबादला होने पर इलाके के लोगों में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है।

लोगों में चर्चा है कि इंस्पेक्टर रतन लाल ने पिनगवां थाने में रहकर ऐसे अपराधियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की थी, जो पिछले बीस सालों से पुलिस की आंखों में धूल झोक रहे थे, लेकिन क्षेत्र के कुछ लोगों को ईमानदारी से कार्य करने का ये तरीका शायद रास नहीं आया और एसपी साहब तक नए-नए बहाने बनाकर शिकायत की गई।

क्षेत्र के लोगों ने एसपी साहब से इंस्पेक्टर रतन लाल को फिर से पिनगवां थाने में लगवाने की मांग की है। मकसूद उर्फ बिल्लू, असलम हींगनपुर, फकरुद्दीन, असरुद्दीन तेड़ सहित काफी लोगों ने इंस्पेक्टर रतन लाल के तबादले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि पिनगवां थाने को पहली बार तो ईमानदार अधिकारी मिला, लेकिन उसका भी तबादला हो गया।

उनका कहना है कि थाने में अब तक कितने एसएचओ आए और गए, लेकिन रतन लाल जैसा इमानदार एसएचओ शायद पिनगवां थाने को पहली बार मिला। जिसने थाने में पुराने सभी मामलों को निपटाया। लोगों की मानें तो रतन लाल ने गरीब लोगों की फरियादों पर कुछ अधिक ध्यान दिया, यही कारण है कि लोग उनके काम से खुश रहते थे।

वापस लाने की उठी मांग

रतन लाल ने पुराने व उद्घोषित अपराधियों सलाखों के पीछे भेजने का काम किया। जो लोग बीस बीस सालों से पुलिस की आंखो में धूल झोंक कर फरार चल रहे थे, उन्हें रतन लाल ने पकड़ा। पूरे जिले में उनका कार्य ओरों से कहीं बेहतर था। **-फकरुद्दीन।**

तबादले से इलाके के लोगों में खासी नाराजगी है, जब लोगों तक रतन लाल के तबादले की खबर पहुंची तो लोगों ने इस पर अपनी नाराजगी जाहिर की। एसपी साहब से हमारी गुजारिश है कि रतन लाल जैसे एसएचओ को पिनगवां में दोबारा तैनात करे। **-असलम हींगनपुर।**

इंस्पेक्टर रतन लाल ने पिनगवां थाने में रहकर इमानदारी से कार्य किया। उसके समय दलालों के लिए दरवाजे बंद थे, इसलिए पिनगवां कस्बे के चंद लोगों को उसकी ये अदा पसंद नहीं आई। **-मकसूद उर्फ बिल्लू।**

रतन लाल के कार्य से इलाके के सभी लोग खुश थे, चंद लोग जो फर्जी व जाली कामों को लेकर आते थे केवल वही नाराज थे। तबादले से हम नाराज हैं, हमारी एसपी साहब से यही गुजारिश है कि इंस्पेक्टर रतन लाल को पुनः पिनगवां थाने में लगाया जाए। **-असरु तेड़।**

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर के डोडा में शहीद हुए जवानों को दी श्रद्धांजलि

गुरुग्राम। कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में लान्स नायक राज सिह शहीद हो गए। यहां राजेंद्रा पार्क में लोगों ने मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में मॉस्क लगाकर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों ने शहीद जवानों को नमन किया। सरकार से पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग की। सभी ने एक स्वर में मांग की कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत सरकार की रक्षात्मक नीति का त्याग हो और खुफिया सूचनाओं पर सबसे पहले अटैक करने की नीति अपनायी जाए। शहीदों के सम्मान और हक के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले समाजसेवी राजेश पटेल ने इस मौके पर कहा कि कश्मीर में सैनिकों की शहादत को रोकने के लिए केंद्र सरकार को विशेष नीति बनानी चाहिए। मौके पर विजय, विवेक, श्याम, वकिल, राहुल, संदीप कुमार, रवि, विशाल, गौरव, रंजीत, वकिल, विक्की, राजेश व महिला जन सेवा समिति गुरुग्राम से रूपा पटेल, रेनू, रितू, तारा, उजाला, कृष्णा देवी, लक्ष्मी, बेबी उर्मिला मौजूद रहे।

जेल में बंदी ने किया आत्महत्या का प्रयास

सोहना। भोंडसी जिला जेल में मानसिक रूप से परेशान विचाराधीन बंदी ने आत्महत्या करने का प्रयास किया। हैज काटने वाली कैची से अपनी गर्दन काटने का प्रयास किया था। भोंडसी थाना पुलिस के हवलदार ललित कुमार ने बताया कि विचारधीन बंदी चरण सिंह के खिलाफ फर्रूखनगर थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज है। करीब ढाई माह पहले चरणसिंह भोंडसी जिला जेल में आया था। जो सजा मिलने को लेकर मानसिक रूप से परेशान रह रहा था। बंदी ने पुलिस को बताया कि वह चार रात से जेल में सो भी नहीं पाया हूं। जिसके कारण उसका मानसिक संतुलन खराब चल रहा है। जेल वार्डन की सूचना पर बंदी को अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से बंदी चरणसिंह को उपचार के लिए गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। वहां उपचार के बाद चरण सिंह को मंगलवार को डॉक्टरों ने छुट्टी दे दी।

ग्रामीणों को रक्तदान के प्रति जागरूक कर रहा रेडक्रॉस

गुरुग्राम। रक्तदान के प्रति शहरी क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ ग्रामीण अंचल में भी रक्तदान के प्रति जागरुक किया जा रहा है। जिला रेडक्रॉस सोसायटी अब ग्रामीण अंचल में सक्रिय हो गई है। ग्रामीणों में खासकर युवा रक्तदान के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को सोहना खंड के गांव दौला में रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 62 यूनिट रक्तदान हुआ। जिला रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष एवं जिला उपायुक्त गुरुग्राम अमित खत्री के मार्गदर्शन में लगाए गए इस शिविर का शुभारम्भ सोहना के विधायक कंवर संजय सिंह एवं रेडक्रास सोसायटी के सचिव महेश गुप्ता द्वारा किया गया। विधायक कंवर संजय सिंह ने कहा कि रक्तदान जैसे महान कार्य के लिए और भी गांव में रक्तदान शिविर करने में सोहना निवासी हमेशा तैयार रहेगें। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव महेश गुप्ता ने कहा कि रेडक्रॉस अपने उद्देश्य की पूर्ति में हमेशा अग्रणी रहता है। कोरोना काल में प्रवासियों के साथ-साथ वंचितों की सेवा में सोसायटी ने अहम रोल अदा किया है। उन्होंने कहा कि जिलाभर में रक्तदान शिविर लगाने की योजना बनाई जा रही है। क्योंकि आज के समय में रक्त की बहुत जरूरत है। सोसायटी का प्रयास है कि गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर में होने वाली रक्त की कमी को पूरा किया जाता रहे। यह कार्य पहले से जारी है। शिविर में रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट भी वितरित किए गए। इस रक्तदान शिविर में गांव से सतीश राघव, उदय सिंह, सतबीर राघव, मोहित राघव, रिषी राघव, विरेंद्र सिंह, अरुण राघव, नवीन राघव का सहयोग रहा। महिलाओं ने भी शिविर में भाग लिया। पीके भल्ला, रेडक्रास सोसायटी से कविता सरकार, नीलम, बिमला, मातादीन एवं वालंटियर सारिका एवं शिखा टंडन तथा इंडियन रेडक्रास सोसायटी नई दिल्ली ब्लड की टीम के सदस्यों ने आदि ने अहम भूमिका निभाई।

पुरानी रंजीश में झगड़ा करते हुए एक लाख 52 हजार रुपये लूटें

सोहना। अरावली पहाड़ी में पुरानी रंजीश के चलते बिरेजा गाड़ी सवार आधा दर्जन युवकों ने ठेकेदार के साथ मारपीट कर एक लाख 52 हजार रुपये लूट लिए। भोंडसी थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिला नूंह के गांव पढैनी निवासी फकरुद्दीन पुत्र दलशेर ने भोंडसी थाना पुलिस को बताया कि वह रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी में बने फार्म हाउसों में हाउस किपिंग और तारफेंसी का ठेका लेता है। उसके काम से गांव गैरतपुर बास जिला गुरुग्राम निवासी अमरसिंह, सतपाल, अशोक रंजीश रखते हैं। मंगलवार शाम पांच बजे वह फार्म हाउस नंबर एफ-33 में काम ठेके पर लेने के लिए गया था। फार्म हाउस मालकिन सरिता गुप्ता ने उसे एक लाख 32 हजार रुपये एडवांस में दिए थे। 20 हजार रुपये उसके पास पहले से ही थी। लौटते समय रास्ते में गैरतपुर बास निवासी अशोक राठी, अमरसिंह, सतपाल व अशोक सहित दो-तीन लोगों ने उसे रोक लिया। युवकों ने उसे उसकी गाड़ी से नीचे उतार लिया। उसके साथ मारपीट की और अशोक राठी ने रुपये छीन लिए। उसके बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए।

फटाफट खबरें

हवलदार अर्जुन सिंह ने दिखाई ईमानदारी, लौटाए रुपये

फरीदाबाद। पुलिस विभाग में ऐसे कई अधिकारी व कर्मचारी है जो अपनी काबलियत और ईमानदारी की वजह से लोगों के दिलों में अलग जगह बनाए हुए है। इनमें आज एक नाम और जुड़ गया है और वो है एनआईटी थाने का हेडकांस्टेबल अर्जुन सिंह एक बुजुर्ग जगदीश लाल उम्र 50 वर्ष को उसके रूपये वापिस देकर जोकि एटीएम में रह गए थे, वाकई में बहुत ही नेक काम किया।

दरअसल बुजुर्ग जगदीश लाल एचडीएफसी बैंक की बीके चौक शाखा पर एटीएम से 1300 रूपये निकालने पहुंचे। उन्होंने एटीएम में अपना कार्ड लगाया और रूपये निकालने के लिए प्रकिया को पूरा किया। रूपये नहीं निकलने पर जल्दबाजी में उन्होंने अपना कार्ड दूसरी मशीन पर लगाया। वहां से रूपये निकलने के बाद वे चलता बने। उनके जाने के बाद हेडकांस्टेबल अर्जुन सिंह भी कुछ रूपये निकालने के लिए एटीएम पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एटीएम मशीन से 1300 रूपये निकले पड़े है और साथ में पर्ची में निकली हुई थी। हेडकांस्टेबल अर्जुन सिंह ने पर्ची की सहायता से जगदीश लाल का पता लगाया और उसे एनआईटी थाने में बुलाकर रूपये उनके सुपुर्द किए। रूपये मिलने पर बुजुर्ग जगदीश लाल ने हेडकांस्टेबल अर्जुन सिंह का कोटि कोटि धन्यवाद करते हुए कहा कि आपकी इस ईमानदारी को हमेशा याद रखूंगा। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण पिछले लगभग दो महीनों से हम पैसा बहुत सोच समझकर खर्च कर रहे थे ऐसे में अगर हमारे 13 सौ रूपये चले जाते तो हमें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ सकता था।

लॉकडाउन में बढ़ रहे एंग्जाइटी के मरीज

फरीदाबाद। लॉकडाउन के दौरान लगातार घर में रहने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्या लोगों में बढ़ रही है। अस्पतालों में बीमारी से संबंधी रोजाना 10 से 15 इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रोहित गुप्ता के मुताबिक कोरोना से पीड़ित होने का डर, किसी करीबी को खो देने की चिंता, बाहर न निकल पाने की बेचैनी और आने वाले दिनों में मंदी की मार जैसी बातें परेशानी की वजह बन रही हैं। डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि लॉकडाउन में सामान्य लोग भी मरीज बन रहे हैं। इसकी अनेक वजह है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है एंग्जाइटी। लोगों का डर, इसके अलावा लोगों का खानपान बदल गया है। धूप में निकलना कम हो गया है। एंग्जाइटी में लोगों को अपनी नौकरी की भी चिंता सता रही है। लोगों की सेविंग्स (बचत) खत्म हो रही है। रिश्तेदार दूसरे राज्यों में फंसे हुए हैं, उनकी चिंता है। कुछ लोग फोन पर न्यूज अलर्ट बहुत ज्यादा लगा लेते है। इन सभी फेक्टर की वजह से लोगों को रात में नींद नहीं आती है। उन्होंने कहा कि लोगों का सोना दो तरह से बाधित हो रहा है। एक वह लेटते जरूर है मगर नींद नहीं आती है। दूसरा सोने के दौरान बीच-बीच में उठ जाते हैं। इस कारण सुबह उठने पर सिर दर्द होता है, थकावट महसूस होती है।

उन्होंने कहा कि खानपान भी एंग्जाइटी की एक वजह है। लोगों को सुबह काम पर नहीं जाना होता है, इसलिए रात में देर से खाना खाते है और देर से सोते हैं। इस वजह से एसिडिटी हो जाती है। इसके साथ ही लोगों का चलना फिरना खत्म हो गया है। पहले लोग काम पर जाते थे, चलते फिरते थे। इससे उन्हें थकावट नहीं होती है जो अब हो रही है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि दिन में हमें जो धूप मिलती है इससे रात के समय शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन बनता है। ये हमारे नींद की क्षमता को मजबूत करता है। अब दिन में प्रोपर धूप न मिलने की वजह से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन नहीं बन रहे। इससे लोगों की नींद प्रभावित हो रही है।

ऐसे निपटें

भारतीय मजदूर संघ ने किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। केंद्र सरकार द्वारा संशोधित श्रम कानून के खिलाफ भारतीय मजदूर संघ ने विरोध दिवस मनाया। भारतीय मजदूर संघ हरियाणा के प्रदेश महामंत्री हनुमान गोदारा के आह्वान पर कर्मचारियों ने मांग करते हुए केंद्र के निर्णय अनुसार पूरे देश में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात सरकार द्वारा सभी श्रम कानूनों को अगले तीन-चार वर्ष के लिए निष्प्रभावी करने, हरियाणा सहित कई प्रदेशों द्वारा फैक्ट्री एक्ट में संशोधन कर काम के घंटे 8 से बढ़ाकर 12 घंटे करने, गृह व श्रम मंत्रालय के दिशा-निर्देश होने के बावजूद भी कर्मचारियों की छंटनी मार्च- अप्रैल माह का वेतन न मिलने, पब्लिक सेक्टर के संस्थानों का निजीकरण करने, प्रवासी मजदूरों का राष्ट्रीय पंजीकरण रजिस्टर उनके रोजगार व आने जाने की समुचित व्यवस्था जैसे मुख्य मुद्दे तथा स्थानीय समस्याओं की ओर केंद्र व राज्य सरकारों का ध्यान आकर्षित करने के लिए 20 मई को विरोध दिवस के रूप में मनाया गया है। सभी कार्यकर्ताओं ने सोशल डिस्टेंस का पालन के उद्देश्य से शहर में एक स्थान पर एकत्रित होने के बजाय अलग-अलग दो तीन स्थानों पर प्रदर्शन किया।

कोरोना का कहर: एक दिन में 13 पॉजिटिव, 176 पर पहुंचा आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार को 13 पॉजिटिवों की पुष्टि के बाद आंकड़ा 176 पर पहुंच गया। पॉजिटिव पाए गए मरीजों में अधिकतर किसी न किसी पॉजिटिव के सम्पर्क में आने से इस बीमारी हुए है। वहीं दो मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। मंगलवार को जेल से मिले दो कैदियों की सूचना पर कोर्ट परिसर को सैनिटाइज गया और कैदियों के सम्पर्क में आए न्यायाधीशों, वकीलों व पुलिस कर्मियों ने बीके अस्पताल पहुंचकर जांच करवाई।

यहां से है 13 पॉजिटिव

पॉजिटिव पाए गए मरीजों में ऑटोपिन झुग्गी से 40 वर्षीय महिला और उसकी 20 वर्षीय बेटी पॉजिटिव है। दोनों पहले से ईएसआईसी में दाखिल मरीजों के सम्पर्क में आई है। भारत कालोनी में पहले से पॉजिटिव पाए गए व्यक्ति की 27 वर्षीय भांजी के अलावा बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल का 36 वर्षीय एक एमपीएचडब्ल्यू कर्मी पॉजिटिव पाया गया है। दोनों को होम आईसोलेट किया गया है। अन्य मरीजों में पर्वतीया कालोनी से पिछले दिनों पॉजिटिव पाई गई एक गर्भवती महिला के सम्पर्क में आए उसके 27 वर्षीय पति, 54 वर्षीय ससुर, 20 वर्षीय देवर और 26 वर्षीय ननद शामिल है। 25 वर्षीय एक व्यक्ति इंद्रा कालोनी से भी पॉजिटिव आया है। वह भी पहले से दाखिल एक मरीज के सम्पर्क में आया था। डबुआ कालोनी से दिल्ली के एक इंजीनियरिंग कॉलेज का 20 वर्षीय छात्र पॉजिटिव मिला है। सैनिक कालोनी से एक 57 वर्षीय महिला के अलावा एनएच-एक एच ब्लॉक से एक 28 वर्षीय एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया है। एहितात के तौर पर उसकी माता को सैम्पल लेकर क्वारंटाइन किया है। वहीं डबुआ कालोनी में 27 वर्षीय एक युवक पॉजिटिव पाया गया है। वह परिवार के व्यक्ति के सम्पर्क में आने से पॉजिटिव हुआ है।

यह है आंकड़े

नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिला में अब तक 8309 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 2131 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 6172 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 8133 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 8161 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 7236 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 749 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 176 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 75 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा 5 पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 90 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक छह मरीजों की मौत हो चुकी है जिसमें कोरोना के साथ-साथ अन्य विभिन्न बीमारियां भी कारण रही।

बीके में कोविड-19 की जांच करवाने पहुंचे न्यायधीशों के साथ सीएमओ डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. संजीव भगत, डॉ. जयंत आहूजा, ऋषिराज गौतम

मार्केट में रेहड़ी व पटरी न लगाएं दुकानदार: भाटिया

फरीदाबाद। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बुधवार सुबह 1, 2, 3 व 5 नंबर बाजारों में जाकर प्रशासन द्वारा तय किए गए नियम के अनुसार दुकानों को खुलवाया। व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भाटिया सहित सभी पदाधिकारी दुकानदारों से मिले और उन्हें बताया कि सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को पूर्व व उत्तर दिशा की राइट साइड की दुकानें खोली जा सकेंगी। इस प्रणाली के अनुसार बुधवार को पहले दिन पूर्व व उत्तर दिशा की मार्केट में राइट साइड की दुकानें खुलवाई गई है। जबकि मंगलवार, वीरवार व शनिवार को लेफ्ट साइड की दुकानें खोली जा सकेंगी। इसी प्रकार से सेक्टरों की हुड्डा मार्केट में सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को सम नंबर एवं मंगलवार, वीरवार व शनिवार को विषम नंबर वाली दुकानें खुलेंगी। इस अवसर पर प्रधान जगदीश भाटिया ने दुकानदारों से कोरोना के नियमों के तहत बचाव करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने कोरोना से बचाने के लिए जो भी उपाय बताए हैं, उनका पालन करना अनिवार्य है। भाटिया ने सभी दुकानदारों से कहा कि मार्केट में रेहड़ी व पटरी लगाने की अनुमति नहीं होगी। इस अवसर पर थाना कोतवाली के प्रभारी भी उनके साथ बाजार में घूम और सभी को चेतावनी दी कि कोई भी अपनी दुकानों पर पांच से अधिक लोगों को इकठ्ठा नहीं करेंगे और सभी दुकानदारों व वहां काम करने वालों को मास्क तथा दस्तानों का प्रयोग करना होगा। सभी ग्राहकों के हाथ सेनीटाइज करवाने की व्यवस्था भी दुकानदारों को करनी होगी।

कोरोना जांच में भी प्रवासी मजदूरों से सौतेला व्यवहार

कविता। फरीदाबाद

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने पिछले दिनों अपने आदेशों में कहा था कि हरियाणा में आने वाले सभी लोगों से पहले कोरोना की नेगेटिव रिपोर्ट मांगी जाए और उन्हें 14 दिनों क्वारंटाइन करके रखा जाए। लेकिन यहां से लौट रहे मजदूरों को मात्र थर्मल स्क्रीनिंग करके उन्हें स्वास्थ्य घोषित कर दिया जा रहा है। थर्मल स्क्रीनिंग और सैनिटाइजेशन के बाद उन्हें घर भेजा रहा है। सरकार द्वारा अपना जा रही इस दोहरी नीति का ईएसआईसी डाक्टर एसोसिएशन द्वारा विरोध किया जा रहा है। इससे जहां जांच करने वाले डाक्टरों के लिए खतरा बना हुआ है, वहीं इससे वायरस देश के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है।

ऐसे हो रही जांच

ईएसआईसी मेडिकल एसोसिएशन के प्रधान अखिल महाजन का कहना है कि हरियाणा से विभिन्न प्रदेशों में भेजे जा रहे प्रवासियों की मात्र स्क्रीनिंग जांच करके स्वास्थ्य घोषित किया जा रहा है। मजदूरों को रातभर शेल्टर होम में रोका जाता है, उसके बाद सुबह के समय उनके जाने की व्यवस्था के लिए चिकित्सकों से जांच करवा दी जाती है। मात्र स्क्रीनिंग के बाद उन्हें स्वास्थ्य घोषित किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें दो से चार घंटे तक लम्बी लाइनों में लगाया जा रहा है।

परेशान है लोग

प्रवासी मजदूर हजारों रुपये निजी वाहन चालकों को देकर लौटने को मजबूर हो रहे है। ताकि जल्द से जल्द अपने घर पहुंच सके। वहीं कोविड-19 की जांच के लिए भी लोग अपना स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनवाने के लिए चिकित्सकों के चक्कर काट रहे है। डॉ. अखिल महाजन का कहना है कि जब चिकित्सकों की ही कोविड-19 की रिपोर्ट पांच से छह दिनों में आ रही है तो ऐसे में इन मजदूरों का प्रमाण पत्र हम कैसे बना कर दे सकते है। वह भी पांच से सात घंटे या एक दिन में। थर्मल स्क्रीनिंग कोई पुख्ता जांच नहीं है। क्योंकि इसे करवाने से पहले यदि बुखार की दवा खा ली जाए, तो रिपोर्ट नॉर्मल ही आती है।

डोर टू डोर सर्वे शुरू

फरीदाबाद। शहरी इलाके में आज से पोलियों की तरह कोविड-19 का डोर टू डोर सर्वे शुरू किया जा रहा है। सर्वे के दौरान कोविड-19 के लक्षणों वाले मरीजों का पता लगाकर उनकी जांच की जाएगी, यदि कोरोना के लक्षण होंगे, तो उनके सैंपल लिये जाऐंगे। यह जानकारी डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश ने दी।

उन्होंने बताया कि शहरी इलाकों में एक बार फिर से कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कोविड-19 के तहत सर्वे करवाया जा रहा है। इस सर्वे में कोविड-19 के लक्षणों वाले और 60 साल से ऊपर की उम्र के लोगों का आंकड़ा एकत्रित किया जाएगा। सर्वे बृहस्पतिवार से शुरू होगा और शुक्रवार को देर शाम तक समाप्त हो जाएगा। जिला प्रशासन की तरफ से 2823 अध्यापकों व कर्मचारियों का स्टॉफ सर्वे के लिए दिया गया है।

विदेश से लौटने वालों की हो रही जांच

फरीदाबाद। विदेशों से लौट रहे हरियाणा के नागरिकों की जांच का सिलसिला जारी है। मंगलवार को जहां जिले में विदेश से लौट क्वारंटाइन किए गए 44 की जांच कराई गई। वहीं बुधवार को किसान भवन और हरीहर गेस्ट हाउस में क्वारंटाइन कुल 11 लोगों की जांच की गई। यात्रियों की जांच के लिए तैनात नोडल अधिकारी ऋषिराज गौतम ने बताया कि सभी को बीके लाकर जांच कराई और उन्हें दौबारा क्वारंटाइन वाले स्थान पर छोड़ दिया गया।

यहां से आए

ऋषिराज गौतम ने बताया कि सेक्टर-16 स्थित किसान भवन में छह लोग क्वारंटाइन है। जिसमें दो लोग दुबई से आए हैं। इनमें एक डबुआ कालोनी और दूसरा अगवानपुर का निवासी है। फिलीपिंस से आने वालों में चार लोग है। जो वहां एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए गए थे। ये चारो भी दो महेन्द्रगढ़ और दो रेवाड़ी जिलों से है। हरीहर गेस्ट हाउस में पांच लोग दुबई से आए हैं। इनमें एक एसजीएम नगर संजय कालोनी, सूरजकुंड स्थित दयालबाग, न्यू तिलपत कालोनी शिव मंदिर, न्यू जनता कालोनी रविदास मंदिर के निकट, दो सी पुरानी जनता कालोनी के निवासी है।

घर घुस कर सरेआम युवक को गोली मारी, घायल

फरीदाबाद। तिगांव के प्रजापति मौहल्ले में बीती रात अज्ञात युवकों ने घर में घुस कर दो सगे भाईयों पर फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए। इस घटना में गोली लगने से घायल हुए युवक को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना तिगांव पुलिस के मुताबिक प्रजापति मोहल्ले में रहने वाले वासुदेव का बेटा कपिल गांव में ही किराने की दुकान करता है। मंगलवार शाम को दुकान बंद कर वह अपने घर चला गया था। रात को खाना खाने के बाद वह परिवार सहित सो रहा था। आरोप है कि रात को करीब 12 बजे किसी ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया। जिस पर कपिल ने दरवाजा खोल दिया। आरोप है कि घर के बाहर खड़े युवकों ने कपिल पर फायरिंग शुरू कर दी। जिस पर कपिल जान बचाने के लिए घर में छिप गया। आरोप है कि हमलावरों ने एक-एक कर पांच बार फायरिंग की।

कोरोना : जिले में कंटेनमेंट जोन की संख्या हुई 32

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश यशपाल ने फरीदाबाद जिला में कंटेनमेंट जोन की सूची संशोधित की है, जिसके तहत नए क्षेत्र कंटेनमेंट जोन में शामिल किए हैं। इन कंटेनमेंट जोन में जिला प्रशासन, हरियाणा सरकार व केंद्र सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतें लागू होंगी। जिला संकट समन्वय समिति की बैठक में हाल ही में जिन क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव के नए मामले सामने आएं हैं, उन एरिया में नए कंटेनमेंट जोन बनाने का निर्णय लिया गया था। कंटेनमेंट जोन के क्षेत्र से बाहर शहरी क्षेत्र में 200 मीटर की परिधि तक तथा ग्रामीण क्षेत्र में कंटेनमेंट जोन के क्षेत्र से बाहर 1000 मीटर की परिधि तक का क्षेत्र बफर जोन घोषित किया है। जिलाधीश ने बताया की पहले घोषित 26 कंटेनमेंट जोन के अलावा और 6 नए कंटेनमेंट जोन घोषित किये गये हैं जिससे सम्बंधित क्षेत्रों में भी कंटेनमेंट जोन के नियम लागू होंगे।

जिलाधीश ने बताया कि कंटेनमेंट जोन की सूची में शिव दुर्गा विहार, पलवली गांव, डबुआ कॉलोनी, सेक्टर-88 स्थित एफ ब्लॉक, चावला कॉलोनी स्थित डी ब्लॉक, एनआईटी-1 स्थित ब्लॉक-ए, बी, सी, गांव बड़खल एवं अनखीर, सेक्टर-28, बाढ़ मोहल्ला ओल्ड फरीदाबाद, ब्लॉक-बी जवाहर कॉलोनी, मुजेसर, ग्रीन फील्ड कॉलोनी को शामिल किया गया है। इसी प्रकार संजय कॉलोनी, सेक्टर-23 का मकान नंबर-एमसीएफ 9470, गली नंबर 294, 295 नजदीक गौंछी ड्रेन, एमसीएफ-9491, गली नंबर 295, दुकान नंबर 8810 नजदीक गली नंबर 285 और प्लाट नंबर एफ-12 वर्कशाप एरिया को कंटेनमेंट जोन नंबर-13 बनाया गया है। कंटेनमेंट जोन-14 में सेक्टर-23ए व संजय कॉलोनी में मकान नंबर-1235, मकान नंबर-1648, मकान नंबर-1353 सेक्टर-23ए तथा दुकान नंबर-48 गली नंबर 8 व दुकान नंबर 13 गली नंबर 3, संजय कॉलोनी का एरिया शामिल किया गया है। कंटेनमेंट जोन-15 में प्लाट नंबर 1136 से 1145, 1520 से 1563, 1886 से 1961, 1962 से 1965, 2028 से 2031, 2032 से 2041, 2079 से 2087, 2935 से 2937, 2980 से 2982, सेक्टर 62 का क्षेत्र शामिल किया गया है।

इन्द्रप्रस्थ संजीवनी चलाएगी मोक्ष अभियान

फरीदाबाद। भारत में कोरोना केस एक लाख से अधिक हो चुके हैं। एम्स के अनुसार भारत में कोरोना का पीक जून-जुलाई में आएगा, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि जब तक टीका नहीं बन जाता, तब तक हमें कोरोना के साथ जीना होगा। लॉकडाउन 4.0 में इसी थीम पर काम-धंधे शुरू किए गए हैं। इस लॉकडाउन में तमाम परेशानियों के साथ एक परेशानी यह भी है कि बीते 50 दिनों में जिनकी भी मृत्यु हुई है, उनकी अस्थियां आज भी श्मशान घाट पर रखी हैं। कई असहाय परिवार मजबूर हैं जो अपने प्रियजन की अस्थियां विसर्जित नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे लोगों की मदद के लिए इन्द्रप्रस्थ संजीवनी संस्था इस कोरोना काल में एक अभियान चलाने जा रही है।

मेवला में नहीं होगी पानी की किल्लत: सीमा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गर्मी के मौसम में पेयजल समस्या से जूझने वाले मेवला महाराजपुर गांव में अब पानी की किल्लत नहीं रहेगी। यह कहना है बडखल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा का। वे बुधवार को सेक्टर-45 के जलघर से अमृत योजना के तहत मेवला महाराजपुर गांव की पाइप लाइन को जोड़ने के कार्य का अवलोकन कर रही थीं। गांव में पेयजल सप्लाई सुचारू रूप से कराने के लिए गांव वासियों ने विधायक का आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए विधायक त्रिखा ने कहा कि मेवला महाराजपुर में हर वर्ष गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत उत्पन्न हो जाती थी, जिसे दूर करने के लिए अमृत योजना के तहत गांव को पानी पहुंचाने की योजना को अमलीजामा पहनाया गया। अब लोगों को यहां पर्याप्त पेयजल उपलब्ध होगा। वहीं विधायक त्रिखा ने सभी नागरिकों को कोरोना संक्रमण के खिलाफ ढिलाई न बरतने की अपील करते हुए कहा कि सभी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करते हुए स्वयं को, अपने परिवार को तथा समाज व देश को इस महामारी से बचाने की मुहिम में जुटे रहें। इस मौके पर भाजपा मेवला मंडल के अध्यक्ष हरीश खटाना, प्रेम दीवान, त्रिपन वर्मा, जगबीर तेवतिया, रवि, कुलदीप सिंह, पंकज शिवल, लिखी चपराना, आदित्य शर्मा, हनुमान, तथा दीपक बैंसला आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मजदूरों की प्यास बुझाई

फरीदाबाद। कोरोना वायरस की इस त्रासदी में सभी आगे आकर प्रवासी श्रमिकों की मदद कर रहे हैं। इसी क्रम में एनएसयूआई के छात्र नेता भी बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। भीषण गर्मी में प्रवासी श्रमिकों को एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने पानी पिलाया। जानकारी के मुताबिक चौधरी दीपेंद्र सिंह हुड्डा के दिशा निर्देश अनुसार, टीम दीपेंद्र हुड्डा से एनएसयूआई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डूसू प्रत्याशी भाई अर्जुन चपराना के नेतृत्व में गवर्नमेंट नेहरू कॉलेज के अध्यक्ष सत्री बादल द्वारा 39 डिग्री तापमान की तेज धूप में बल्लबगढ़ से ओल्ड फरीदाबाद पलयान कर रहे, प्रवासी मजदूरों को ठंडा पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई।

पानी की समस्या से जूंझ रहे लोगों के साथ विधायक धरने पर बैठे

जल्दी ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जनता के साथ संघर्ष शुरू कर देंगे।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र के लोग पानी की समस्या से जूंझ रहे है। कई दिनों से पानी न आने से परेशान गौंछी इलाके के लोगों ने बुधवार को निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। समस्या का समाधान न होने पर गुस्साए लोग सोहना रोड पर धरना दे दिया। सूचना मिलने पर इनके समर्थन में विधायक नीरज शर्मा भी मौके पर कि मैंने विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाया था कि मेरे क्षेत्र का पानी दूसरी विधानसभा में जा रहा है जिसको लेकर कई दिनों से जीवन नगर गौंछी ,सेक्टर 55, वार्ड 10 गाजीपुर रोड ,वैद्य रोड पर पानी की विकट समस्या बनी हुई है । बाकी जगह भी पानी की कमी है । मैं कई दिन से प्रशासन को बता रहा था अगर पानी कम है तो उसको सब जगह बिना भेदभाव के बराबर बांट दो। आज इसको लेकर वार्ड नंबर एक के साथियों ने सोहना टी पॉइंट पर जाम लगाया। सूचना मिलने पर मैं उनके समर्थन में धरने पर जाकर बैठ गया। इस दौरान सभी करीब तीन घंटे तक धूप में बैठे रहे।

जिसके बाद एक्सईएन संजीव गुप्ता ने जल्दी ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया पहुंच कर धरने पर बैठ गए।

विधायक नीरज शर्मा ने बताया गया। विधायक शर्मा ने सुझाव दिया कि हर एरिया के बूस्टर पर कितना पानी कब कहां दिया जाएगा, उसका एक चार्ट लगाएंगे और सरकार का जो संकल्प है 135 लीटर पानी प्रति व्यक्ति उसको देने की कोशिश करेंगे।

शर्मा ने निगम से प्रशासन सरकार से विनती करते हुए कहा कि उन्हें पता है कि लोगों का इकट्ठा होना गलत है। कोरोना संक्रमण बढ़ सकता है और खासतौर से यह क्षेत्र कंटेनमेंट जोन और रेड जोन के नजदीक है।

एनआईटी विधानसभा के साथ न्याय किया जाए नहीं तो मजबूरन उन्हें लॉकडाउन के नियम तोड़ कर विरोध करना पड़ेगा। यदि जल्दी ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जनता के साथ संघर्ष शुरू कर देंगे।

इन्ट्रेक्शन मीट में औद्योगिक प्रतिनिधियों को गडकरी ने किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने यहां एक वेबीनार में कहा कि एमएसएमई सेक्टर की समस्याओं से सरकार अवगत है और यह प्रयास किए जा रहे हैं कि संबंधित समस्याओं का समाधान शीघ्र अति शीघ्र किया जाए।

कन्फरडेशन ऑफ फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस इन्ट्रेक्शन मीट में 8000 से अधिक औद्योगिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर के समक्ष फंडिंग को लेकर जो समस्याएं हैं, उसके प्रति सरकार गंभीर हैं और आने वाले समय में इस संबंध में ठोस नीति तैयार की जाएगी। फरीदाबाद चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन,मैन्युफैक्चरस एसोसिएशन फरीदाबाद, फरीदाबाद आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, फरीदाबाद स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और लघु उद्योग भारती के सांझे मंच कन्फरडेशन ऑफ फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से गडकरी का स्वागत करते हुए रोहित रुंगटा ने विश्वास किया कि यह वेबीनार एमएसएमई सेक्टर के लिए उत्साहवर्धक रहेगा। फरीदाबाद चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रधान एचके बतरा ने सैलरी व वेतन संबंधी समस्या गडकरी के समक्ष रखी। बत्रा ने कहा कि उद्योगों में लाक डाउन के दौरान कार्य पूरी तरह से ठप रहा। इस दौरान कोई भी बिक्री नहीं हुई और न ही कोई राजस्व मिला। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि अप्रैल ही नहीं आगे तीन-चार माह का वेतन जोकि सितंबर 2020 तक बनता है, सरकार प्रदान करें। उन्होंने अप्रैल, मई और जून का वेतन ईएसआईसी द्वारा प्रदान करने की मांग करते हुए कहा कि ईएसआई के पास 80,000 करोड का फंड है जिसे मौजूदा समय में प्रयोग किया जा सकता है।

डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने गडकरी का ध्यान प्रोविडेंट फंड की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि यदि वेतन 15000 रुपये से अधिक है तो भी श्रमिक व कामगार के अंश का भुगतान सरकार करें, वर्तमान में 15000 तक के वेतन व 90 प्रतिशत वर्क फोर्स की शर्त को हटाया जाए। मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन फरीदाबाद के प्रधान अजय जुनेजा ने कहा कि 20 मार्च से 3 मई तक उद्योगों में किसी भी प्रकार का कार्य नहीं हुआ, ऐसे में सभी प्रकार के फिक्स चार्जेस, न्यूनतम कंजंम्पशन चार्जेस, निकाय कर, जो कि बिजली के बिलों का हिस्सा है, को सितंबर 2020 तक माफ किया जाना चाहिए। आईएमटी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के वीरभान शर्मा ने सिडबी द्वारा सेफ लोन के तहत उन इकाइयों को 5 लाख रुपए का लोन 5 प्रतिशत ब्याज दर पर देने का स्वागत करते हुए ।

कोरोना की दवा

टीका बनाने का प्रयास करे भारत

महीनों से जारी वैश्विक महामारी के बाद आज भी मानवता इसका इलाज तलाशने में सफल नहीं हुई है। इस निराशाजनक परिदृश्य में वह स्वाभाविक रूप से वैज्ञानिक समुदाय की ओर देखते हुए यथाशीघ्र इस घातक वायरस के लिए वैक्सीन या दवा बनाने के लिए देख रही है। अनेक सकारात्मक घटनाओं के बावजूद अभी इसकी कोई वैक्सीन नहीं बनी है। पहली बार दुनिया में इसके लिए एक बहु-पक्षीय व सहयोगी विमर्श जारी हैं। अनेक देशों में क्लीनिकल परीक्षण हुए हैं और कुछ ने सफलता का दावा किया है। सामान्य रूप से दवा के परीक्षण में सालों लगते हैं, पर दुनिया भर के शोधकर्ता यह काम जल्दी से जल्दी करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत भी ऐसी परियोजनाओं का हिस्सा है। ब्रिटेन की विशाल दवा कंपनी एस्ट्रा जेनेका पूरी दुनिया के लिए 100 मिलियन वैक्सीन खुराकें तैयार करने के रास्ते पर है। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा तैयार इस वैक्सीन के परीक्षण चल रहे हैं जिनके सफल होने पर सितंबर में बड़े पैमाने पर वैक्सीन निर्माण प्रारम्भ हो सकता है। दवा कंपनियां जान्सन एंड जान्सन, सनोफी व फाइजर भी इसमें शामिल हैं। वैज्ञानिक वायरस की दवा भी तलाश रहे हैं जिनमें से कुछ का परीक्षण हुआ है। क्लोरोक्वीन व रेमेडिसिविर का प्रयोग हो रहा है। अमेरिका, इस्राइल, जर्मनी और चीन इस दिशा में सक्रिय हैं। वैज्ञानिक 'ह्यूमन चैलेंज ट्रायल' की बात कर रहे हैं और दुनिया में 100 से अधिक देशों के 16,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने इसमें सहभागिता की इच्छा प्रकट की है। डब्लूएचओ ने पहले ही इस बारे में नैतिक दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। वैसे भी कुछ देशों, खासकर अफ्रीका में दवा कपंनियां अघोषित रूप से सालों से मनुष्यों पर दवा

के परीक्षण करती रही हैं।

लेकिन कोरोना-रोधी वैक्सीन या दवा मिल जाने के बाद आर्थिक लाभ व विभिन्न देशों पर प्रभुत्व के लिए इसकी मार्केटिंग की राजनीति चिन्ताजनक है। वैक्सीन विकास में लगी दवा कंपनियों के शेयर तीन गुना उछले हैं। हमेशा की तरह समृद्ध देश महत्वपूर्ण दवाओं व वैक्सीनों के प्रयोग के मामले में अपने हितों को विकासशील देशों के ऊपर रखेंगे। डब्लूएचओ, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल तथा फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रान ने हाल में वैक्सीनों के न्यायोचित वितरण की बात कही है। ओस्लो के समूह, कोलीशन फार इपीडेमिक प्रेपयर्डनेस इनोवेशन्स-सीपी ने अनेक कोरोनावायरस वैक्सीनों का वित्तपोषण किया है। उसने बाजार दुष्चक्र से बाहर निकलने का रास्ता तलाशते हुए दानदाताओं द्वारा वैक्सीनों की कीमत कम रखने का प्रस्ताव किया है। इस संबंध में सीपी विश्व बैंक समेत अन्य संस्थाओं से बात कर रहा है। राजनीति के कारण ही एचआईवी व इबोला जैसी बीमारियां बनी हुई हैं क्योंकि इनके इलाज तक सबकी पहुंच नहीं है। विकासशील देशों के कुछ नेताओं ने एक याचिका तैयार कर सभी वैक्सीनों, परीक्षणों व इलाजों को पेटेंट-मुक्त करने तथा दुनिया के सभी देशों के लोगों तक इनके मुफ्त वितरण का सुझाव दिया है। उन्होंने दुनिया भर में कोविड-19 संबंधी सभी ज्ञान, डेटा व तकनीकों का साझा करने तथा सारी दुनिया में कोविड-19 संबंधी लाइसेंस मुफ्त करने का सुझाव दिया है। यदि विकसित देश कोरानावायरस का समाधान जल्दी निकाल लें तो भी इसके लिए क्षमता निर्माण तथा गरीब देशों की उस तक पहुंच भारी चुनौती होगी। भारत इस मामले में अच्छी स्थिति में है क्योंकि उसने दुनिया की 60 प्रतिशत वैक्सीनें विकसित की हैं और संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा वार्षिक वैक्सीन खरीद में उसका हिस्सा 60-80 प्रतिशत है। भारतीय कंपनियों ने सालों से दुनिया में वैक्सीन वितरण में सहायता की है। ऐसे में भारत कोविड-19 वैक्सीन बड़े पैमाने पर बनाने में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

नेपाल की राजनीति में उथल-पुथल

नेपाल द्वारा जारी नए राजनीतिक मानचित्र तथा लिपुलेख तक सड़क ने भारत-नेपाल के बीच वैमनस्य के नए बीज बोए हैं जिसका प्रमुख लाभ बीजिंग को मिलेगा। ऐसे में संकट समाप्त करने के लिए नई दिल्ली को लचीलापन दिखाना चाहिए।

अशोक के. मेहता
लेखक सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं

चीन ने कोरोनावायरस वैश्विक महामारी का लाभ उठाते हुए नेपाल पर अपना राजनीतिक प्रभाव मजबूत किया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेपाली राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से बात कर कोविड-19 स्थिति की जानकारी ली, कई जहाजों से सहायता सामग्री भेजी तथा सरकार मजबूत करने में सहयोग किया। 9 मई को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विवादित लिपुलेख तक नई भारतीय सड़क का उद्घाटन किया जिससे नेपाल में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। इसके बाद परंपरागत रूप से विरोध स्वरूप राजनयिक टिप्पणियों का आदान-प्रदान हुआ। नेपाली सेना के मानद जनरल तथा भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे ने विरोध के बारे में पूछे एक सवाल के जवाब में कहा, 'भारत द्वारा लिपुलेख में बनाई सड़क पर नेपाल का विरोध किसी अन्य के इशारे पर हो सकता है।' यह इशारा चीन की ओर है, हालांकि यह पाकिस्तान भी हो सकता है। पिछले वर्ष नवंबर में भारत द्वारा एक मानचित्र प्रकाशित होने पर भारी विरोध हुआ था जिसमें जम्मू कश्मीर की नई राजनीतिक सीमाओं में कालापानी को शामिल किया गया था जिसे नेपाल अपना इलाका मानता है।

क्षेत्रीयता संबंधी मुद्दे सामने आने के एक सप्ताह पहले मई दिवस के आसपास नेपाली प्रधानमंत्री के.पी. ओली को सत्ता से हटाने के प्रयास कमजोर हो गए थे क्योंकि उनके प्रमुख विरोधी व नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-नेकपा के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पाल बदल दिया जिससे ओली की विजय हुई। इसके बदले ओली ने अपने राजनीतिक दुश्मन व पार्टी उपाध्यक्ष बाम देव गौतम को सांसद बनाने का वादा किया। ओली का बचाव भारत के बजाय चीन ने किया था। सत्तारूढ़ नेकपा व ओली सरकार में आंतरिक संकट भांपते हुए काठमांडू में बीजिंग के लोकप्रिय राजदूत हू यांकी ने 27 अप्रैल को अपने नेपाली समकक्ष भंडारी से मुलाकात की। इसके बाद शी जिनपिंग की नेपाली नेता से 45 मिनट लंबी बात हुई। इसके बाद अगले दो दिन तक भंडारी, ओली, दहल, पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल, आदि में विचार-विमर्श हुआ। एक खबर के अनुसार विपक्षी नेपाली कांग्रेस पार्टी के शेर बहादुर देउबा भी इसमें शामिल थे। 2 मई की शाम नेकपां केन्द्रीय सचिवमंडल की बैठक हुई जिसमें दहल का बहुमत था, लेकिन उन्होंने समझौता कर लिया। उन्होंने पार्टी में एकता की बात कही, जबकि तीन दिन पहले उन्होंने ही इसी मंच पर ओली से इस्तीफा देने तथा माधव नेपाल को गद्दी सौंपने की मांग की थी। भारत के मित्रों ने माधव नेपाल को प्रधानमंत्री न बनने को अपनी हार समझा, जिनको मजाक में उनको माधव इंडिया कहा जाता है।

इससे काठमांडू में चीनी षडयंत्रकारी राजनीति का भय पैदा हो गया है। हाल ही में चीनी दूतावास द्वारा काठमांडू पोस्ट संपादक की खुलेआम निन्दा से यह स्पष्ट हुआ था। 2016 के मध्य में चीन ने दहल को ओली-नीत गठबंधन सरकार से अलग होने से रोकने में सफलता पाई थी। लेकिन कुछ महीने बाद वे देउबा-दहल सरकार में प्रधानमंत्री के लालच में इससे अलग हो गए जिसे भारत की सफलता समझा गया। यह बात अलग है कि सरकार के हिस्से के रूप में दहल बीजिंग द्वारा प्रेरित वामपंथी गठबंधन में शामिल हुए जिसकी संघीय, प्रांतीय व स्थानीय चुनावों में सफलता की उम्मीद थी। इस प्रकार नेपाल में भारत और चीन के बीच चले इस नए 'ग्रेट गेम' में अंततः बीजिंग को बेहतर स्थान मिला।

यह याद करना उचित होगा कि 2006 से पहले हुई 'जन-क्रांति' व गृह युद्ध के समय काठमांडू में चीनी राजनयिक नई दिल्ली पर आरोप लगाते हुए कहते थे कि बीजिंग किसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता है। वे दहल-माओवादियों को 'राज्य-विरोधी विद्रोही', 'बदमाश' व माओ के गरिमामय नाम पर 'कब्जा करने वाले' मानते थे। लेकिन 2008 में माओवादियों के सत्ता में आने के बाद बीजिंग ने सुविधाजनक रूप से उनसे वैचारिक एकता स्थापित कर ली, जैसे प्रेम व युद्ध में सब उचित है।

इसके उलट पहले नेपाल में प्रधानमंत्री बनाने, उसे हटाने तथा नियुक्ति रोकने में भारत का एकाधिकार था। 2009 में प्रधानमंत्री दहल को पद से हटाए जाने के बाद उनको कभी 2016 तक प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया क्योंकि उस समय उनको अपने पक्ष में मान लिया गया था। संविधान निर्माण के दशक में माधव नेपाल व बाबूराम भट्टराई को भारत का मित्र माना जाता था। वे बाद में प्रधानमंत्री बने। लेकिन प्रधानमंत्री बने झाला नाथ खनल को भारत में पसंद नहीं किया जाता था और उनको कभी नई दिल्ली में राजकीय यात्रा पर आमंत्रित नहीं किया गया।

ओली एक समय भारत की पसंद समझे जाते थे, लेकिन वे 2015 में आर्थिक नाकेबंदी के बाद राष्ट्रवाद तथा भारत-विरोधी भावनाओं की लहर पर सवार होकर सर्वाधिक शक्तिशाली प्रधानमंत्री व पार्टी अध्यक्ष बने। चीन ने पहले वामपंथी गठबंधन बना कर और बाद में दोनों वामपंथी पार्टियों का विलय सुनिश्चित कर ओली की असाधारण प्रगति का रास्ता साफ किया। लार्ड जान डालबर्ग-एक्टन की वह कहावत ओली पर पूरी तरह सटीक बैठती है कि सत्ता भ्रष्ट बनाती है तथा संपूर्ण सत्ता पूरी तरह भ्रष्ट बनाती है।

वे प्रधानमंत्री के लाल पत्थरों वाले आवास बालूवाटर में एक आरामकुर्सी पर बैठते हैं और पीछे उनका ही बड़ा चित्र लगा होता है। दूसरी बार किडनी प्रत्यारोपण के बाद भी वे डिजाइनर कपड़ों में पूर्ण स्वस्थ लगते हैं।

दहल और ओली ने पहले सत्ता पाने के लिए साझा संघर्ष किया, लेकिन बाद में ओली ने इससे इनकार कर दिया। पिछले साल भंडारी द्वारा समझौता करने पर यह परस्पर टकराव थम गया जिसके चलते दहल को नेकपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया तथा ओली इसके सह-अध्यक्ष बने, लेकिन वे हमेशा दहल की आंख की किरकिरी बने रहे। इसके बाद ओली की स्वेच्छाचारी शैली के खिलाफ निराशा और हताशा की व्यापक खबरें आने लगीं तथा उनकी सरकार पर कुशासन व भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे। वैश्विक महामारी के समय चिकित्सा उपकरणों की खरीद में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे। इसके साथ ही उनको दो विवादास्पद राजनीतिक अध्यादेश वापस लेने पड़े तथा भंडारी से मिलीभगत की सफाई देनी पड़ी। लेकिन इसके बावजूद ओली को ज्यादा शक्ति मिली, उनको संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला तथा वे सामान्य बहुमत से संवैधानिक नियुक्तियां करने में सफल हुए।

हालांकि, 24 अप्रैल को ऊंट की पीठ तोड़ने वाला आखिरी तिनके जैसी स्थिति पैदा हुई और दहल ने 'प्लान अल्फा' यानी नेतृत्व परिवर्तन की योजना बनाई। इस पर कुछ समय से काम चल रहा था। इसमें ओली के स्थान पर माधव नेपाल को प्रधानमंत्री, दहल को पार्टी का अविवादित कार्यकारी अध्यक्ष तथा खनल को नेपाल का राष्ट्रपति बनाने की योजना थी। ओली ने पार्टी सचिवमंडल बैठक में अपनी पकड़ सिद्ध करते हुए सत्ता परिवर्तन की अपनी योजना पेश की और यांकी को मई दिवस संदेश भेजा। 2 मई को सचिवमंडल की महत्वपूर्ण बैठक में दहल ने अपना रुख उलट दिया, पार्टी एकता का महत्व स्पष्ट किया तथा ओली को प्रधानमंत्री बने रहने दिया जिन्होंने बाद में गौतम को सांसद बनाने का वादा किया था। यह गौतम की एक प्रकार से पदावनति थी क्योंकि पहले ओली ने संकट से मुक्ति पाने के लिए उनको राष्ट्रपति बनाने का प्रस्ताव किया था।

इस प्रकार दहल ने प्रमुख राजनेताओं को आश्चर्यचकित करते हुए प्लान अल्फा पर विराम लगा दिया। निसंदेह इसके लिए दहल को ओली और बीजिंग से पुरस्कार मिलेगा। सत्तारूढ़ वर्ग कोविड-19 महामारी का गंभीरता से मुकाबला करने के बजाय राजनीति में लिप्त है। कालापानी और लिपुलेख 2015 के विवादित पैकेज का हिस्सा हैं जो चीन व भारत के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के समय सामने आया था। नए राजनीतिक मानचित्र व लिपुलेख तक सड़क ने वैमनस्य के नए बीज बोए हैं जिससे मुख्यतः बीजिंग को लाभ होगा। ऐसे में नई दिल्ली को संकट के समाधान हेतु लचीलापन प्रदर्शित करना चाहिए।

लॉकडाउन के बाद भी बरतनी होंगी सावधानियां

> हम बेपरवाह नहीं हो सकते, हमें सामाजिक दूरी मानकों का पालन करना, मास्क पहनना एवं भीड़ भरी जगहों में जाने से परहेज करना जारी रखना होगा।

कल्याणी शंकर
(लेखिका राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

लाकडाउन के पश्चात आने वाले दौर में जीवन हमारे लिए किस तरह बदलेगा और क्या हमने कोरोनावायरस महामारी से सबक सीखा है? भारत और विदेशों में बहुत से विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि जिस दुनिया को हम जानते हैं वह सदा के लिए बदल जाएगी और अब पूर्व-कोरोना तथा पश्च-कोरोना अवधि में विभाजित हो जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को स्पष्ट है कि यद्यपि संविभ्रम में डूबने की आवश्यकता नहीं है, साथ ही यह अनिवार्य है कि देश के नागरिकों द्वारा सरकार के दिशा निर्देशों का पूर्णरूपेण पालन किया जाए।

हम बेपरवाह नहीं हो सकते, हमें घर से बाहर निकलने पर सामाजिक दूरी मानकों का पालन करना, मास्क पहनना एवं भीड़ भरी जगहों में जाने से परहेज करना एवं बार-बार अपने हाथों को विसंक्रमित करना जारी रखना होगा। सामाजिक दूरी उस रणनीति की रीढ़ है जिसे सरकार ने वायरस के संक्रमण की गति को धीमा करने के लिए अपना लिया है। नए परिदृश्य में चिकित्सक-मरीज संबंध का स्वरूप है टेलीमेडिसिन। विश्व भ्रमण करने वालों को स्वयं का मनोरंजन करने के नए तरीके खोजने होंगे क्योंकि निकट भविष्य में यात्रा से सख्त परहेज करना होगा।

अब किसी सिनेमाहाल और शापिंग मॉल में जाना निषेध हो गया है। बड़े विवाह समारोह प्रतिबंधित हैं। हाथ मिलाने के बजाए पुराना नमस्ते का मानक वापस आ गया है। जहां भी संभव है घर से काम करना नया मानक बन गया है। वैयक्तिक/सामूहिक रूप से या नई जीवन शैली ईजाद होनी चाहिए और ईमानदारी से एसका पालन किया जाना चाहिए। यह एक नया अभिलंब है जिसका हमें आदी बनना पड़ेगा।

अतः, कोरोनावायरस के साथ जीना सीखें, बार-बर दोहराए जाने वाले इस मुहावरे का क्या अर्थ है? हर्षवर्धन का कहना है कि इसका अर्थ है कि कोरोनावायरस जल्द जाने वाला नहीं है। यद्यपि बड़ी चेचक जैसी बीमारियों का उन्मूलन कर दिया गया था, तथापि यह वायरस इबोला और सार्स की तरह मौजूद रहेगा। जब तक कोई वैक्सीन या दवा नहीं मिल जाती स्वच्छता संबंधी दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। भारत तथा विदेश में बहुत वैज्ञानिक वैक्सीन अथवा दवा खोजने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं, मगर इसमें अभी काफी समय लगेगा।

जबकि यह महामारी अत्यधिक संक्रामक एवं घातक है, कोविड-19 के चलते पैदा हुए भय के कारण पिछले कुछ सप्ताहों में कुछ अच्छी चीजें भी उभरकर आई हैं। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दर्शाया है कि वो वायरस के खिलाफ संघर्ष में विपक्ष, केवल भाजपा शासित ही नहीं बल्कि सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मीडिया और जनता समेत सबको को लेकर चलना चाहते हैं। केंद्र तथा राज्यों की सरकारों ने दर्शाया है कि वे अपने मतभेदों व राजनीतिक एजेंडे को दरकिनार कर समय के अनुरूप काम करते हुए मिलजुलकर चल सकते हैं। पहली बार सहकारी तथा प्रतिस्पर्धी परिसंघवाद खुलकर नजर आया है। राज्य सरकारों ने अपने उद्यम तथा निष्पादन में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा की है और ओडिसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक तथा केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन जैसे अहंवादी क्षेत्रीय क्षत्रपों की प्रधानमंत्री द्वारा सराहना की गई। अज्ञात के भय ने अपना काम दिखाया है।

दूसरे, स्वच्छ हवा, साफ नीला आसमान, पुनर्जीवित जल स्रोत, वन्य जीवन की बहाली आदि सुनिश्चित करने के लिए जो काम सर्वोच्च न्यायालय और राज्य सरकारें नहीं कर पाए, वो कोविड-19 ने चंद महीनों में कर दिखाया, क्योंकि उसने देशों को लाकडाउन में जाने को बाध्य कर दिया और सभी आर्थिक गतिविधियां रोक दीं। एक और सकारात्मक पहलू है कि भारत के नागरिकों ने दर्शाया है कि वे एकजुट होकर महामारी से लड़ सकते हैं और अनुशासित होकर रह सकते हैं। बहुत सी कठिनाइयों के बावजूद, कुल मिलाकर लोगों ने सरकार के दिशा निर्देशों का पालन किया है, साामजिक दूरी मानकों को अपनाया हे और लाकडाउन के नियमों का पालन किया है।

महत्वपूर्ण रूप से, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एवं राज्यों के सम्मिलित प्रयासों के कारण, भारत में हुई मौतों की संख्या अमेरिका और इटली समेत बहुत से अन्य देशों से कम है। 1.3 अरब लोगों के एक देश के लिए, कोरोनावायरस मामलों की संख्या 1,01,139 और मौतों की संख्या 3,163 है। अभी तक ग्रामीण भारत ने संख्या कम रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। ग्रामीणों ने कड़ी निगरानी तथा अजनबियों को दूर रखकर देश की रक्षा की है। कुल मिलाकर उन्होंने जिम्मेदारी से बर्ताव किया है और वापस लौटने वालों को गांवों से बाहर रखा है।

हालांकि, सबकुछ अच्छा नहीं है, और निश्चित रूप से, महामारी द्वारा लाई गई त्रासदी एवं वेदनाओं से निबटने में सरकार व अन्य साझीदारों के स्तर पर विफलताएं रही हैं। नियोक्ता, केंद्र तथा राज्य सरकारें उन प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं जो आज भी मुसीबतें झेल रहे हैं, केंद्र द्वारा अचानक लाकडाउन घोषित करने के 50 दिनों बाद भी। चीजों से ज्यादा बेहतर ढंग से निबटा जा सकता था मगर मानवीय दृष्टिकोण का अभाव रहा है। न तो प्रवासी मजदूर, उनके परिवार और न ही देश कभी भूल पाएगा जिस तरह अल्पभाग्य वाले लोगों के साथ संवेदनहीनतापूर्ण बर्ताव किया गया है।

क्योंकि यह खतरनाक वायरस हर दिन नई चुनौतियां पेश कर रहा है, एक देश के तौर पर हम अभी भी उनसे निबटने के तरीके सीख रहे हैं। हालांकि, सबसे महत्वपूर्ण सबक जो इस महामारी ने हमको सिखाया है वो यह है कि स्वास्थ्य ही संपत्ति है, न केवल व्यक्तियों के लिए बल्कि देश के लिए भी और स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र का वित्तपोशण प्राथमिकता पर होना चाहिए। एक स्वस्थ देश जीवन द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक चुनौती से निबटने में सक्षम होता है।

आप की बात

कोरोना टेस्टिंग का महत्व

जिन क्षेत्रों में हॉटस्पॉट पाए गए हैं वहां यह टेस्ट काफी उपयोगी सिद्ध साबित हो सकते हैं , जहां पर एक भी पाजटिव मरीज नहीं मिले हैं। वहां भी टेस्टिंग कराने की जरूरत है इससे हमें कम्युनिटी ट्रांसमिशन के बारे में जानकारी मिलेगी इन क्षेत्रों में पूल्ड टेस्टिंग का प्रयोग किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में एक टेस्ट किट द्वारा कई नमूनों का टेस्ट होता है अगर इनमें संयुक्त नमूना पॉजिटिव निकलता है तो नमूनों को व्यक्तिगत रूप से टेस्ट किया जाता है लेकिन अगर पूल्ड टेस्ट नेगेटिव आता है तो उसके सारे सैंपल नेगेटिव मान लिए जाते हैं करोना के नियंत्रण में काफी स्तर पर केंद्र और राज्य सरकारों में समन्वय की कमी दिखी है कई राज्यों ने टेस्टिंग किट की कमी और निजी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार एवं दोषी ठहराया है । अगर कहा जाए तो भारत को दक्षिण कोरिया जापान स्वीडन ताइवान हांगकांग और चेक गणराज्य जैसे तमाम देशों से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है क्योंकि इन देशों ने बेहतरीन समन्वय और टेस्टिंग के जरिए अपने देश की अर्थव्यवस्था को बचाते हुए इस वैश्विक महामारी को नियंत्रित किया है। जिससे उनके देशों की अर्थव्यवस्था सुधरी हुई है और उनके हालात भी काफी हद तक ठीक हैं।

– **योगेंद्र गौतम**, उन्नाव

मजदूरों की मुश्किलें

कोरोना महामारी से मजदूर और गरीबो पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। शहरों में मजदूरी कर दो वक्त की रोटी का जुगाड़ कर रहे लोग गांवों की तरफ पलायन करने को मजबूर हैं। हफ्ते भर बाद भी गरीबो को समस्याओ का समाधान के लिये कोई वैकल्पिक इंतजाम नही है। राज्य सरकारो के समन्वय न बना पाने की कीमत मजदूरो को चुकानी पड़ रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को समन्वय स्थापित करवाने के लिये कोई ठोस कदम उठाना चाहिए। मजदूरों के हित से पहले राजनीति को रखने से समस्याओं का समाधान नही हो सकता। यही कारण है कि एक सरकार आरोप लगाती है, दूसरी सरकार जबाब देते हुए सवाल दागती है। ऐसा लगता है गरीबों की समस्याओं को जिम्मेदार नेताओं ने मनोरजंन का साधन बना लिया है। इन खोखली बातों से मजदूरो के सब्र का बांध टूट चुका है यहीं कारण है कि मजदूर बिना किसी सरकारी सहायता का इंतजार किये पैदल चल पड़े हैं। दूसरी तरफ रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड पर भीड़ में सोशल डिस्टेंसिग की उड़ती धज्जियां चिन्ता पैदा करने वाली है। जो न केवल मजदूर बल्कि उनके परिवार वाले को के लिये भी खतरे का सबब बन सकती है।

– **महेश सिद्धमुख**, राजस्थान

आत्मनिर्भर भारत

मोदी सरकार ने स्वदेशी पर जोर देने के उदेश्य से आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया है। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ये अच्छा कदम है, परंतु क्या लोकल या वोकल होने से अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आयेगी? जनता तो खाने पीने की वस्तुओं के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता देगी। लेकिन क्या सरकार और अधिकारी स्वदेशी को प्राथमिकता देंगे। भारत में स्वदेशी के बारे में अधूरी बातों को ही प्रसारित किया जाता रहा है। स्वदेशी का मतलब टूथपेस्ट, दूध, वस्त्र, साबुन, आदि ही बताया गया है। जबकि असली और पूर्ण स्वदेशी का मतलब होता है-सुई से लेकर जहाज तक भारत में बने और भारतीयों द्वारा बने। सरकार स्वंय विदेशी गाडियों का प्रयोग करती है, क्या भारतीय गाडियां विकल्प नही हो सकती। सुरक्षा के लिए राफेल जैसे विमान विदेशों से खरीदे गए। देश में बने सुरक्षा उपकरणों को महत्व क्यों नही दिया गया। इजराइल इसका पुख्ता प्रमाण है जो सुरक्षा उपकरणों को लेकर पूरी तरह से आत्मनिर्भर है। स्वदेशी को सबसे बड़ा खतरा निजीकरण से है।

– **भूपेंद्र सिंह रंगा**, हरियाणा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

यदि कांग्रेस ने वाकई 1,000 बसें उपलब्ध कराई हैं तो उन्हें लखनऊ भेजने में देर नहीं करनी चाहिए क्यांकि यहां भी बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक रुके हुए हैं।

– **मायावती**
बसपा सुप्रीमो

सारी दुनिया एक बड़ी बीमार की चपेट में है। मगर सबसे बड़ी बीमारी मोदी के दिमाग में है। कश्मीर में सात लाख सैनिक तैनात किए गए हैं।

– **शाहिद अफरीदी**
पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर

वह हमारे देश के बारे में बोल रहा है। अफरीदी को हमारे देश के खिलाफ बुरी बातें बोलने का कोई हक नहीं है। उसे अपने देश व अपनी सीमाओं में रहना चाहिए।

– **हरभजन सिंह**
भारतीय क्रिकेटर

धैर्य रखें श्रमिक, हर हाल में पहुंचाएंगे घर: योगी

● सम्मानजनक व सुरक्षित वापसी के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने की है निशुल्क ट्रेनों तथा बसों की व्यवस्था

● क्वेरंटाइन सेन्टरों की कुल क्षमता को 15 लाख तक किए जाने की व्यवस्था की जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रवासी श्रमिको व कामगारों को यूपी लाने के लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। टीम इलेवन के साथ समीक्षा बैठक करते हुए उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगारों, श्रमिकों की सम्मानजनक व सुरक्षित वापसी के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने नि:शुल्क ट्रेन तथा बस की व्यवस्था की है। प्रवासी कामगार, श्रमिक स्वयं व परिवार के हितों को ध्यान में रखते हुए पैदल अथवा अवैध एवं असुरक्षित वाहनों से यात्रा न करें। उनकी सकुशल व सुरक्षित यात्रा के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार ने सभी प्रबन्ध किये हैं। उन्होंने प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को ट्रेन तथा बस की सुरक्षित यात्रा के सम्बन्ध में जागरूक किए जाने के निर्देश दिए हैं। अब तक प्रदेश में 838 श्रमिक एक्सप्रेस से 14 लाख से अधिक प्रवासी कामगार, श्रमिक पहुंचे हैं। अगले दो दिन में 206 ट्रेनें और आएंगी। इस प्रकार 1044 ट्रेनों की व्यवस्था कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मण्डलायुक्त अपने-अपने मण्डल में श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के आगमन, श्रमिकों को बस द्वारा उनके गृह जनपद भेजे जाने की व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। राज्य सड़क परिवहन निगम की 12 हजार बसें प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को उनके गृह जनपद पहुंचा रही हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रत्येक जिलाधिकारी के निवर्तन पर 200 बस की व्यवस्था की है। इस प्रकार सभी 75 जनपदों में जिलाधिकारियों को कुल 15 हजार बसें अतिरिक्त रूप से उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र की सीमा में प्रवेश करते ही प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को भोजन तथा पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद इनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हें सुरक्षित व सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने बॉर्डर क्षेत्र के साथ-साथ टोल प्लाजा एक्सप्रेस-वे तथा प्रमुख चौराहों पर भी प्रवासी कामगारों, श्रमिकों के लिए भोजन एवं पानी की व्यवस्था करने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में कोई भी भूखा न रहे। कम्युनिटी किचन के माध्यम से सभी जरूरमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समस्त पात्र परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी भी बड़ी संख्या में प्रवासी कामगारों, श्रमिकों का आगमन सम्भावित है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश में क्वेरंटाइन सेन्टरों की कुल क्षमता को 15 लाख तक किए जाने की व्यवस्था की जाए। इसी प्रकार कम्युनिटी किचन के माध्यम से 15 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी प्रबन्ध किए जाएं। उन्होंने क्वरंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन में साफ-सफाई तथा सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम करने के निर्देश भी दिए। सीएम ने कहा कि स्क्रीनिंग के बाद होम क्वेरंटाइन के लिए घर भेजते समय प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को राशन किट उपलब्ध कराई जाए। होम क्वेरंटाइन अवधि पूरा करने वाले प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को एक हजार रुपए का भरण-पोषण भत्ता अवश्य दिया जाए।

इटावा की घटना पर सीएम ने शोक व्यक्त किया

● मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख की आर्थिक मदद के निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इटावा में एक ट्रक और पिकअप वैन की टक्कर से लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपये तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद प्रदान किए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री पीड़ित सहायता कोष हेतु सिडबी के अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक मो. मुस्तफा ने पांच करोड़ रुपए का चेक सौंपा

उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री को सौंपे चेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा नोवल कोराना वायरस से बचाव एवं उपचार हेतु बनाए गए मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहयोग के रूप में उपलब्ध कराये गये कुल 6,93,949 रुपए का चेक सौंपा।

इस बावत उप मुख्यमंत्री को सुदूर संवेदन केंद्र, उत्तर प्रदेश द्वारा 3,40,949 रुपए, विश्व आयुर्वेद परिषद नोएडा द्वारा 1.51 लाख रुपए तथा समाजसेवी सोमेश कुमार शुक्ला द्वारा 51 हजार रुपए का चेक सहायतार्थ दिया। इसी प्रकार वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट लखनऊ द्वारा 1 लाख रुपए का तथा नारायण साधना मंत्र लखनऊ द्वारा 51 हजार रुपए का चेक उत्तर प्रदेश कोविड केयर फंड हेतु दिया गया है।

बसें रोकने व लल्लू की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पार्टी द्वारा दी जा रही बसों को बॉर्डर पर रोके जाने और प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन व प्रदेश कार्यालय पर धरना दिया। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक ललन कुमार ने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग और नियमों का पालन करते हुए कांग्रेसियों ने शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और राष्ट्रीय सचिव विवेक बंसल को आगरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उनके ऊपर थाना फ्तेहपुर सीकरी में धारा 188 और 269 के अलावा महामारी एक्ट का मुकदमा कायम किया गया था। मुकदमे में अजय कुमार लल्लू और विवेक बंसल के अलावा 67 अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है। धरने पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि कोरोना संक्रमण आपदा में लॉकडाउन के दौरान दूसरे राज्यों से पलायन कर रहे प्रवासी कामगारों को घर पहुंचने में सांसत झेलनी पड़ रही है। पार्टी की तरफ से प्रवासी कामगारों को घर पहुंचाने के लिए बसों के उपलब्ध कराने के मामले में प्रदेश सरकार संकीर्ण राजनीति कर रही है। इसका विरोध करने के दौरान फर्जी केस दर्ज कर प्रदेश अध्यक्ष को गिरफ्तार किया गया है। कार्यकर्ताओं ने श्रमिकों को भेजने के लिए कांग्रेस कि बसों को परमिशन देने व प्रदेश अध्यक्ष व उनके साथियों को तत्काल रिहा करके उन पर दर्ज किए फर्जी मुकदमे खत्म करने की मांग की।

लिस्ट की गड़बड़ी हम मानते हैं, लेकिन बस चलने दें: प्रियंका

● कांग्रेस बैकफुट पर आई, कहा दूसरी लिस्ट भेजने को तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार को भेजी गई बसों की लिस्ट में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। बुधवार को कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि प्रवासी मजदूरों पर राजनीति न की जाए और योगी सरकार बस चलाने की अनुमति दे दे। उन्होंने कहा कि अगर लिस्ट में कुछ गड़बड़ी है तो हम मानते हैं लेकिन जो बसें हैं उन्हें चलने दें। इससे राह चलते लोगों को मदद मिलेगी। हम बसों की दूसरी लिस्ट देने के लिए तैयार हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मंगलवार को गाजियाबाद बॉर्डर पर बसें खड़ी थीं लेकिन उन्हें परमिशन नहीं दी गई। बसें आज भी वहां खड़ी हैं, सरकार को उन्हें चलाने की इजाजत देनी चाहिए ताकि श्रमिकों की मदद की जा सके। एक हजार बसों में जो सरकार को चलने लायक लगती हैं, कम से कम वही शुरू की जाएं। अगर इन दो दिनों में बसें चली होतीं तो 92 हजार लोग घर पहुंच चुके होते। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम सबको अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। मजदूरों के खून-पसीने से देश चलता है। प्रियंका ने कहा कि हम मदद करना चाहते हैं। हमने सकारात्मक और सेवा भाव से ही मुख्यमंत्री को एक हजार बस भेजना की बात कही थी। हमने उनके अच्छे कदमों का स्वागत भी किया। अगले दिन मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि यूपी रोडवेज की 12000 बसें हैं, आपकी बसों की जरूरत नहीं है। हमने 17 मई को गाजियाबाद में खड़ी 500 बसों को वापस भेज दिया।

प्रियंका ने कहा कि मेरा मुख्यमंत्री से इतना ही आग्रह है कि इन बसों को इस्तेमाल करना है तो कीजिए, अगर इस्तेमाल नहीं करना तो हम इन्हें वापस भेज देंगे, जैसे तीन दिन पहले आपके ऐलान के बाद भेजा था। प्रियंका ने कहा कि जिस तरह से हम लोगों की मदद कर रहे हैं, वो उसी तरह करते रहेंगे, हमें इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपकी बसें हैं या हमारी। हम सिर्फ सेवा भाव से मदद करना चाह रहे हैं।

अनफिट बसें चलाकर क्या श्रमिकों की जान के साथ खिलवाड़ करें: शर्मा

● राजस्थान व पंजाब के श्रमिकों की मदद क्यों नहीं कर रही कांग्रेस: दिनेश शर्मा

● श्रमिकों के साथ छल करने और सरकार को धोखा देने पर माफी मांगें प्रियंका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसों को लेकर कांग्रेस और बीजेपी में चल रहे लेटरवार के बीच यूपी के डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा ने बुधवार को फिर कांग्रेस पर पलटवार किया है। लोकभवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पंजाब और राजस्थान में प्रवासियों के लिए बसें क्यों उपलब्ध नहीं करवा रही है? जब कोटा में उप्र के छात्र भूख से बिलख रहे थे, बीमार थे तब अशोक गहलोत सरकार को दया क्यों नहीं आई? वह इन छात्रों को बसों से कम से कम बार्डर पर ही छोड़ देते। तब यह बसें कहां गई थीं? उन्होंने कहा कि तब प्रदेश की योगी सरकार ने 630 बसें भेजकर अपने छात्र-छात्राओं को वापस बुलाया और सुरक्षित तरीके से उनके घरों तक पहुंचाया। दिनेश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने परिवहन की बसों का जो वीडियो बनाया, वह बसें राजस्थान परिवहन विभाग की हैं। यह बसें एक राजनीतिक दल कैसे निजी तौर पर एकत्रित कर सकता है। इन बसों को किस हैसियत से चलाया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा द्वारा जो 1000 बसों की सूची दी गई थी उसमें 460 बसें फर्जी निकली, जिनका फिटनेस भी नहीं है। इसके अलावा 98 एम्बुलेंस, ऑटो, बाइक के नंबर थे और 68 वाहनों के कागज ही नहीं था। 297 बसों की कोई फिटनेस नहीं है। क्या उत्तर प्रदेश सरकार अनफिट बसें चलाकर श्रमिकों की जान के साथ खिलवाड़ करे? डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस इस मामले में शुरू से दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है। कांग्रेस चाहती है कि सरकार इनकी घटिया सियासत में उलझे, जिससे श्रमिकों की समस्याओं पर ध्यान न जाए। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने प्रवासी कामगारों के साथ छल करने के साथ उत्तर प्रदेश सरकार को धोखे में रखा है।

अनदेखी के चलते मजदूर भूख व लाठियां खाने को मजबूर: रालोद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने भाजपा के झूठे आश्वासनों को बेनकाब करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में हथेली पर सरसों जमाने जैसे अनगिनत झूठे आश्वासनों के द्वारा देश के करोड़ों लोगों को अपने अन्य सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर बरगलाया और सत्ता पर कब्जा कर लिया। उन्हीं करोड़ों लोगों में सबसे बड़ा वर्ग इन्हीं मजदूरों का था जिन्होंने सभी प्रदेशों में अच्छे दिनों के सपने देखकर भाजपा के पक्ष में तन, मन और धन से प्रचार प्रसार किया और सत्तारूढ़ कराया। आज वही वर्ग इन डबल इंजन की सरकारों की अनदेखी के कारण इनके जुल्मों को झेल रहा है तथा भूखे रहने और पुलिस की लाठियां खाने के लिए मजबूर होते हुए भी अपनी जन्मभूमि पर पहुँचने के लिए तड़प रहा है। त्रिवेदी ने कहा कि 25 मार्च से देश में लगभग 19 हजार रेलगाड़ियां सभी प्रदेशों के रेलवे याड्र्स में खड़ी हैं। यदि प्रधानमंत्री और रेलमंत्री चाहते तो चार दिन में ही सभी मजदूर अपने गन्तव्य तक पहुँच सकते थे। इतने जुल्म और अत्याचारों के साथ साथ अब भी आने वाले प्रवासी मजदूरों को झूठे सपने दिखाने का क्रम चल रहा है।

भारी पड़ रही है भाजपा सरकार की हठधर्मिता: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समझ में नहीं आता कि जब सरकारी, प्राईवेट और स्कूलों की पचासों हजार बसें खड़े-खड़े धूल खा रही हैं तो प्रदेश की सरकार श्रमिकों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए इन बसों का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रही है, ् सरकार की हठधर्मिता बहुत भारी पड़ रही है। जो मदद को हाथ बढ़ते हैं उनको झटक देने का अमानवीय बर्ताव भाजपा का आचरण बन गया है। अखिलेश ने कहा भाजपा सरकार बहाने पर बहाने बनाकर श्रमिकों के घर पहुंचने में अवरोधक बन रही है। भूखे-प्यासे श्रमिक, महिलाएं, बच्चे भयंकर गर्मी में नारकीय यातना भोग रहे हैं। भाजपा सरकार को वस्तुत: स्वयं इस बात का फिटनेस सर्टिफिकेट देना चाहिए कि क्या वह इस बदहाली में देश प्रदेश का शासन प्रशासन चलाने लायक है। देश-विदेश में भारत की छवि का ढिंढ़ोरा पीटने वाले कहां हैं। अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुन: निर्देश दिया है कि वे भाजपा के लोगों की बदजुबानी पर ध्यान न देकर श्रमिकों, बेहाल गरीबों की आवाज को आवाज देने से न डिगें, न भटकें। सभी समाजवादी सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करें और जनता को भाजपा के कारनामों से परिचित भी कराते रहे।

श्रमिक प्रवासियों को घर भेजने के नाम पर बीजेपी- कांग्रेस कर रही हैं राजनीति: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

श्रमिक प्रवासियों को घर भेजने के मसले पर बीजेपी और कांग्रेस की सरकारों में चल रही खींचतान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि देश में लॉकडाउन के कारण प्रवासी मजदूरों, श्रमिक परिवारों की समस्या सरकारों की उपेक्षा व अपरिपक्वता के कारण कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। उन्होंने कहा है कि पिछले कई दिनों से प्रवासी श्रमिकों को घर भेजने के नाम पर खासकर बीजेपी व कांग्रेस द्वारा जिस प्रकार से घिनौनी राजनीति की जा रही है यह अतिदुर्भाग्यपूर्ण व शर्मनाक है।

मायावती ने कहा कि ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कहीं ऐसा तो नहीं ये दोनों पार्टियाँ आपसी मिलीभगत से एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करके प्रवासी मजदूरों की त्रासदी पर से ध्यान बाँट रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं है तो बीएसपी का कहना है कि कांग्रेस पार्टी को श्रमिक प्रवासियों को बसों से ही घर भेजने में मदद करने पर अड़ने की बजाए, इनका टिकट लेकर ट्रेनों से ही इन्हें इनके घर भेजने में इनकी मदद करनी चाहिये तो यह ज्यादा उचित व सही होगा। वहीं सारा देश कह रहा है कि इन पीड़ितों के लिए भोजन व आर्थिक मदद की जाए लेकिन केन्द्र व राज्य सरकारें हैं कि इन्हें इनके घर जाने तक की मुफ्त व्यवस्था नहीं कर रही है।

समन्वय स्थापित कर पूरे कराएं अधूरे निर्माण कार्य: मुकुट बिहारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

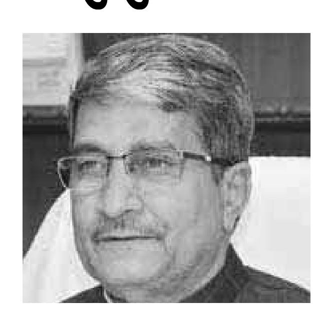

सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लि एवं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लि के द्वारा शासकीय विभागों के जो भी निर्माण कार्य पूर्ण करा दिये गये है उन्हे शीघ्र ही हस्तान्तरित करा दिये जाये इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं की जाये।

यह निर्देश सहकारिता मंत्री श्री वर्मा ने बुधवार को विधान भवन स्थिति अपने कार्यालय कक्ष में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लि एवं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लि. के कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिये। उन्होने कहा कि शासकीय विभागो के जो निर्माण कार्य कराये जाते है उनको मानक एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाये इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नही की जानी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लि वं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लि के कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्ष 2017-18 के जो भी निर्माण कार्य अपूर्ण है उन्हे पूर्ण कराया जाये।

उन्होंने यह भी कहा कि संस्था द्वारा यह प्रयास किया जाना चाहिए उनके स्तर पर निर्माण कार्य में किसी प्रकार ढिलाई नही होने पायें और जिन विभागों के कार्यो को कराया जा रहा है उन विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए निर्माण कार्य को पूर्ण कराया जाये।

होमगार्ड्स के हित में शासन का अहम फैसला

● ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने के बाद भर्ती होने की स्थिति में भी होगा भत्ते का पूरा भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महामारी के इस दौर में पुलिस की तरह ही फ्रंट लाइन पर ड्यूटी कर रहे होमगार्ड्स के हितों को ध्यान में रखते हुए शासन ने अहम फैसला किया है। जिसके तहत ड्यूटी के दौरान कोरोना से संक्रमित होने पर क्वारंटीन, आइसोलेशन या अस्पताल में भर्ती होने की अवधि को भी ड्यूटी मानते हुए होमगार्ड्स को ड्यूटी भत्ते का पूरा भुगतान किया जाएगा। प्रमुख सचिव होमगार्ड्स अनिल कुमार ने बताया कि इसके लिए संशोधित शासनादेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यदि कोई होमगार्ड्स स्वयंसेवक या अवैतनिक अधिकारी ड्यूटी के दौरान क्वारंटीन किया जाता है तो इस अवधि को ड्यूटी माना जाएगा। ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने पर आइसोलेट होकर अस्पताल में भर्ती होता है तो भर्ती अवधि तक उसे ड्यूटी पर मानते हुए ड्यूटी भत्ते का भुगतान किया जाएगाए चाहे उसकी ड्यूटी अगले माह न लगी हो।

इसी तरह यदि होमगार्ड स्वयंसेवक या अवैतनिक अधिकारी विगत माह में ड्यूटी पर तैनात हो और अगले माह में ड्यूटी न लगी हो, ड्यूटी समाप्त होने के बाद कोरोना संक्रमित होने की मेडिकली प्रेसक्राइब्ड अधिकतम अवधि के अंदर कोरोना संक्रमित पाने पर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि को भी ड्यूटी अवधि मानते हुए ड्यूटी भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों के कोविड-19 हॉस्पिटल के लिए पॉलिसी जारी

● हर कोविड-19 हॉस्पिटल का होगा अपना अधीक्षक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगरा व मेरठ मेडिकल कॉलेज के कोविड-19 हॉस्पिटल में गड़बड़ियां पाए जाने पर राज्य सरकार ने बुधवार को सभी सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों के कोविड-19 हॉस्पिटल के लिए मैनेजमेंट पॉलिसी जारी जारी कर दी है। जारी पॉलिसी के मुताबिक अब हर कोविड-19 हॉस्पिटल का अपना अधीक्षक होगा। अधीक्षक की तैनाती के बाद यदि कोई गड़बड़ी मिलती है तो उस गड़बड़ी के लिए अधीक्षक ही जिम्मेदार होगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस आशय के निर्देश सभी सरकारी व निजी मेडिकल कालेजों के प्रधानाचार्यों, चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और चिकित्सा विश्वविद्यालयों के कुल सचिव को निर्देश जारी किए हैं। मैनेजमेंट पॉलिसी में कहा गया है कि मेडिकल कालेज में क्लीनिकल विषय का ज्ञान रखने वाले अच्छी छवि वाले फैकल्टी सदस्य को प्रभारी अधिकारी नामित कर उन्हें कोविड अस्पताल के अधीक्षक के सारे दायित्व दें। कोविड अस्पताल में दो भवनों में हैं तो दूसरे भवन के लिए भी प्रभारी नियुक्त किया जाए।

पालसी के मुताबिक डाक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ हर दो घंटे में कोविड अस्पतालों का राउन्ड लेना होगा। डॉक्टरों की एक्टिव ड्यूटी में 55 साल से कम उम्र के फैकल्टी सदस्य रखे जाएं। मरीजों को पौष्टिक और गुणवत्ता युक्त भोजन देंने के साथ ही प्रत्येक वार्ड में सीसीटीवी की व्यवस्था की जाए ताकि मरीज की हालत संवेदनशील होने पर मेडिकल स्टाफसीसीटीवी देखकर तुरन्त उसके उपचार के लिए जा सके। मरीजों को पौष्टिक आहार डायटीशियन द्वारा निर्धारित मीनू के अनुसार दिया जाए। भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। इसमें लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं की जाएगी। मरीज की मौत पर शव को पांच मिनट के अंदर वार्ड से बाहर करें। गंभीर मरीजों की यदि मृत्यु हो जाती है तो उसे तुरन्त पांच मिनट के अन्दर वार्ड से बाहर होल्डिंग एरिया में रखा जाए। निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार शव को 30 मिनट के अंदर थ्री लेयर प्लास्टिक से कवर कर उसे कोविड की मरच्यूरी में ले जाएं।

14 दिन के प्रशिक्षण पर मेरठ भेजे जाएंगे इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नत होने वाले 200 दरोगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंस्पेक्टर नागरिक पुलिस के पद पर प्रोन्नत पाने वाले 200 दरोगा को 14 दिन के प्रशिक्षण के लिए पीटीएस मेरठ भेजे जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

पीएसी को छोड़कर पुलिस विभाग के सभी विभागाध्यक्षों लखनऊ व गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त वह सभी जिलों के प्रभारियों को डीआई जी कार्मिक व स्थापना राकेश शंकर की ओर से परिपत्र जारी किया गया है। जिसके माध्यम से कहा गया है कि उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक और निरीक्षक नागरिक पुलिस सेवा नियमावली 2018 में दिए प्रावधानों के अनुसार कोई दरोगा जब तक इंस्पेक्टर नागरिक पुलिस का प्रशिक्षण उत्तीर्ण नहीं कर लेता तब तक नियमानुसार उसके प्रोन्नति पर विचार नहीं किया जा सकता है । इंस्पेक्टर पद पर रोनक पाने वाले 200 दरोगा की सूची संलग्न करते हुए जानकारी दी गई है कि आगामी 3 जून से 14 दिन के प्रशिक्षण के लिए पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मेरठ आवंटित किया गया है। अपेक्षा की गई है की सूची में शामिल सभी दरोगा को 2 जून को शाम तक पीटीएस मेरठ में अपने आगमन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया जाए। यदि किसी उपनिरीक्षक के वर्तमान तैनाती का स्थान स्थानान्तरण के कारण परिवर्तित हो गया हो तो संबंधित जनपद ध् इकाई उसे अपने स्तर से सूचित करते हुए प्रशिक्षण में भेजना सुनिश्चित करेंगे।

कोरोना को जीवन के हिस्से के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता: पवार

भाषा। मुंबई

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस बहुत जल्द पूरी तरह से समाप्त नहीं होगा और इसे जीवन के एक हिस्से के तौर पर स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लोगों में स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता पैदा करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के सूचना विभाग से कोविड-19 से लड़ने के बारे में सामाजिक जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

पवार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ मंगलवार को कोविड-19 की चुनौतियों और राज्यों की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में चर्चा की। उन्होंने सरकार को राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं बनाने का सुझाव दिया। पवार ने ट्वीट कर कहा, कोरोना वायरस रोग जल्द ही पूरी तरह से समाप्त नहीं होगा। कोरोना वायरस को जीवन के एक हिस्से के रूप में स्वीकार करना आवश्यक है, इससे सावधान रहें और स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करें। जापान में लोग रोजमर्रा के सामाजिक जीवन में मास्क पहनते हैं, व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देते हैं।

उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए लोगों से दस्ताने व मास्क पहनने, सैनेटाइज़र का उपयोग करने और समय-समय पर साबुन से हाथ धोते रहने का आग्रह किया। पवार की पार्टी उद्धव ठाकरे नीत महाराष्ट्र सरकार में सहयोगी है। उन्होंने राज्य में लॉकडाउन में कुछ ढील देकर स्थिति को बहाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार द्वारा हर दिन एक निश्चित समय पर जनता को राहत के बारे में जानकारी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

श्रमिकों के अपने मूल स्थानों की ओर लौटने के बीच पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में बेरोजगारों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कार्य योजना बनाने का आह्वान किया ताकि उद्योगों में उन्हें कैसे समायोजित किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों की उपस्थिति बहाल करने की आवश्यकता है।

त्रिपुरा में चार और लोग कोरोना वायरस से संक्रमित संक्रमण के मामले 173 हुए

भाषा। अगरतला

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने कहा कि राज्य में चार और लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं जिससे राज्य में संक्रमण के कुल मामले 173 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी चार लोग हाल ही में चेन्नई से लौटे थे और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। देब ने मंगलवार को ट्वीट किया, कोविड-19 के लिए 850 नमूनों की जांच की गई और उनमें से चार व्यक्तियों की रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। वरिष्ठ मंत्री रतन लाल नाथ ने मंगलवार को कहा कि त्रिपुरा में संक्रमण से उबरने की दर देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, भारत का कोविड-19 से स्वस्थ होने की दर का राष्ट्रीय औसत 39 फीसदी है ... जबकि त्रिपुरा में यह 68.63 प्रतिशत है। हमारे राज्य में कोविड-19 रोगियों के स्वस्थ होने की दर सबसे अधिक है। कुल 173 मरीजों में से 116 मरीज ठीक हो चुके हैं।

जालंधर में स्पेशल ट्रेन को पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन जाते हुए उप्र के प्रवासी

अपराधियों को गिरफ्तार करते समय दस्ताने और मास्क पहनेंगे पुलिसकर्मी

भाषा। जयपुर

राजस्थान के गृह विभाग ने बुधवार को पुलिस के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जिसके तहत पुलिसकर्मियों को किसी भी आरोपी की तलाशी लेते समय या उसे गिरफ्तार करते समय मास्क और दस्ताने अनिवार्य रूप से पहनने होंगे। इसके साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के समय उन्हें मास्क और टोपी पहनने के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। निर्देशों में कहा गया है कि केवल अति महत्वपूर्ण मामलों में ही पुलिस हिरासत की मांग की जाए। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार गृह विभाग ने इस बारे में बुधवार को जारी 14 पेज की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की। इसके तहत पुलिसकर्मियों को आरोपी की तलाशी के दौरान मास्क और दस्ताने पहनने होंगे और उपयोग में लेने बाद उसे धोना होगा।

कोविड-19: अस्पताल से छुट्टी मिलने पर खुशी से नाचती हुई बाहर निकली बुजुर्ग महिला, वीडियो वायरल

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में कोविड-19 संक्रमण से जंग जीतने के बाद एक 65 वर्षीय महिला नाचती हुई अस्पताल से बाहर निकली। पुणे के मंगलावर पेठ की निवासी इस बुजुर्ग महिला का औंध सिविल अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद बाहर आने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में हाथ में छड़ी लिए महिला अस्पताल से बाहर निकलते समय नाचती हुई दिख रही है। उसके साथ अस्पताल के कर्मचारी भी जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। महिला की जांच करने वाले डॉक्टरों में शामिल डॉक्टर शर्मिला गायकवाड़ ने कहा, महिला मधुमेह और गठिया से पीड़ित है। कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद उसे कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सांस लेने में तकलीफ और खांसी के चलते उसकी हालत गंभीर थी और उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि 10 से 12 दिन आईसीयू में रही बुजुर्ग महिला को हालत में सुधार के बाद जनरल वार्ड में भेज दिया गया। इसके बाद उसकी दोबारा जांच की गई, जिसमें उसके संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हुई। गायकवाड़ ने कहा, जब हमने उन्हें बताया कि वे घर जा सकती हैं तो वह खुशी से झूम उठीं और नाचने लगीं। हमारे सहकर्मियों ने भी उनके साथ जश्न मनाया। अस्पताल से बाहर आते समय महिला ने सभी कर्मियों और नर्सों को धन्यवाद दिया। अस्पताल की एक नर्स ने बताया, जब उन्हें भर्ती कराया गया तो वे इस बात को लेकर चिंतित थीं कि वह अपने घर वापस जा पाएंगी या नहीं।

भाजपा ने कोविड-19 से निपटने में केरल के प्रयासों की तारीफ की, महाराष्ट्र की निंदा की

भाषा। मुंबई

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में केरल सरकार की प्रशंसा करते हुए भाजपा ने इसमें महाराष्ट्र की शिवसेना नीत सरकार के नाकाम रहने का बुधवार को दावा किया। पार्टी ने लोगों से अगले शुक्रवार को राज्य सरकार का विरोध करने को कहा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने मुंबई में स्वास्थ्य संबंधी ढांचा पूरी तरह चरमराने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने गरीबों और जरूरतमंदों के लिए किसी पैकेज की घोषणा नहीं की।

महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित मुंबई में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 22,563 मामले आए हैं और 800 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। मंगलवार को राज्य में कोविड-19 संक्रमण के मामलों की संख्या 37,136 हो गई है और 1,325 लोग दम तोड़ चुके हैं।

पाटिल ने कहा कि भाजपा और राज्य की जनता ने शुरू में कोविड-19 के संकट को देखते हुए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया था। उन्होंने एक बयान में कहा, महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला नौ मार्च को सामने आया और अब संक्रमण के मामलों की कुल संख्या 40 हजार के करीब पहुंच गई है।

पाटिल ने कहा कि केरल में भी संक्रमण का पहला मामला नौ मार्च को सामने आया था और 70 दिन में कुल रोगियों की संख्या 1,000 के नीचे ही रही। वहां अब तक केवल 12 लोगों की मृत्यु हुई है। पाटिल ने कहा, इसके विपरीत महाराष्ट्र में कोविड-19 से मौत के मामले 1,300 के पार चले गए हैं। यह ठाकरे सरकार की नाकामी को दिखाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में लोग सरकार के खिलाफ गुस्सा जाहिर करने से खुद को रोक नहीं सकते।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को महाराष्ट्र बचाओ प्रदर्शन के तहत सभी तहसीलदारों और जिलाधिकारियों को सरकार के खिलाफ ज्ञापन सौंपे थे। पाटिल ने कहा, मैं लोगों का आह्वान करता हूं कि शुक्रवार को सुबह 11 से 12 बजे के बीच काले प्लेकार्ड ले कर, काले फीते बांध कर और काले मास्क पहन कर अपने घरों के बाहर प्रदर्शन करें। इस दौरान लोग आपस में दूरी बनाकर रखें। इस बीच राज्य सरकार में शामिल कांग्रेस ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र-विरोधी है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा, भाजपा से अपेक्षा थी कि वह महाराष्ट्र और उसकी जनता के साथ वित्तीय मदद के मामले में जो अन्याय हुआ है, उसे लेकर केंद्र के खिलाफ खड़ी होगी। अब साफ हो गया है कि भाजपा की निष्ठा महाराष्ट्र के प्रति नहीं है।

बेंगलुरु में जोरदार गरज सुनकर घबराए लोग

बेंगलुरु। बेंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में दोपहर के समय जोरदार गरज सुनकर लोग घबरा गए। बहरहाल, अधिकारियों ने इसके भूकंप होने की संभावना से इनकार किया है। बेंगलुरु के उत्तर में देवनाहल्ली में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर दक्षिण में इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक गरज सुनाई दी। कई लोगों को लगा कि यह हल्का भूकंप हो सकता है। उन्होंने आवाज सुनकर खिड़की और दरवाजे बंद कर लिए। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आयुक्त मनोज राजन ने भूकंप की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि इसकी जांच जाएगी। राजन ने बताया, कर्नाटक में 12 भूकंप मापी केन्द्र हैं, लेकिन कहीं से भी भूकंप के आने की जानकारी नहीं मिली है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त भास्कर राव ने कहा कि कहीं से भी किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद यहां हेब्बागोड़ी में हवाई अड्डे पर मीडिया के जरिए गरज की जानकारी मिली है। राव ने एक बयान में कहा कि किसी भी पुलिस नियंत्रण कक्ष को नुकसान के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, हमने वायुसेना नियंत्रण कक्ष से भी पूछा है कि क्या यह जहाज या सुपसोनिक आवाज थी। बेंगलुरु पुलिस वायुसेना के जवाब का इंतजार कर रही है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केन्द्र ने भी इसके भूकंप होने की बात से इनकार किया है।

गुजरात: कोरोना के मरीजों का इलाज करने से इनकार के मामले में 16 अस्पतालों को नोटिस

अहमदाबाद। कोविड-19 के मरीजों को भर्ती करने से मना करने और उन्हें सरकारी अस्पताल भेजने के मामले में अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने बुधवार को 16 निजी अस्पतालों को नोटिस जारी किया। महामारी रोग अधिनियम के तहत एएमसी ने आरोप लगाया कि उसके आदेश और अहमदाबाद चिकित्सा संघ की अपील के बावजूद 16 निजी अस्पतालों ने कोविड-19 मरीजों को भर्ती करने और उनसे सहयोग करने से मना कर दिया। नगर निकाय ने 16 मई को एक आदेश जारी करते हुए 16 अस्तपालों को कोविड-19 के इलाज के लिए निर्दिष्ट किया था और उन्हें एएमसी द्वारा भेजे मरीजों को 50 प्रतिशत बेड मुहैया कराने को कहा था। एएमसी के कोरोना वायरस अभियान का निरीक्षण कर रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव कुमार गुप्ता ने महामारी रोग अधिनियम के तहत नागरिक प्राधिकरण के आदेश का पालन न करने के मामले में 16 निजी अस्पतालों को नोटिस जारी करने की पुष्टि की। स्टर्लिंग अस्पताल, लाइफ केयर अस्पताल, एसएएल अस्पताल, राजस्थान अस्पताल, एसएफवीपी अस्पताल, ग्लोबल अस्पताल और सरदार अस्पताल सहित कई बड़े अस्पतालों को नोटिस जारी किए गए हैं। नगर निकाय ने प्राथमिकी दर्ज करने सहित दीवानी और फौजदारी कानून के तहत कड़ी कार्वाई करने तक की चेतावनी दी है। गुजरात में सबसे अधिक 8,945 मामले अहमदाबाद में हैं, जिनमें से 576 लोगों की जान जा चुकी है।

जेकेएनपीपी ने जम्मू कश्मीर में नए मूल निवासी नियमों के विरोध में भाजपा सरकार का पुतला जलाया

जम्मू। जम्मू कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (जेकेएनपीपी) ने मूल निवासी को लेकर नए नियमों के विरोध में बुधवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार का पुतला जलाया और उन प्रावधानों पर फिर से विचार करने की मांग की जिसके तहत बाहरी लोग केंद्र शासित प्रदेश के मूल निवासी बन जाएंगे। जेकेएनपीपी ने इसे थोपा गया कानून बताया और कहा कि अधिसूचना पूर्ववर्ती राज्य की जनभावना के खिलाफ है। जम्मू कश्मीर के मूल निवासी के नए नियमों को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए जेकेएनपीपी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री हर्षदेव सिंह यहां अपने कार्यालय के बाहर निकले और विरोध के तौर पर केंद्र की भाजपा सरकार का पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के युवाओं के हित में नियमों की समीक्षा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नए नियमों के कारण बाहरी लोगों को मूल निवास का प्रमाण पत्र मिल जाएगा और केंद्र शासित प्रदेश में सरकारी नौकरियों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के अधिकार में सेंध लगेगी। उन्होंने कहा, बिहार, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे विभिन्न राज्यों के हजारों श्रमिक, कामगार और व्यवसाई पिछले कई वर्षों से जम्मू कश्मीर में रह रहे हैं। नए नियमों के कारण वे ना केवल मूल निवासी प्रमाण पत्र पाने के हकदार हो जाएंगे बल्कि सरकारी नौकरियां भी उन्हें मिलेगी। यह स्थानीय युवाओं के खिलाफ होगा जिनकी हिस्सेदारी सेवा में आगे और कम होती जाएगी। उन्होंने उन प्रावधानों पर फिर से विचार किए जाने की मांग की जिसके तहत बाहरी लोग जम्मू कश्मीर के मूल निवासी माने जाएंगे।

शराब की दुकानें फिर से खोलने को तैयार केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार इस सप्ताह के अंत में शराब की दुकानें फिर से खोलने के लिए तैयार है। फिलहाल वह शराब की ऑनलाइन बिक्री के लिए विकसित किए जा रहे मोबाइल ऐप के सुरक्षा प्रमाण पत्र का इंतजार कर रही है। एर्नाकुलम की एक निजी कंपनी मोबाइल ऐप को तैयार कर रही है। इसके जरिए शराब के शौकीन एक ई टोकन की बुकिंग कराकर निर्धारित शराब दुकान या बार से शराब खरीद सकेंगे। केरल राज्य पेय पदार्थ निगम के स्पर्जन कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दुकानों के बाहर भीड़ कम करने के लिए यह विचार आया है। ई-टोकन के जरिए कोई व्यक्ति जीपीएस लोकेशन के मुताबिक अपने घर के नजदीक किसी विशेष दुकान से शराब खरीद सकेगा। इस सॉफ्टवेयर की जांच पूरी होने के बाद लोग इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। कुमार ने कहा, ऐप को प्ले स्टोर में अपलोड करने से पहले इसका परीक्षण करना होगा। हम प्रक्रिया को तेज करने के लिए डेवलपर्स पर दबाव नहीं डाल सकते। सुरक्षा जांच में तय समय लगेगा और उसके बाद लोगों को ऐप इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी।

महाराष्ट्र के कराद में कृष्णा हास्पिटल से डिस्चार्ज होकर घर जाते हुए कोविड-19 से ठीक हुए मरीज

धार्मिक भावनाएं भड़काने में एम्स ऋषिकेश का मेडिकल छात्र गिरफ्तार

ऋषिकेश (भाषा)। सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाला पोस्ट डालने के आरोप में पुलिस ने बुधवार को एम्स ऋषिकेश में मेडिकल के चौथे वर्ष के एक छात्र को गिरफ्तार कर लिया। ऋषिकेश पुलिस के प्रभारी निरीक्षक रितेश कुमार शाह ने बताया कि ऋषिकेश निवासी रवि कुमार जैन की शिकायत पर कार्वाई करते हुए एम्स ऋषिकेश के मेडिकल के छात्र आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया। आदिल एम्स ऋषिकेश के एमबीबीएस के पुरुष छात्रावास में रह रहा था। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि आदिल अहमद ने सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर हिंदू धर्म को लेकर काफी आपत्तिजनक सामग्री डाली जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई। शाह ने बताया कि नई दिल्ली में ओम विहार फेस पांच के रहने वाले आदिल ने हालाँकि बाद में आपत्तिजनक सामग्री फेसबुक से डिलीट कर माफी भी माँगी थी।

जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग बनता जा रहा है कोविड-19 हॉटस्पॉट

श्रीनगर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग जिला कोविड-19 हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। यहां तैनात कम से कम 78 पुलि कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। अनंतनाग जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल)में तैनात कम से कम 78 पुलिस कर्मियों के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। जिले में अधिकारी पुलिस कर्मियों के सम्पर्क में आए लोगों की पहचान कर रहे हैं लेकिन इन पुलिस कर्मियों के अलग-अलग जगह तैनात होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दक्षिण कश्मीर का अनंतनाग मध्य अप्रैल तक कोविड-19 मुक्त था। जिले में कोविड-19 का पहला मामला 15 अप्रैल को सामने आया था। केन्द्र शासित प्रदेश में हालांकि जिले में अब सबसे अधिक 247 मामले हैं और चार लोगों की इससे जान जा चुकी है।

डीपीएल में पहले पुलिस कर्मी के संक्रमित पाए जाने के बाद ही, उसके सम्पर्क में आए लोगों की जांच की गई, जिनमें से 18 संक्रमित पाए गए। इसके बाद सम्पर्क में आए अन्य लोगों की पहचान करने के बाद 55 और कर्मी वायरस से संक्रमित पाए गए और अब कुल 78 पुलिस कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। इनमें से आईआरपी के 55 और जिला पुलिस के 23 कर्मी हैं।

घाटी के अन्य इलाकों में कुछ अन्य पुलिस कर्मी भी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं लेकिन डीपीएल में अचानक मामले बढ़ने से पुलिस कर्मियों के बीच तनाव उत्पन्न हो गया है। अधिकारियों ने कहा, यह चिंता का कारण इसलिए भी है क्योंकि संक्रमित पाए गए कई पुलिस कर्मी भोजनालय (मेस) और पुलिस लाइन के द्वारों पर तैनात थे। इससे कानून एवं व्यवस्था कायम करने में कोई मुश्किल नहीं आएगी क्योंकि अधिकतर मामले सशस्त्र पुलिस की एक बटालियन से हैं।

कश्मीर में रोजगार के लिए अधिवास मानदंड कानून में पूर्वव्यापी सहमति

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के लिए विशिष्ट अधिवास मानदंड संबंधी एक कानून को पूर्वव्यापी स्वीकृति प्रदान की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने जम्मू और कश्मीर (राज्य कानूनों का संयोजन) दूसरा आदेश, 2020 के लिए पूर्वव्यापी स्वीकृति दी है जो जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 96 के तहत जारी किया गया है।

इस आदेश से जम्मू-कश्मीर सिविल सेवा (विकेंद्रीकरण और भर्ती) अधिनियम (2010 की अधिनियम संख्या सोलह) के तहत केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में सभी स्तरों की नौकरियों के लिए अधिवास स्थितियों की व्यवहार्यता को संशोधित किया है। विस्तृत ब्यौर दिए बिना बयान में कहा गया है कि यह आदेश केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सभी पदों पर रोजगार के लिए अधिवास मानदंड पर लागू होगा। जम्मू और कश्मीर (राज्य कानूनों का संयोजन) दूसरा आदेश, 2020 गृह मंत्रालय द्वारा तीन अप्रैल को अधिसूचित किया गया था।

इस बीच जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सोमवार को नए नियम जारी किए हैं जिसके तहत पश्चिमी पाकिस्तान से आए लोगों, वाल्मीकियों, अपने समुदायों से बाहर शादी करने वाली महिलाओं, गैर-पंजीकृत कश्मीरी प्रवासियों और विस्थापित लोगों को अधिवास प्राप्त करने की अनुमति दी गई है। इन श्रेणियों के लोगों के बच्चों को भी अब जम्मू-कश्मीर में नौकरी मिल सकती है क्योंकि अधिवास प्राप्त होने के बाद वे अधिकारों के हकदार होंगे।

मुंबई: कोविड-19 के लापता मरीज बीएमसी के लिए चिंता का विषय

मुंबई। कोविड-19 के हर रोज मुंबई में बढ़ रहे मामलों के साथ ही महामारी के लापता मरीज नगर निकाय के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं और वह इन लोगों का पता लगाने के लिए हरसंभव कदम उठा रहा है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के एक अधिकारी ने कहा कि मरीजों का लापता होना उन मामलों में आम बात है जहां लोगों को संक्रमण के हल्के लक्षण होते हैं या जिनमें बीमारी के कोई लक्षण नहीं होते और जो निजी प्रयोगशालाओं में अपनी जांच कराते हैं। अधिकारी ने कहा, जब जांच कराने वाले लोग अपना पता या फोन नंबर जैसी चीजें सही नहीं बताते और वे संक्रमित पाए जाते हैं तो हम उनका पता लगाने की कोशिश करते है। यहां तक कि परीक्षण प्रयोगशालाएं भी लोगों का सही ब्योरा भरने में गलती कर देती हैं। हर रोज बढ़ रहे महामारी के मामलों की वजह से परेशान नगर निकाय के लिए लापता मरीज एक बड़ी चिंता का विषय हैं।

मेघालय विस के तीन दिवसीय बजट सत्र की पुन: शुरुआत

शिलांग। कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के बीच, बुधवार से मेघालय विधानसभा के तीन दिवसीय बजट सत्र की पुन: शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री और विधायकों सहित सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है। विधानसभा में प्रवेश करने से पहले सभी ने शरीर के तापमान की जांच करवाई और अपने हाथों को सैनिटाइज किया। कोविड-19 महामारी के कारण राज्य विधानसभा का बजट सत्र मार्च में स्थगित कर दिया गया था। मुख्यमंत्री कॉनरैड के संगमा ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में समुदायों द्वारा स्थापित पृथक-वास केंद्रों को 5,000 रुपए की वित्तीय राहत प्रदान की जाएगी। शून्यकाल में तहत एक नोटिस का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री राहत कोष से 5,000 रुपए का एकमुश्त अनुदान सामुदायिक पृथक-वास केंद्रों को दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे कुल 7,050 लोग राज्य लौट आए हैं। संगमा ने कहा कि राज्य सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे अन्य सभी नागरिकों को दो सप्ताह के भीतर वापस लाने का प्रयास करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने राज्य लौटने वाले सभी लोगों की कोविड-19 जांच करने के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट और आरटी-पीसीआर टेस्ट दोनों कराने का भी निर्णय लिया है।

इससे पहले विपक्षी कांग्रेस के विधायक एम साइम ने मांग की कि राज्य सरकार अधिक संस्थागत पृथक-वास केंद्र स्थापित करे क्योंकि देश भर में फंसे, राज्य के 10,000 से अधिक लोग वापस लौटने वाले हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार उन समुदायों को सहायता देने के लिए धन मुहैया कराए जिन्होंने राज्य भर में अपने अपने गांवों में पृथक-वास केंद्र स्थापित किए हैं।

कोझिकोड में बस स्टैंड पर सफाई करते हुए नगर निगम के कर्मचारी

प्रियंका गांधी यूपी में बस सियासत करने के बजाए महाराष्ट्र, राजस्थान में मजदूरों की चिंता करें: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में मजदूरों के लिए बसों की प्रियंका गांधी वाड्रा की पेशकश को विशुद्ध सियासत करार देते हुए भाजपा ने बुधवार को कहा कि प्रियंका केवल कांग्रेस की उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय महासचिव भी है, ऐसे में उन्हें कांग्रेस शासित राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र में भी मजदूरों की चिंता करनी चाहिए।

केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी का 1000 बसें देने का दावा उत्तर प्रदेश की जनता के साथ मजाक है और कांग्रेस को जनता इसका जवाब देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने अपने बयान में कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा केवल कांग्रेस की उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी ही नहीं है बल्कि वह राष्ट्रीय महासचिव भी है, ऐसे में उन्हें कांग्रेस शासित राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि जब राजस्थान और महाराष्ट्र में संकट की स्थिति थी तब कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव की हैसियत से इन राज्यों से बसें क्यों नहीं चलवाई?

हुसैन ने कहा कि राजस्थान में मजदूरों के साथ छात्र भी फंसे थे, महाराष्ट्र में भी मजदूर फंसे थे लेकिन वहां बसें नहीं चलवाई गई लेकिन उत्तर प्रदेश में जहां पहले से ही योगी सरकार बसों और ट्रेनों के जरिए मजदूरों, छात्रों को वापस ला रही है, वहां बसों की कांग्रेस महासचिव की पेशकश विशुद्ध सियासत है। भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता जी वी एल नरसिम्ह राव ने कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश की जनता के साथ मजाक करने का साहस किया है और उनका 1000 बसों की पेशकश केवल खोखले दावे हैं। राव ने आरोप लगाया कि इन बसों में से 297 बसों के प्रमाणपत्र मियाद पूरी कर चुके हैं जबकि सूची में उद्धृत काफी वाहन असल में बसें हैं ही नहीं। इनमें से कई तिपहिया वाहन है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने राजस्थान की जनता का भी अपमान किया है क्योंकि राजस्थान सरकार की ओर से दी गई बसों को अपने परिवार द्वारा दी गई बसें बताई गईं। राजस्थान की जनता इसका भी संज्ञान लेगी।

वहीं, शाहनवाज हुसैन ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अभी तक l,000 ट्रेनों के माध्यम से लाखों मजदूरों को अन्य प्रदेशों से प्रदेश में ला चुकी है। 27,000 बसों की मदद से 6.50 लाख मजदूरों उनके घर पहुंचा चुकी है। उन्होंने कहा कि मजदूरों को वापस लाने के साथ ही योगी सरकार 20 लाख से अधिक मजदूरों को प्रदेश में ही काम देने की व्यवस्था भी कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ही ऐसी पहली सरकार थी जिसने 600 बसों को राजस्थान भेज कर वहां पर फंसे छात्रों को लाने का काम किया था। हुसैन ने बसों की सूची में कई फर्जी गाड़ियों का नंबर देने का भी कांग्रेस पर आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी पार्टी को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

गौरतलब है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान, काम बंद हो जाने के कारण अपने अपने गृह राज्य लौट रहे प्रवासी श्रमिकों की मदद करने को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए और उत्तर प्रदेश सरकार को कांग्रेस पार्टी की ओर से मुहैया कराई गई बसें चलाने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहें तो बसों पर भाजपा का झंडा एवं पोस्टर लगवा दें, लेकिन मजदूरों को उनके घर पहुंचाने के लिए उन बसों का इस्तेमाल करें।

देशभर में लागू लाकडाउन के बीच जम्मू रेलवे स्टेशन के बाहर दिल्ली जाने के लिए पंक्तिबद्ध खड़े यात्री

क्विक न्यूज

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तनाव नहीं घटा, घटनाक्रम पर है नजर : फ्रांस

नई दिल्ली। फ्रांस के राजदूत ने कहा है कि कोरोना वायरस संकट के बावजूद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तनाव नही घटा है और भारत तथा फ्रांस, दोनों इस क्षेत्र मे चल रही गतिविधियो से वाकिफ है। ऐसे समय मे, जब दुनिया कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही है, रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण जल क्षेत्र मे चीन द्वारा सैन्य मौजूदगी बढ़ाने जाने का परोक्ष रूप से उन्होंने हवाला दिया। फ्रांस के राजदूत इमैनुअल लेनिन ने पीटीआई-भाषा को एक साक्षात्कार मे भारत मे सीमा पार से आतंकवाद के मुद्दे पर भी चर्चा की और कहा कि पाकिस्तान को अपने यहां एफएटीएफ की कार्य योजना को लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, फ्रांस ने सभी तरह के आतंकवाद को रोकने में हमेशा भारत की मदद की है। इसमें सीमा पार से आतंकवाद का मुद्दा भी है। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि आतंकवाद को वित्तीय मदद रोके जाने के मुद्दे पर हम भारत के साथ मिलकर काम कर रहे है। फ्रांस के राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान को वित्तीय कार्वाई कार्यबल (एफएटीएफ) की कार्य योजना को लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम पर फ्रांस नजर रखे हुए है। राजदूत ने कहा, पिछले कुछ हफ्ते मे हमने देखा है कि महामारी के बावजूद इस क्षेत्र मे खासकर दक्षिण चीन सागर को लेकर तनाव नही घटा है।

दो हीरा तस्कर गिरफ्तार, 125 नग हीरा बरामद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले की पुलिस ने हीरा तस्करी करने के आरोप मे दो लोगो को गिरफ्तार किया है तथा उनसे 20 लाख रुपए मूल्य के 125 नग हीरा बरामद किए है। गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक भोजराज पटेल ने बुधवार को बताया कि जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जाड़ापदर गांव में पुलिस ने मंगलवार देर शाम दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इनसे 125 नग हीरा बरामद किए गए हैं। पटेल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जाड़ापदर गांव में दो लोग हीरा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे है। सूचना के बाद मैनपुर थाने की पुलिस को गांव के लिए रवाना किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बाद में पुलिस दल ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया तथा इनसे 125 नग हीरा बरामद किए गए। हीरों की कीमत 20 लाख रुपए आंकी गई है। पटेल ने बताया कि पुलिस ने इस मामले मे जोको राम (56 वर्ष) और विकास मांझी (25 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। दोनों उड़ीसा के नुआपाड़ा जिले के निवासी हैं। आरोपियों से दो मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

पीपीई किट पहन कर विशेष श्रमिक ट्रेन के यात्रियों से पैसे ऐंठने वाला ठग गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित हबीबगंज रेलवे स्टेशन परिसर मे पीपीई किट पहन कर विशेष श्रमिक ट्रेन के यात्रियों से पैसे ऐंठने वाले एक ठग को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वह अपने आपको रेलवे का अधिकारी बता कर बिहार जाने वाली ट्रेन मे बिठाने के लिए लोगो को एकएक हजार रुपए मे फर्जी टोकन बांट रहा था। मालूम हो कि लॉकडाउन के चलते केन्द्र एवं राज्य सरकारें मिलकर इन विशेष श्रमिक ट्रेनो में प्रवासी मजदूरों एवं छात्रों को उनके घर तक मुफ्त में छोड़ रही है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय से अनेक नागरिकों को मदद मिलेगी: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए फैसले प्रवासी मजदूरों, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के साथ मत्स्य क्षेत्र को अवसर प्रदान करने एवं आसान कर्ज उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए जिसमें खास तौर पर प्रवासी मजदूरों, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के साथ मत्स्य क्षेत्र को अवसर प्रदान करने एवं आसान कर्ज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि इन फैसलों से अनेकों नागरिकों को फायदा होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे मत्स्य क्षेत्र में क्रांति आएगी। उन्होंने कहा, यह नवीनतम प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे के साथ मत्स्य क्षेत्र को मज़बूत करेगी और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करेगी। हमारे मेहनती मछुआरों को अत्यधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को लाभ होगा। उन्होंने कहा, इससे आत्मनिर्भर भारत की तरफ ,प्रयासों को मजबूती मिलेगी। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के अनुसार, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को औपचारिक रूप देने की योजना पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय से स्व-सहायता समूहों, सहकारी समितियों और सूक्ष्म खाद्य व्यवसायों को काफी बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण-शहरी समुदायों के लिए पर्याप्त आजीविका सुनिश्चित होगी।

दुनिया भर में कोविड-19 का टीका विकसित करने की होड़, अमेरिकी कंपनी निकली आगे

● मॉडर्ना के अध्ययन से साबित होता है कि इस टीके के इस्तेमाल से मानव शरीर में वायरस के खिलाफ एक एंटीबॉडी विकसित की जा सकती है

भाषा। नई दिल्ली

दुनिया भर के वैज्ञानिक कोविड-19 का टीका विकसित करने में शिद्दत से जुटे हैं। ऐसे में सबकी निगाहें अमेरिका स्थित कंपनी मॉडर्ना द्वारा स्वस्थ लोगों के एक छोटे से समूह पर किए गए परीक्षण के नतीजों पर टिकी हैं। विशेषज्ञों ने हालांकि कहा है कि टीका बनने में महीनों या फिर एक साल तक लग सकता है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका स्थित बायो-टेक्नोलॉजी कंपनी मॉडर्ना के नतीजों ने उसे टीका विकसित करने के दौड़ में शामिल 118 उम्मीदवारों में आगे कर दिया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की नवीनतम जानकारी के अनुसार, आठ कोविड-19 टीकों का नैदानिक परीक्षण किया जा रहा है जबकि 110 उम्मीदवार अभी खोज ही कर रहे हैं। मॉडर्ना ने कहा कि उसके टीके एमआरएनए-1273 के शुरुआती आंकड़े दर्शाते हैं कि इसने आठ स्वस्थ लोगों के भीतर प्रतिरोधक एंटीबॉडी पैदा कर दी है। इसके अलावा जिन कोविड-19 टीकों पर निगाहें टिकी हुई हैं, उनमें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया जा रहा टीका भी शामिल है। इस टीके का छह बंदरों के एक समूह पर परीक्षण किया गया, जो कारगर साबित हुआ है। इसके विश्वसनीय नतीजे सामने आए हैं और पिछले महीने के अंत में इसका मानव शरीर पर भी परीक्षण शुरू कर दिया गया। ब्रिटेन स्थित आंकड़ा विश्लेषक एवं परामर्श कंपनी ग्लोबल डाटा में संक्रामक रोग से जुड़े विभाग के एसोसिएट निदेशक माइकल ब्रीन ने कहा, चूंकि मॉडर्ना के पास एकमात्र टीका है, जिसने कोविड-19 रोग के खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिरक्षात्मक प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया है, लिहाजा हमारे ख्याल से यह कंपनी टीका विकसित करने की दौड़ में काफी आगे है।

ब्रीन ने कहा, मानव शरीर पर जिन टीकों का परीक्षण किया गया है उनमें से केवल दो टीके ही कारगर साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि मॉडर्ना के अध्ययन से साबित होता है कि इस टीके के इस्तेमाल से मानव शरीर में वायरस के खिलाफ एक एंडीबॉडी विकसित की जा सकती है।

उचित कानून बनने तक जूम ऐप पर प्रतिबंध के लिए न्यायालय में याचिका

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में निजता के अधिकार का मुद्दा उठाते हुए एक जनहित याचिका में जूम ऐप पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया है। याचिका में शासकीय और व्यक्तिगत स्तर पर जूम के इस्तेमाल के बारे में उचित कानून बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह याचिका दिल्ली निवासी हर्ष चुघ ने दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि लगातार इस ऐप के इस्तेमाल से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है और यह तरह-तरह के साइबर अपराधों को भी बढ़ावा दे सकता है। याचिका में कहा गया है कि इस ऐप के लगातार इस्तेमाल से साइबर अपराध का खतरा है, इसलिए इस ऐप के इस्तेमाल के संबंध में विस्तृत तकनीकी अध्ययन कराने का केन्द्र को निर्देश दिया जाए। याचिका के अनुसार, कोविड-19 महामारी के इस दौर ने जीवन शैली में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है जिसमें उपभोक्ता, कारोबारी और स्कूल जरूरतमंदों की मदद करने की बजाय जूम के माध्यम से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि जूम ऐप लाखों उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत सूचनाओं का दुरूपयोग करके निजता के अधिकार का हनन कर रहा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि जूम ऐप डाटा एकत्र करने की नीति पर चल रहा है और वह अपने उपभोक्ताओं का निजी डाटा और फाइलों का अपने यहां भंडार कर रहा है।

ईपीएफ अंशदान संबंध में नए संशोधन से नियोक्ता और कर्मचारी होंगे लाभांवित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 के प्रसार और महामारी के कारण उत्पन्न अन्य व्यवधानों को रोकने के लिए ईपीएफ एंड एमपी एक्ट 1952 के तहत आने प्रतिष्ठानों के नियोक्ताओं और कर्मचारियों को लॉकडाउन से परेशान हैं, को राहत देने के लिए समय-समय पर विभिन्न उपायों की घोषणा की गई है।

भारत सरकार ने 18.5.2020 को एसओ 1513 ई अधिसूचना के माध्यम से केंद्र सरकार के द्वारा 13.5.2020 को घोषित आत्मनिर्भर भारत के एक भाग के तहत ईपीएफ एंड एमपी एक्टए 1952 में कवर्ड स्थापनाओं का माह मई 2020 जून 2020 और जून 2020 का अंशदान 12% से कम कर के 10% अंशदान कर देने का कहा है। यह अधिसूचना ईपीएफओ की वेबसाइट के होम पेज पर टैब कोविड 19 पर उपलब्ध है। केंद्रीय और राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों या अन्य प्रतिष्ठानों जिनका स्वामित्व या नियंत्रण केंद्रीय या राज्य सरकार के नियंत्रण में है, को मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 12% की दर से ही अंशदान जमा करवाना होगा। कम की गई यह दर पीएमजीकेवाई लाभार्थियों के लिए लागू नहीं है क्योंकि कर्मचारी के पूरे ईपीएफ अंशदान यानी मजदूरी का 12% और नियोक्ताओं का ईपीएफ और ईपीएस अंशदान यानी मजदूरी का 12% अर्थात कुल मासिक वेतन का 24% अंशदान केंद्रीय सरकार द्वारा योगदान किया जा रहा है।

सरकार के द्वारा ईपीएफ अंशदान देने के संबंध में मूल वेतन और महंगाई भत्ते की दर 12% से 10% कमी करने से 4.3 करोड़ कर्मचारी/सदस्य और 6.5 लाख प्रतिष्ठानों के नियोक्ता, दोनों तरलता संकट से कुछ हद तक निपटने में तात्कालिक लाभान्वित होंगे। ईपीएफ योगदान की वैधानिकि दर में 12% से 10% तक की कमी करने से कर्मचारी के वेतन से कटौती कम होगी जिससे उसके घर जाने वाले वेतन में वृद्धि होगी और साथ ही नियोक्ता की अपने कर्मचारियों के प्रति 2% अंशदान देयता कम हो जाएगी। यदि किसी कर्मचारी का मासिक वेतन रु.10000 है तो अब उसका मासिक ईपीएफअंशदान रु.1200 के स्थान पर रु.1000 होगा। इसी प्रकार नियोक्ता रुपए 1200 के स्थान पर अब रुपया 1000 का भुगतान करेगा।

पेज एक का शेष

आया उड़ान...

जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग के लिए निर्धारित दूरी का पालन नहीं होगा। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको एयर लाइन के टिकटों की कीमत में 33 फीसदी का इजाफा करना होगा।' हालांकि, पुरी ने यह नहीं बताया कि अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें कब बहाल होंगी। पुरी ने मंगलवार को कहा था कि यात्री उड़ानें फिर से शुरू करने पर केंद्र सरकार अकेले फैसला नहीं कर सकती और राज्य सरकारों को सहयोगात्मक संघवाद की भावना के तहत इन सेवाओं की अनुमति के लिए तैयार रहना चाहिए। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने यात्री सेवाएं बहाल करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम 25 मई से घरेलू उड़ान सेवाओं का परिचालन फिर शुरू करने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। यह फैसला देश में समग्र आर्थिक माहौल को मजबूत करने में दूरगामी साबित होगा। परिचालन की बहाली के लिए एसओपी और उड़ानों के ब्योरे का अब भी इंतजार है, वहीं हमें विश्वास है कि यह बहुप्रतीक्षित कदम बड़ी संख्या में यात्रियों को सबसे सुरक्षित और त्वरित परिवहन प्रदान करेगा।' महामारी की वजह से विमानन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है और भारत समेत अनेक देशों ने व्यावसायिक उड़ानों को पूरी तरह निलंबित करने का फैसला किया था। हालांकि, मालवाहक विमान, चिकित्सा आपात उड़ानें तथा डीजीसीए द्वारा मंजूर अन्य विशेष उड़ानों को इस अवधि में अनुमति दी गयी। हालांकि, इससे पहले 12 मई को मंत्रालय ने इस एसओपी का ड्राफ्ट जारी किया था। उड्डयन मंत्रालय ने पिछले दिनों कंपनियों को टिकटों की बुकिंग नहीं करने के लिए कहा था। लॉकडाउन फेज-4 में उड़ानों पर प्रतिबंध जारी रहेगा। एयरलाइंस और एयरपोर्ट ऑपरेटरों के लिए जारी एसओपी ड्राफ्ट के मुताबिक, केंद्र ने एयरलाइंस से कहा था कि उड़ानें शुरू होने के पहले फेज में 80 साल से ऊपर के व्यक्ति को यात्रा की इजाजत ना दी जाए। एसओपी में कहा गया कि शुरुआती चरण में केबिन में बैग ले जाने की इजाजत ना दी जाए। अगर किसी यात्री या स्टाफ में संक्रमण का कोई लक्षण दिखाई दे रहा है और आरोग्य सेतु ऐप पर ग्रीन सिग्नल नहीं आ रहा है, तो ऐसे व्यक्ति को एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग में दाखिल होने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इसके अलावा यात्री अपने साथ केवल एक 20 किलो का बैग ले जा सकेगा। अगर किसी भी यात्री में संक्रमण का कोई लक्षण दिखेगा तो उसे यात्रा की अनुमति नहीं होगी। उड़ान में सोशल डिस्टेंसिंग रखना होगी। एसओपी में यह भी कहा गया है कि लाइन लगाते समय भी दूरी रखनी होगी। ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को पीपीई किट पहनना होगी। केवल वेब चेक-इन होगा। बहुत जरूरत पड़ने पर ही प्रिंटेड बोर्डिंग पास और चेक-इन बैगेज दिए जाएंगे। यात्रियों को मास्क, ग्लव्स, जूते, पीपीई किट आदि पहनना होगा। यात्रा के समय से दो घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंचना होगा। फ्लाइट में आगे की तीन सीट मेडिकल इमरजेंसी वाले यात्रियों के लिए आरक्षित की जाए। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक जारी रहेगी।

रेलवे बोर्ड...

लिए बोर्ड से आवश्यक दिशा-निर्देश ले रहे हैं। रेलवे बोर्ड ने आदेश में कहा, जोनल रेलवे और आईआरसीटीसी को कहा गया है कि रेलवे स्टेशनों पर सभी स्टेटिक कैटरिंग और वेंडिंग इकाइयां तत्काल प्रभाव से खोलने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। दूसरी ओर रेलवे ने एक जून से चलने वाली 200 ट्रेनों की सूची जारी की, बुकिंग 21 मई से शुरू होगी। ये ट्रेनें पूरी तरह आरक्षित होंगी जिनमें एसी और गैर एसी श्रेणियां होंगी, सामान्य डिब्बों में भी बैठने के लिए आरक्षित सीटों की सुविधा होगी।

प्रियंका ने...

की अनुमति नहीं देने के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, तीन चली रस्साकषी के बाद जब उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुमति नहीं दी तो उसके बाद बुधवार शाम को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए लगाई बसों को वापस भेज दिया। ये गाड़ियां करीब 33 घंटे तक अनुमति मिलने के इंतजार में खड़ी रहीं। राजस्थान से आई लगभग 500 बसें आगरा-भरतपुर सीमा से प्रियंका गांधी के निर्देश पर शाम 5 बजे वापस चली गईं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को यूपी सरकार से साफ कहा कि हमारी बसें यूपी के बॉर्डर पर खड़ी है। आप इसे राजनीतिक दांवपेच में उलझाकर लोगों की मदद में बाधा न पहुंचाएं। प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार से कहा कि वह शाम 4 बजे तक यदि बसों को अंदर नहीं बुलाते हैं तो हम इन बसों को वापस बुलवा लेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी पेशकश के पीछे सेवा का भाव है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

शाह का...

उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के दंगा प्रभावित इलाकों के बच्चों की कक्षा 10 की छह विषयों और कक्षा 12 की देशभर में 12 विषयों की परीक्षाएँ भी शामिल हैं। दिल्ली में दंगों और शेष भारत में कोरोना वायरस के चलते 24 मार्च से लागू हुए लॉकडाउन के कारण परीक्षाएं स्थगित कर दी गई थीं। गृहमंत्री शाह ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि इस प्रक्रिया को छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फेस मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का पालन करने जैसी कुछ एहतियाती उपायों के साथ छूट दी गई है। गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था करनी चाहिए। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि लॉकडाउन के कारण कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी गई थीं। अब जब परीक्षाएं कराने का फैसला लिया गया है तो ऐसे में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को फेस मास्क पहनना अनिवार्य होगा। केंद्रों पर थर्मल स्क्रीनिंग और सैनिटाइजर और सभी परीक्षा केंद्रों में सामाजिक दूरी के नियम का हर किसी को पालन करना होगा। गृह मंत्रालय ने कहा है कि अलग-अलग बोर्डों द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को पहुंचाने के लिए राज्य और संघ शासित प्रदेशों की सरकारें विशेष बसों की व्यवस्था करें।

गलवान घाटी...

मंशा भारत ने भी यहां सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी है तथा चीन की गतिविधियों पर करीब से निगाह रखे हुए है। सूत्रों ने बुधवार को कहा कि फिलहाल चीन ने भारतीय सीमा में घुसने का कोई प्रयास नहीं किया है। सूत्रों ने कहा कि चीन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण गलवान घाटी में और टुकड़ियों को तैनात कर तथा दस दिन पहले तंबुओं को गाड़कर अपनी गतिविधियां बढ़ा दी है। सूत्रों ने कहा कि इस तैनाती के साथ विवादित क्षेत्र में सड़क और स्थायी ढांचे बनाने समेत अन्य निर्माण गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। इस पृष्ठभूमि में दोनों पक्षों के स्थानीय कमांडरों ने मंगलवार को कुछ दौर की बातचीत की थी। बातचीत में परस्पर यह सहमति जताई गई कि आने वाले दिनों में ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि और वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के बीच बातचीत हो। इस बीच चीन ने भारतीय सेना पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह उसकी सीमा में घुस रही है और उसकी गश्त में 'बाधा' पहुंचा रही है। साथ ही वह सिक्किम और लद्दाख में दोनों देशों के बीच 'वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर एकतरफा तरीके से स्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है।' हाल ही में सिक्किम में नाकु ला में दोनों देशों के जवानों के बीच हुई हाथापाई पर चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा ' भारतीय सेना चीन-भारत सीमा तथा सिक्किम क्षेत्र में चीनी सीमा में एलएसी को पार घुस गई थी।' बयान में यह भी कहा गया है कि चीनी पक्ष ने भारत के समक्ष यह मुद्दा उठाया है और भारतीय पक्ष से तुरंत लाइन से जवानों को पीछे हटाने, इन इलाकों में यथास्थिति बनाने और अग्रिम मोर्चे की टुकड़ियों को दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई सहमति तथा दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते का पालन करने और संयुक्त रूप से सीमावर्ती क्षेत्र में शांति और स्थिरता बरकरार रखने को कहा गया है। भारतीय सेना ने कहा कि लद्दाख और सिक्किम में हुई घटनाओं को 'दोनों ओर से आक्रामक व्यवहार' के रूप में लिया गया, जिसके चलते पक्षों को जवानों को मामूली चोटें आईं थी। इसके बाद स्थानीय स्तर पर बातचीत के बाद दोनों पक्ष अलग हो गए थे।

भारत से...

बुधवार को बढ़कर 427 हो गए। ओली ने मंगलवार को कोविड-19 महामारी के बारे में संसद में कहा कि बाहर से लोगों के आने के चलते नेपाल के लिए इस वायरस का संक्रमण रोकना बहुत मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस के कई मरीज नेपाल में प्रवेश कर गए हैं। यह वायरस बाहर से आया, हमारे यहां यह नहीं था। हम सीमापार से लोगों की घुसपैठ नहीं रोक पाए। उन्होंने कहा कि देश के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती कोरोना वायरस के बढ़ते मामले हैं। उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के लिए देशव्यापी लॉकडाउन तोड़ने वाले व्यक्तियों और विशेष तौर पर उन लोगों को जिम्मेदार ठहराया, जो भारत से नेपाल में प्रवेश कर रहे हैं। काठमांडू पोस्ट ने ओली के हवाले से कहा, भारत से जो अवैध तरीके से आ रहे हैं वे देश में इस वायरस को फैला रहे हैं। कुछ स्थानीय प्रतिनिधि और पार्टी नेता भारत से लोगों को बिना उचित जांच के लाने के लिए जिम्मेदार हैं। ओली की यह टिप्पणी भारत द्वारा लिपुलेख दर्रे को उत्तराखंड के धारचुला से जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के निर्माण के बाद नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद होने के बीच आई है।

दिल्ली से...

दिया। इसमें कई पुलिसकर्मियों को हल्की चोटें आने की भी सूचना है। इस घटना की सूचना मिलते ही गुरुग्राम के पालम विहार और उद्योग विहार थाना के एसएचओ समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि गुरुग्राम में प्रवेश करने वाले ये वो लोग थे, जो कि यहां काम करने आते हैं। लॉकडाउन के बीच उन्हें आने की अनुमति नहीं है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरह से लोग ईंट, पत्थर आदि पुलिस पर फेंक रहे हैं। एक गली के भीतर काफी भीड़ है, जो कि सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ा रही है। गुरुग्राम के जिलाधीश के आदेशों पर दिल्ली के साथ लगते सभी बॉर्डर को पूरी तरह से सील किया गया है। जरूरी चीजों के सामान को लाने-ले जाने वाले वाहनों को ही प्रवेश दिया जा रहा है। वह भी मूवमेंट पास के आधार पर। लेकिन बुधवार को जिस तरह से लोगों ने अवैध रूप से यहां घुसने की कोशिश करते हुए पुलिस पर पथराव किया, उसकी जांच भी की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इस तरह से लोगों को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा ने अपनी सीमाओं पर सख्त निगरानी रखी है। इसके बावजूद उन्होंने घुसने की कोशिश की। इस क्रम में पुलिस से उनकी झड़प हुई। उन्होंने बताया कि इस घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गये । हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि दिल्ली हरियाणा सीमा पर कापसहेड़ा में पथराव की घटना हुयी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सीमा पार कर हरियाणा में प्रवेश करने का प्रयास करने लगे लेकिन उन्हें रोक दिया गया।

देश में...

3,426 की जान गई है। अकेले मुंबई शहर में 41 मौतें हुईं और सबसे अधिक 1,372 अधिक मामले आए हैं। वायरस के प्रसार के मामले में सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु में 743, दिल्ली में 534 और गुजरात में 398 नए पॉजिटिव केस आए हैं। गुजरात और दिल्ली में क्रमश: 30 और 10 मौतें हुईं। दिल्ली के लिए यह एक दिन में सबसे अधिक मौत का मामला है। यहां पिछले तीन दिनों से लगातार 500 से अधिक कोरोना केस आ रहे हैं। इन राज्यों के अलावा, 270 नए मामले मध्य प्रदेश से आए हैं। पश्चिम बंगाल से 142, राजस्थान से 107, आंध्र प्रदेश से 71 नए मामले मिले हैं। पिछले कुछ दिनों से बहुत कम केस दर्ज करने वाले केरल में बुधवार को 24 नए मामले मिले, जबकि बिहार में 60 नए केस आए। ताजा आंकड़ों के अनुसार देषभर में कुल 1,11,601 पुष्ट मामलों में 62,952 सक्रिय मरीज हैं और 45,216 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं। भारत में होने वाली कुल 3,426 मौतों में से 40 प्रतिशत से अधिक मौतें (1,390) अकेले महाराष्ट्र की हैं। महाराष्ट्र के बाद, गुजरात में कुल 749 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश में बुधवार को 9 मौतों के साथ मरने वालों का आंकड़ा 267 पहुंच गया। पश्चिम बंगाल में 253, दिल्ली में 176, राजस्थान में 143 और उत्तर प्रदेश में भी 143 लोगों की जान कोविड-19 से चली गई है। तमिलनाडु में बुधवार को तीन और मौतों के साथ मृतकों की संख्या 88 पर पहुंच गई है। आंध्र प्रदेश में 53, तेलंगाना में 38 और पड़ोसी कर्नाटक में 41 लोग मारे गए हैं। इस बीच, देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हालात नियंत्रण में हैं। यहां असम में नए 13 और मणिपुर में 11 नए रोगी मिले हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी बुधवार को क्रमष: 12 और 11 नए रोगियों की पहचान हुई। जम्मू और कश्मीर में एक मौत के साथ पॉजिटिव केस 73 हो गए। यहां मरने वालों की संख्या 18 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि देश में कोविड-19 के वर्तमान में जितने मामले हैं उनमें 6.39 प्रतिशत मरीजों को ही अस्पताल में उपचार कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि करीब 2.94 प्रतिशत मामलों में ऑक्सीजन, तीन प्रतिशत को आईसीयू और 0.45 प्रतिशत मामलों में वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत है।

धीरे-धीरे...

में होने की बात कही गई है। परिसर की ऐतिहासिक चीजों में बदलाव न हो इसलिए पूरे परिसर की खोदाई नहीं की जाएगी। इसीलिए अभी फिलहाल केवल गर्भ गृह स्थल के इर्दगिर्द ही सफाई और पटाई शुरू कराई गई है। परिसर में ही रहेंगे निर्माण से संबंधित लोग: श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने पिछले कुछ दिनों से मंदिर परिसर में ही डेरा डाल रखा है। ट्रस्ट मंदिर निर्माण से जुड़े मजदूर सहित अन्य लोगों के लिए भी परिसर में रहने की व्यवस्था कर रहा है। ट्रस्ट के सदस्य के मुताबिक कोरोना काल का संकट कम होने के बाद ही भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। फिर किसी भी मौसम में निर्माण में बाधा न उत्पन्न हो इसकी भी पूरी तैयारी की जा रही है। बता दें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कुछ दिन पहले मंदिर निर्माण को लेकर कहा था कि कोरोना मंदिर निर्माण की छोटी मोटी बाधा है। इसे जल्द दूर कर लिया जाएगा। क्योंकि बड़े कामों में बड़ी बाधाएं आती है इसलिए वे मंदिर निर्माण में कोरोना वायरस को बाधा नहीं मानते।

मार्टिनेज का अनुबंध 2022 तक बढ़ा

ब्रसेल्स। बेल्जियम फुटबाल महासंघ ने घोषणा की कि टीम के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने अपना अनुबंध 2022 तक बढ़ा लिया है जिससे वह कतर में विश्व कप तक टीम के साथ रहेंगे। इवर्टन क्लब के पूर्व मैनेजर मार्टिनेज 2016 में बेल्जियम की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बने थे। 46 साल का कोच ने उन्हें 2018 विश्व कप में तीसरे स्थान पर पहुंचाया था। पहले उनका अनुबंध यूरो 2020 तक था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इस चैम्पियनशिप को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

पुराने रंग में वापस होगी फुटबॉलः यूएफा

लंदन। यूरोपीय फुटबॉल की संचालन संस्था यूएफा के अध्यक्ष एलेक्सांद्र सेफेरिन को भरोसा है कि कोरोना वायरस महामारी से फैली अव्यवस्था के बावजूद फुटबॉल जल्द ही दर्शकों के साथ अपने पुराने रंग में वापसी करेगी। कोविड-19 संकट के कारण मार्च के मध्य में पूरे यूरोप में घरेलू और महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिताएं ठप्प पड़ गई थी और यूरो 2020 को स्थगित करना पड़ा था। पिछले सप्ताहांत बुंदेसलीगा ने खाली स्टेडियम में वापसी की और कई और लीग खाली स्टेडियम में मैचों का दोबारा आयोजन कराने की तैयारी कर रही हैं।

संदेश झींगन ने केरला ब्लास्टर्स छोड़ा

कोच्चि। राष्ट्रीय फुटबाल टीम के अनुभवी डिफेंडर संदेश झींगन ने इंडियन सुपर लीग क्लब केरला ब्लास्टर्स से छह साल का अपना नाता तोड़ दिया। पांच साल पहले अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण के बाद से भारत के लिए 36 मैच खेल चुके झींगन और ब्लास्टर्स ने आपसी सहमति से यह फैसला किया। क्लब के एक सूत्र ने बताया कि संदेश अब क्लब के साथ नहीं है। यह फैसला आपसी सहमति से हुआ। झींगन ब्लास्टर्स के डिफेंस की रीढ़ थे और दो बार टीम को आईएसएल फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह क्लब के लिए 76 मैच खेल चुके हैं लेकिन चोट के कारण पिछला सत्र नहीं खेल सके।

बर्नले के सहायक मैनेजर कोरोना पॉजिटिव

लंदन। बर्नले के सहायक मैनेजर इयान वोन इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के तीन क्लबों के उन छह लोगों में शामिल हैं जिन्हें कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया है। प्रीमियर लीग ने मंगलवार को घोषणा की थी कि रविवार और सोमवार को उसने कुल 748 खिलाड़ियों और क्लब स्टाफ का परीक्षण किया जिसके बाद नतीजे आए हैं। प्रीमियर लीग के अधिकारी पॉजिटिव पाए गए लोगों के नाम का खुलासा नहीं करते लेकिन बर्नले ने बयान में कहा, बर्नले फुटबॉल क्लब पुष्टि करता है कि रविवार 17 मई को कोविड-19 परीक्षण के बाद सहायक मैनेजर इयान वोन पॉजिटिव पाए गए हैं।

स्लोवेनिया की फुटबॉल लीग पांच जून से

ल्युब्ल्याना। स्लोवेनिया फुटबॉल संघ (एनजेडएस) ने घोषणा की है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण दो महीने के निलंबन के बाद उसके शीर्ष स्तर के मैच पांच जून से दोबारा शुरू होंगे। एनजेडएस ने बयान में कहा कि एनजेडएस उम्मीद करता है कि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए सभी कदम उठा लिए जाएंगे। एनजेडएस ने हालांकि खुलासा नहीं किया है कि स्टेडियम में मैचों के लिए दर्शक मौजूद रहेंगे या नहीं। संघ ने बताया कि बाकी बचे मैचों का कार्यक्रम अगले हफ्ते तय किया जाएगा।

डब्ल्यूडब्ल्यूई पेशेवर गेसपर्ड समुद्र में लापता

लास एंजिलिस। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के पूर्व पेशेवर शेड गेसपर्ड (39 साल) पिछले सप्ताहांत अपने बेटे के साथ तैराकी करते हुए दक्षिण कैलीफोर्निया के समुद्र में बहने के बाद अब भी लापता हैं। गेसपर्ड के 10 साल के बेटे आरएह और कई अन्य तैराकों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। रविवार दोपहर लास एंजिलिस के वेनिस बीच पर ए तेज ज्वार में फंस गए थे। लास एंजिलिस पुलिस ने कहा कि जीवन रक्षकों ने जब अंतिम बार गेसपर्ड को देखा तो एक लहर उनसे टकराई थी जो उन्हें बहाकर समुद्र में ले गई।

जर्मन फुटबाल क्लब ने रोका अभ्यास

बर्लिन। जर्मन क्लब कोसर्सस्लॉटर्न ने कहा कि कोरोना वायरस के तीन संदिग्ध मामलों के बाद उसने टीम अभ्यास रोक दिया है। जर्मनी का यह क्लब चार बार का चैंपियन रहा है लेकिन अभी तीसरे डिवीजन में खेलता है। उसने कहा कि जिन तीन मामलों को संदिग्ध पाया गया है उनके फिर से परीक्षण कराए जाएंगे। उसने कहा कि इनके संपर्क में आने वाले लोगों को पृथकवास पर रखा गया है।

खिलाड़ियों को मानसिक रूप से दृढ़ होना होगाः गायकवाड़

बड़े क्रिकेटरों पर प्रशसकों की अपेक्षाएं बढ़ेंगीः अंशुमान

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर और दो बार भारतीय टीम के कोच रहे अंशुमान गायकवाड़ का मानना है कि कोरोना काल के बाद जिंदगी और क्रिकेट एकदम नए स्वरूप में होंगे और खिलाड़ियों को, खासकर भारतीयों को उनके प्रशंसकों की उम्मीदों को देखते हुए इसके अनुरूप ढलने के लिए मानसिक रूप से काफी मजबूत होना होगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण मार्च से ही दुनिया भर में खेल बंद है। गायकवाड़ ने कहा कि क्रिकेट पहले जैसा नहीं रहेगा और ना ही खेलने का तरीका। मैदान पर दर्शक नहीं होंगे और इस तरह से खेलना क्रिकेटरों के लिए काफी मुश्किल होगा। बीसीसीआई की नौ सदस्यीय एपेक्स काउंसिल में पुरुष क्रिकेटरों के प्रतिनिधि गायकवाड़ ने कहा कि इस लंबे ब्रेक के बाद कोरोना काल से पहले वाली लय हासिल करना भी आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह बहुत लंबा ब्रेक है और अभी भी क्रिकेट बहाल होने में दो-चार या ज्यादा महीने लग सकते हैं। यह कोई थ्योरी नहीं है कि पढ़कर लिख लिया। आपको अच्छा प्रदर्शन करना होगा। नया क्रिकेट, नई जिंदगी। खिलाड़ी भले ही कितने भी अच्छे हों, उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहना होगा। गायकवाड़ ने कहा कि यदि वे मानसिक रूप से मजबूत नहीं होंगे तो उनके लिए आसान नहीं होगा। विराट या रोहित कह सकते हैं कि वे मैदान पर लौटकर वैसे ही बल्लेबाजी करेंगे, जैसे पहले करते थे या बुमराह, शमी या ईशांत कहेंगे कि उसी तरह से गेंदबाजी करेंगे। सब बड़े क्रिकेटर हैं और अब ब्रेक के बाद प्रशंसकों की अपेक्षाएं भी बढ़ गई होंगी। उन पर खरे उतरने का अतिरिक्त दबाव होगा। भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे खेल चुके इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि हाथ मिलाने या मैदान पर जश्न के मामले में क्रिकेट 60 और 70 के दशक की तरह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब मैं खेलता था, तब विकेट या रनों पर इस तरह का जश्न नहीं होता था। ओवर खत्म होने के बाद अपनी जगह पर खड़े होकर ताली बजाते थे। कोई गले मिलना या जश्न मनाना नहीं होता था। उन्होंने यह भी कहा कि वित्तीय पहलू को ध्यान में रखकर क्रिकेट शुरू करना ही होगा वरना बोर्ड कैसे काम चलाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रसारण राशि से बोर्ड की अर्थव्यवस्था चलती है। क्रिकेट ही नहीं होगा तो पैसा नहीं आएगा और बोर्ड कैसे काम चलाएंगे। दर्शकों के बिना भी क्रिकेट खेलना ही होगा। गायकवाड़ को नहीं लगता कि इस साल के आखिर में टी-20 विश्व कप हो सकेगा।

बीसीसीआई के फिलहाल सीएफओ नियुक्त करने की संभावना नहीं

भाषा। नई दिल्ली

संतोष रंगनेकर के छह महीने पहले इस्तीफा देने के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निकट भविष्य में नए मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) की नियुक्ति करने की संभावना नहीं है। बीसीसीआई सीईओ राहुल जोहरी को अपना इस्तीफा वापस लेने और कार्यकाल पूरा (2021) होने तक काम करने को कहा गया है लेकिन पता चला है कि आला अधिकारियों का मानना है कि सीएफओ की तुरंत नियुक्ति करने की जरूरत नहीं है क्योंकि कोषाध्यक्ष जिम्मेदारी निभा रहा है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि बीसीसीआई के जल्द ही सीएफओ की नियुक्ति करने की संभावना नहीं है। अगर आपने नया संविधान सतर्कता से पढ़ा हो तो मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य है लेकिन ऐसा कोई जिक्र नहीं है कि सीएफओ होना चाहिए।

मैंने गलत समय पर तकनीक बदलने की कोशिश की : उथप्पा

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज रोबिन उथप्पा को लगता है कि 25 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में खेलने की महत्वाकांक्षा के कारण उन्होंने अपनी बल्लेबाजी तकनीकों में बदलाव करने की गलती की थी। उथप्पा अब 34 साल के हैं और उन्होंने भारत की तरफ से आखिरी मैच 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। उन्होंने राजस्थान रायल्स के पोडकास्ट सत्र के दौरान कहा कि मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना था। अगर मैं 20-21 की उम्र में ऐसी कोशिश करता तो टेस्ट क्रिकेट खेल लिया होता। मैं अपने करियर के आखिर में पछताना नहीं चाहता था और अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ करना चाहता था। उथप्पा ने प्रवीण आमरे की सेवाएं ली और अपनी तकनीकों में कुछ बदलाव किया लेकिन इससे उनकी नैसर्गिक लय खो गई। उन्होंने कहा कि इसलिए मैंने 25 साल की उम्र में प्रवीण आमरे की देखरेख में अपनी बल्लेबाजी तकनीकी में बदलाव करने का फैसला किया जो तकनीकी तौर पर पहले से बेहतर बल्लेबाज हो और लंबे समय तक क्रीज पर टिककर खेल सके। इस प्रक्रिया में मैंने अपनी बल्लेबाजी की आक्रामकता खो दी। उथप्पा ने भारत की तरफ से 46 वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि मैं सोचता था कि भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए मुझे अपनी तकनीकी बदलनी होगी। मुझे लगता है कि मैंने 25 साल की गलत उम्र में ऐसा करने की कोशिश की।

गेंदों पर किटाणुनाशक के इस्तेमाल पर को रहा है विचार

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) मैच में इस्तेमाल होने वाली गेंदों पर किटाणुनाशक के इस्तेमाल के लिए अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की स्वीकृति लेगा जिससे कि पता चल सके कि क्या कोविड-19 महामारी के बाद इससे खिलाड़ियों के स्वास्थ्य के प्रति जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के खेल विज्ञान और खेल दवा प्रबंधक एलेक्स कोनट्रिस ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों की ट्रेनिंग पर सुरक्षित वापसी के लिए नियम तैयार किए हैं। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के हालांकि इस साल की दूसरी छमाही में ही खेले जाने की संभावना है। आईसीसी की क्रिकेट समिति ने गेंद को चमकाने के लिए खिलाड़ियों के लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और कोनट्रिस ने कहा कि जल्द ही परीक्षण शुरू किए जाएंगे जिससे पता चल सके कि मैच के दौरान गेंद पर किटाणुनाशक का इस्तेमाल स्वास्थ्य जोखिम को न्यूनतम करने का प्रभावी तरीका है या नहीं। क्रिकेट.कॉम.एयू ने कोनट्रिस के हवाले से कहा, गेंद पर किटाणुनाशक के इस्तेमाल पर विचार हो रहा है।

प्रणब और भादुड़ी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित

कोलकाता। शिबनाथ सरकार और प्रणब बर्धन की एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को भारतीय ब्रिज महासंघ ने प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया है। बर्धन और सरकार ने जकार्ता एशियाई खेलों की ब्रिज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। बर्धन (अभी 62 साल) भारत के सबसे उम्रदराज एशियाई चैंपियन बने थे। बर्धन ने जाधवपुर में अपने आवास से कहा कि गलती से पिछले साल हमारे नामों का नामांकन नहीं हो पाया था और यह हमारे लिए लंबा इंतजार रहा। उम्मीद है कि हमें इस साल यह पुरस्कार मिलेगा।

इंग्लैंड के क्रिकेटर गुरुवार से करेंगे अभ्यास

एएफपी। लंदन

इंग्लैंड के गेंदबाज गुरुवार से ट्रेनिंग शुरू कर देंगे क्योंकि क्रिकेट प्रमुखों ने स्थगित हुए सत्र को शुरू करने की योजना बनाई है जिसमें कोरोना वायरस के कारण पहले ही विलंब हो चुका है। इस वैश्विक स्वास्थ्य संकट से इंग्लैंड में एक जुलाई तक मैच बंद कर दिए हैं जबकि अन्य देशों में सत्र पहले ही खत्म हो चुका है। इस महामारी के बावजूद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पूर्ण घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बनाने की योजना बना रहा है जिसकी शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला से होगी जो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जून में होनी थी। ईसीबी ने घोषणा की कि कम से कम 18 गेंदबाज गुरुवार से ट्रेनिंग शुरू करेंगे। एजबेस्टन, होव, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, द रिवरसाइड, टांटन और ट्रेंट ब्रिज में कम से कम एक सत्र आयोजित होगा जिसके बाद बल्लेबाज और विकेटकीपर एक जून से अभ्यास शुरू करेंगे। जो गेंदबाज अभ्यास के लिए उतरेंगे, उनके नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं लेकिन स्काई के हिसाब से संकेत मिलता है कि जेम्स एंडरसन (ओल्ड ट्रैफर्ड) और स्टुअर्ट ब्राड (ट्रेंट ब्रिज) अपने घरेलू काउंटी मैदानों में ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

लास एंजिलिस में एमएलएस आल स्टार मैच रद्द

एएफपी। न्यूयॉर्क

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के आल स्टार मुकाबले को कोरोना वायरस महामारी के कारण रद्द कर दिया गया है। लीग के 25 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब आल स्टार मुकाबले को रद्द किया गया है। यह मुकाबला एमएलएस आल स्टार और मैक्सिको की लीगा एमएक्स के उनके समकक्ष के बीच लास एंजिलिस के बैंक आफ कैलीफोर्निया स्टेडियम में 29 जुलाई को होना था। एमएलएस ने मंगलवार को कहा कि 2021 का मुकाबला संभवतः लीगा एमएक्स के आल स्टार्स के खिलाफ ही बैंक आफ कैलीफोर्निया स्टेडियम में होगा।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने पांच लाख डॉलर दान का दुरुपयोग कियाः होल्डिंग

लंदन। महान तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने आरोप लगाया है कि बीसीसीआई ने क्रिकेट वेस्टइंडीज को जो पांच लाख डॉलर दान दिए थे, उसका दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने क्रिकेट वेस्टइंडीज पर वित्तीय कुप्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठाए।

GULSHAN
गुलशन पॉलिओल्स लिमिटेड
सीआईएन : एल24231यूपी2000पीएलसी034918
पंजी. कार्यालय : 9वां केएम, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर-251001 (उत्तर प्रदेश)
वेबसाइट : www.gulshanindia.com, ई-मेल : cs@gulshanindia.com
टेलीफोन : 011-49999200, एक्सटेंशन 237, फैक्स : 011-49999202
बोर्ड बैठक की सूचना
एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की बैठक मंगलवार, 26 मई, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस/अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम से आयोजित की जानी निर्धारित है, जिसमें अन्य के साथ, 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही (स्टैंडअलोन) और वर्ष हेतु कम्पनी के अंकेक्षणित वित्तीय परिणामों और अन्य मामलों, यदि कोई, पर विचार और अनुमोदन किया जाएगा। इस सूचना में दी गई जानकारी कम्पनी की वेबसाइट www.gulshanindia.com तथा स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट www.nseindia.com तथा www.bseindia.com पर भी उपलब्ध है।
वास्ते गुलशन पॉलिओल्स लिमिटेड
हस्ता./-
(विजय गर्ग)
कम्पनी सचिव
दिल्ली
19 मई, 2020

खेल मंत्रालय से तरणताल खोलने का आग्रह किया

नई दिल्ली। भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने खेल मंत्रालय से खेल परिसरों के अंदर तरणतालों को फिर से खोलने के लिए गृह मंत्रालय से सहमति लेने का आग्रह किया है ताकि शीर्ष तैराक फिर से अभ्यास शुरू कर सकें।

कोविड-19 लॉकडाउन के चौथे चरण के लिए गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों में खेल परिसर और स्टेडियमों को दर्शकों के बिना खोलने की अनुमति दी गई है जिससे अभ्यास शिविर फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।

दुती चंद ने दो महीने बाद आउटडोर ट्रेनिंग शुरू की

नई दिल्ली। लॉकडाउन दिशानिर्देशों में ढील के बाद आउटडोर ट्रेनिंग शुरू करने वाली एथलीट दुती चंद ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में अभ्यास शुरू किया लेकिन उन्हें खाली स्टेडियम में अकेले ट्रेनिंग करने का अहसास थोड़ा अजीब लगा। ओडिशा सरकार ने कोविड-19 लॉकडाउन के चौथे चरण में दिशानिर्देशों में ढील देकर ट्रेनिंग की अनुमति दी। चौबीस साल की दुती ने सोमवार को दो महीने बाद पहली बार सिंथेटिक ट्रैक पर अभ्यास किया।

वह 20 मार्च से शुरू होने वाली सत्र की पहली इंडियन ग्रां प्री में भाग लेने के लिए पटियाला में थीं लेकिन कोरोना वायरस महामारी के चलते इसे रद्द कर दिया गया। तब से वह कलिंग प्राद्योगिकी संस्थान के अपने कमरे तक सीमित रहीं, हालांकि उन्हें वहां जिम इस्तेमाल करने की अनुमति थी।

अपहृत लड़के की तलाश

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़का (फोटो में दिखाया गया है) जिसका नाम कुलदीप S/o श्री सुनील राणा R/o म.नं. 269, गली नं. 24, राणा चौपाल, सबोली, दिल्ली उम्र 23 साल जो कि 02.07.2012 से अपने घर से अपहृत है। इस बाबत FIR No. 296/14 दिनांक 14.07.2014 u/s 363 IPC थाना हर्ष विहार, दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार है:

कुलदीप

रंगः साँवला, कदः 5'7", शरीरः मध्यम, चेहराः लम्बा, जिसने संतरी रंग की टी-शर्ट और काले रंग की हाफ पैंट पहनी है।

अगर किसी व्यक्ति को इस अपहृत लड़के के बारे में कोई जानकारी/सूचना मिले तो थानाध्यक्ष, हर्ष विहार, दिल्ली को ई-मेलः cic@cbi.gov.in और वेबसाइट : http://cbi.nic.in पर सूचित करने की कृपा करें।

हस्ता/-
फोन नं.: 011-24368638, 24368641
फैक्स नं.: 011-24368639
DP/119/NE/2020
थानाध्यक्षः हर्ष विहार, दिल्ली
फोनः 011-22342073, 22342074
मो.: 8750870734

विकासशील देशों को 160 अरब डॉलर की सहायता देगा विश्व बैंक

कोविड-19 से छह करोड़ लोग गरीबी की दलदल में फंसेंगे

भाषा। वाशिंगटन

विश्व बैंक ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण दुनिया भर में छह करोड़ से अधिक लोग निपट गरीबी की दलदल में फंस जाएंगे। इस वैश्विक निकाय ने इस वैश्विक संकट से उबरने के अभियान के तहत 100 विकासशील देशों को 160 अरब डॉलर की सहायता देने की घोषणा की है। यह पूरी सहायता पंद्रह महीने की अवधि में दी जाएगी। विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपॉस ने कहा कि इस महामारी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के बंद होने से छह करोड़ से अधिक लोग गरीबी की दलदल में फंस जाएंगे। हाल के दिनों में गरीबी उन्मूलन की दिशा में हमने जो प्रगति की है, उसमें से बहुत कुछ खत्म हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक समूह ने तेजी से कदम उठाया है और 100 देशों में आपात सहायता अभियान शुरू किया है। इसमें अन्य दानदाताओं को कार्यक्रम के तेजी से आगे बढ़ाने की अनुमति होती है। उन्होंने कहा कि 160 अरब डालर की राशि 15 माह में दी जाएगी। विश्व बैंक से सहायता पा रहे इन 100 देशों में दुनिया की 70 प्रतिशत आबादी रहती है। इनमें से 39 अफ्रीका के उप-सहारा क्षेत्र के हैं। कुल परियोजनाओं में एक तिहाई अफगानिस्तान, चाड, हैती और नाइजर जैसे नाजुक और चरमपंथ प्रभावित क्षेत्रों में हैं। मालपॉस ने कहा कि वृद्धि के रास्ते पर लौटने के लिए हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने को लेकर तीव्र और लचीला होना चाहिए। साथ ही गरीबों की मदद के लिए नकद और अन्य सहायता, निजी क्षेत्र को बनाए रखना तथा अर्थव्यवस्था की मजबूती और पुनरुद्धार को मजबूत बनाना होना चाहिए।

आर्थिक सुधार में बैंकों को अग्रणी भूमिका के साथ शामिल करने में विफल रहा राहत पैकेजः मराठे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित राहत पैकेज आर्थिक सुधार की प्रक्रिया में बैंकों को शामिल करने में विफल रहा है। आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड के सदस्य सतीश मराठे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि राहत पैकेज कल्पनाशील और भविष्य की ओर देखने वाला है, हालांकि आर्थिक सुधार में बैंकों को अग्रणी भूमिका के साथ शामिल करने में विफल रहा। सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अर्थव्यवस्था की मदद के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के बाद कई उपायों की घोषणा की थी। मराठे ने रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के शोध विश्लेषकों के एक नजरिए को साझा किया, जिसमें इस पैकेज से मिलने वाले तात्कालिक फायदों के बारे में संदेह जताया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित ऋण स्थगन के लिए तीन महीने की मोहलत पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र के हितों के लिए कुछ सुझाव भी दिए, जिसमें एनपीए और प्रावधान में छूट शामिल है।

सरकार ने प्रधानमंत्री वय वंदना योजना मार्च 2023 तक के लिए बढ़ायी

नई दिल्ली। सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा योजना प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (पीएमवीवीवाई) तीन साल यानी मार्च 2023 तक के लिए बढ़ा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में योजना तीन साल के लिए 31 मार्च 2023 तक बढ़ाने का निर्णय किया गया। पीएमवीवीवाई का क्रियान्वयन जीवन बीमा निगम के जरिए किया जा रहा है। इसमें योजना में शामिल होने पर 60 साल और उससे ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों को न्यूनतम पेंशन की गारंटी दी गई है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 के लिए सालाना 7.4 प्रतिशत प्रतिफल की गारंटी तय है। उसके बाद इस पर प्रतिफल की गारंटी की समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाएगी। इससे पहले, योजना में प्रतिफल 8 प्रतिशत नियत किया गया था। सरकार की वित्तीय जवाबदेही निवेश राशि पर एलआईसी द्वारा अर्जित बाजार रिटर्न और 7.4 प्रतिशत की रिटर्न के बीच कम पूरा करने तक सीमित है।

15वें वित्त आयोग की बैठक आज

नई दिल्ली। 15वें वित्त आयोग के तहत गठित एक समिति बृहस्पतिवार को केन्द्र और राज्य सरकारों की राकोषीय सुदृढ़ करने की कार्ययोजना को लेकर चर्चा करेगी। एनके सिंह की अध्यक्षता वाले इस आयोग को 2021-22 से लेकर 2025-26 की अवधि के लिए राजकोषीय स्थिति सुदृढ़ बनाने की कार्ययोजना तैयार करने का काम दिया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण पैदा हुई अप्रत्याशित स्थिति और इसके परिणाम स्वरूप केन्द्र और राज्य सरकारों की राजकोषीय विवशताओं के चलते यह काम काफी कठिन हो गया है। केन्द्र सरकार ने पहले ही राज्यों की उधार लेने की सीमा को उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के तीन प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। यह सुविधा उन्हें पहले से ही उपलब्ध है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आयोग न्यायसंगत, सक्षमता और पारदर्शिता के सिद्धांत पर चलते हुए ऊंची समावेशी वृद्धि के साथ रिण और घाटे को उचित स्तर पर रखने की जवाबदेही का पालन करने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए केन्द्र और राज्यों की वित्तीय मजबूती के लिए कार्ययोजना के बारे में अपनी सिफारिशें सौंपेगा। इस स्थिति को देखते हुए 15वें वित्त आयोग ने 18 मार्च को सामान्य सरकार के वित्तीय मजबूती कार्ययोजना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया था।

पूरे देश में 24 मई को होगी एनएटी परीक्षा

नई दिल्ली (पीएनएस)। इंजीनियरिंग एवं मेडिकल के प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों की प्रवेश परीक्षा तैयारी के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्रीय संस्थानों में एक विद्या मंदिर क्लासेज 24 मई को पूरे देश में राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। इसके लिए 23 मई की रात आठ बजे तक रजिस्ट्रेशन खुला है। इस परीक्षा के जरिए वीएमसी सभी मेडिकल, आईआईटीजेईई कोर्स में दाखिले के लिए 100 प्रतिशत तक मेरिट सकॉलरशिप दे रहा है। महामारी और लॉकडाउन बढ़ने की वजह से एनएटी की ऑनलाइन परीक्षा होगी। एनएटी वीएमसी के फाउंडेशन प्रोग्राम की प्रवेश परीक्षा है जो क्लासरूम और ऑनलाइन दोनों माध्यमों में होती है। खासकर आईआईटी/ जेईई और एनईईटी उम्मीदवारों के लिए तैयार किया है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हापुड़।

पत्रांकः– ......मु0चि0अ0 / निविदा / 2020–21 / दिनांकः– 20.05.2020

ई–निविदा सूचना

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हापुड़ के अन्तर्गत निम्नवत् ई–निविदा आमंत्रित की जाती है जो कि दिनांक 21.05.2020 से 01.06.2020 को सांय 05.00 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर प्राप्त कर अपलोड कर सकते है जो कि दिनांक 02.06.2020 को दोपहर 01.00 बजे से खोली जायेगी।

क्र0 स0	कार्य का विवरण	निविदा खोलने की तिथि व समय
1.	नवनिर्मित 100 शैय्यायुक्त जिला सयुक्त चिकित्सालय हापुड़ की स्थापना हेतु आवश्यक उपकरणों / साज–सज्जा सामग्री के क्रय हेतु	02 जून, 2020 को दोपहर 01.00 बजे

हस्ता / –
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
हापुड़।

हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन कोरोना वायरस से बचाव का एक तरीका है : ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

वाशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन लेने के लिए हो रही आलोचना पर अपने जवाब में इसे कोरोना वायरस के बचाव का एक तरीका बताया। ट्रम्प ने खुलासा किया था कि वह इस जानलेवा संक्रमण से बचने के लिए यह दवा ले रहे हैं। इसके एक दिन बाद उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि यह बचाव का एक तरीक है और मैं कुछ और समय तक इसे लेता रहूंगा। यह काफी सुरक्षित लगती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस दवा की खराब छवि इसलिए बनाई गई क्योंकि वह इसका प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर मैं बहुत खराब प्रचारक हूं। अगर कोई और इसका प्रचार कर रहा होता तो वे कहते कि यह बहुत अच्छी दवा है। ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत कारगर दवा है और यह आपको नुकसान नहीं पहुंचाती और संभवत: यह अच्छी होगी और मुझ पर इसका कोई खराब असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि मलेरिया के इलाज में काम आने वाली इस दवा पर दुनियाभर के चिकित्सकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि इटली, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में इसके बारे में बड़े-बड़े अध्ययन हुए हैं और अमेरिका में चिकित्सक इसे लेकर काफी आशावान हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह दवा किफायती है। उन्होंने कहा, एक गलत अध्ययन किया गया जहां चिकित्सकों ने बहुत बीमार, बहुत ही ज्यादा बीमार लोगों को यह दवा दी जो पहले ही मरने की कगार पर थे। वहीं उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने एक अलग साक्षात्कार में बताया कि वह हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन नहीं ले रहे हैं। बहरहाल विपक्षी नेताओं ने ऐसी दवा लेने के लिए ट्रम्प की आलोचना की है जिसकी प्रमाणिकता अभी सिद्ध भी नहीं हुई है। गौरतलब है कि ट्रम्प प्रशासन ने हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की करोड़ों गोलियां खरीदी थीं। भारत ने अमेरिका को इसकी करोड़ों गोलियां भेजी थीं। भारत इस दवा के प्रमुख उत्पादकों में से एक है।

याकोहामा में कोरोना वायरस से बचाव के लिए मॉस्क लगाकर शापिंग करने के लिए निकले लोग

संयुक्त राष्ट्र में कार्यभार संभालने न्यूयॉर्क पहुंचे वरिष्ठ राजनयिक तिरुमूर्ति

न्यूयॉर्क। वरिष्ठ राजनयिक टी एस तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र में भारत के नए स्थाई प्रतिनिधि का पदभार ग्रहण करने के लिए यहां पहुंच गए हैं। भारतीय विदेश सेवा के 1985 बैच के अधिकारी तिरुमूर्ति ने सैयद अकबरुद्दीन का स्थान लिया है। अकबरुद्दीन 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो चुके हैं और वह 14 मई को हैदराबाद लौट गए थे। तिरुमूर्ति (58) एयर इंडिया की उड़ान से मंगलवार को यहां पहुंचे और वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को जल्द ही अपना पहचान पत्र सौंपेंगे। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण फिलहाल संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 30 जून तक ऑनलाइन कामकाज का प्रबंध है। संयुक्त राष्ट्र का स्थाई प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने से पहले तिरुमूर्ति विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव पद पर कार्यरत थे। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अगले महीने 2021-22 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पांच अस्थाई सीटों के लिए चुनाव होने हैं। पंद्रह सदस्ईय सुरक्षा परिषद में अस्थाई सदस्य के तौर पर भारत की सीट लगभग पक्की है क्योंकि भारत की उम्मीदवारी को पिछले साल जून में चीन और पाकिस्तान सहित अन्य देशों का निर्विरोध समर्थन मिल चुका है।

अमेरिका में बच्चे पैदा करने की दर में आ रही लगातार गिरावट

भाषा। न्यूयॉर्क

अमेरिका में बच्चे पैदा करने की दर लगातार कम हो रही है जिससे 35 सालों में नवजातों के जन्म लेने की दर पिछले साल सबसे कम रही। यह गिरावट पिछले एक दशक से अधिक समय से जारी बच्चों के जन्म लेने की संख्या में गिरावट का ताजा संकेत है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और अर्थव्यवस्था पर इसके असर के कारण नवजातों की जन्म दर में और भी गिरावट आएगी।

एमॉरी यूनिवर्सिटी के प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान की अध्यक्ष डॉ. डेनिसे जेमीसन ने कहा, अप्रत्याशित माहौल और भविष्य के बारे में अनिश्चितता के चलते महिलाएं बच्चा पैदा करने के बारे में दो बार सोचेंगी। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने बुधवार को ताजा आंकड़ें जारी किए हैं। यह रिपोर्ट गत वर्ष जारी जन्म प्रमाणपत्र पर आधारित है।

अमेरिका में 2014 में वृद्धि के अलावा 2007 में देश में मंदी के बाद से हर साल इसमें गिरावट आनी जारी है। अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के बावजूद भी इसमें गिरावट का दौर जारी है।विशेषज्ञों ने बताया कि इसके पीछे कई वजहें हैं लेकिन इनमें से सबसे अहम मातृत्व के बारे में बदला नजरिया है। कई महिलाएं और दंपत्ति बच्चा करने में देरी करते हैं और बाद में उनके कम बच्चे ही होते हैं। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि साल 2019 में 15 से 19 आयु वर्ग में जन्म दर में पांच फीसदी की गिरावट आई। और 1991 से ही इसमें लगातार गिरावट आ रही है।

चीन में कोरोना वायरस के 16 नए मामले

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 16 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से बिना लक्षण वाले 15 मामले वैश्विक महामारी का केंद्र रहे वुहान से हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि वुहान की 1.12 करोड़ की पूरी आबादी की कोरोना वायरस के लिए जांच की जा रही है और इसी प्रक्रिया के तहत नए मामले सामने आए हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि मंगलवार को पांच मामलों की पुष्टि हुई और 16 ऐसे मामले सामने आए जिनमें बीमारी के लक्षण नहीं थे।

जिलिन प्रांत में स्थानीय स्तर पर संक्रमण के चार मामले सामने आए। मंगलवार तक जिलिन प्रांत में स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 133 मामले आए जिनमें से दो लोगों की मौत हो गई और 106 लोगों को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। स्थानीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि अस्पताल में अब भी 25 मरीजों का इलाज चल रहा है जिनमें से तीन की हालत गंभीर है और सभी जिलिन शहर के हैं। साथ ही संक्रमित लोगों के संपर्क में आए।,181 लोग निगरानी में हैं। मंगलवार को बिना लक्षण वाले 16 नए मामले सामने आए जिनमें से 15 मामले वुहान से हैं। एनएचसी ने बताया कि 368 बिना लक्षण वाले लोग निगरानी में हैं।

बिना लक्षण वाले मामलों को ज्यादा गंभीर माना जा रहा है क्योंकि इसमें व्यक्ति संक्रमित तो होता है लेकिन उनमें बुखार, खांसी या गले में सूजन जैसे कोई लक्षण नहीं दिखाई देते और उनसे दूसरों में संक्रमण फैलाने का खतरा अधिक रहता है।

सिंगापुर में कोरोना वायरस के 570 नए मामले, आंकड़े 29,364 पर पहुंचे

सिंगापुर। सिंगापुर में बुधवार को कोरोना वायरस के 570 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें अधिकतर विदेशी श्रमिक हैं। इन नए मामलों के साथ देश में संक्रमित लोगों की कुल संख्या 29,364 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि नए 570 मामलों में से केवल एक ही सिंगापुर का नागरिक या स्थाई निवासी है, जबकि अन्य सभी विदेशी कर्मचारी हैं। सिंगापुर में अब तक 10,365 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं जबकि 22 लोगों की इस संक्रमण के कारण मौत हो चुकी है। सिंगापुर ने मंगलवार को घोषणा की कि एक जून से कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए सर्किट ब्रेकर को धीरे-धीरे तीन चरणों में हटाया जाएगा। इस बीच, सार्वजनिक आवास और निजी आवासों में रहने वाले लगभग 85,000 विदेशी निर्माण श्रमिकों को मंगलवार को अपने घरों से निकलने की अनुमति दी जा रही है। घर में रहने का नोटिस सोमवार को रात 11.59 बजे समाप्त हो गया। द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हालाँकि, उन्हें दिशा-निर्देशों का पालन करना जारी रखना होगा और केवल ज़रूरी कार्यो जैसे कि भोजन खरीदने इत्यादि कार्यो के लिए बाहर निकलने की अनुमति होगी। यह फैसला डोरमेट्री या निर्माण स्थलों पर अस्थाई क्वार्टरों में रहने वाले निर्माण श्रमिकों पर लागू नहीं होता है।

अमेरिका को चीन पर निर्भरता समाप्त करनी चाहिए: हेली

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा है कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी ने अमेरिका की चीन पर निर्भरता को समाप्त करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत हेली ने कहा, बीजिंग ने मुक्त बाजार का दुरुपयोग करके उसे समाप्त किया, ऐसे में अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मुक्त बाजार को नियंत्रित करके इसे मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपने आर्थिक खुलेपन का चीन को गलत फायदा उठाने से रोकने के लिए कड़ा प्रतिबंध लगाना चाहिए और उसे उसके दमनकारी कदमों का दंड देना चाहिए। उन्होंने एक संपादकीय में लिखा कि अमेरिका को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे पास सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संबंधी उद्योगों के लिए अमेरिका के अनुकूल आपूर्ति श्रृंखला हो, न कि इसके लिए हम किसी दबंग प्रतिद्वंद्वी देश पर निर्भर हों। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमेशा से इस बात को समझते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा आर्थिक सुरक्षा का आधार है। उन्होंने कहा, जब हम कोरोना वायरस संकट से अधिक मजबूत और सुरक्षित बनकर उबरने की कोशिश कर रहे हैं, तो ऐसे में हमें हमारे लोगों को चीनी साम्यवाद के कपट और आक्रामक व्यवहार से बचाने के लिए साहसी एवं रचनात्मक कदम उठाने चाहिए।

हेली ने कहा कि अमेरिका को वही तरीका अपनाना चाहिए जो उसने शीत युद्ध के दौरान अपनाया था, जब उसने सोवियत सेना के तकनीकी विकास पर लगाम लगाने के लिए नई नीतियां बनाई थीं जिनमें आयात पर नियंत्रण और व्यापार को बढ़ावा देना शामिल था। उन्होंने कहा, अब साम्यवादी चीन के मामले में भी इसी प्रकार का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

हमलों में 14 आम नागरिकों मिलिशिया के नौ सदस्यों की मौत: अफगानिस्तानी अधिकारी

काबुल। युद्ध पीड़ित अफगानिस्तान में बंदूकधारियों के दो अलग-अलग हमलों में 14 आम नागरिकों की मौत हो गई और सरकार समर्थक मिलिशिया की चौकियों पर तालिबान के हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ए हमले ऐसे समय में हुए हैं जब संयुक्त राष्ट्र ने हिंसा समाप्त करने की पुन: अपील की है और अमेरिका के विशेष शांति दूत जलयम खलीलजाद ने तालिबान के साथ वार्ता का दूसरा दौर आरंभ कर दिया है। परवान प्रांतीय सरकार की प्रवक्ता वहीदा शाहकर ने बताया कि मंगलवार देर रात को काबुल के उत्तर में परवान प्रांत की मस्जिद में अज्ञात संख्या में बंदूकधारियों ने हमला किया। बंदूकधारियों के इस हमले में 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। खोस्त प्रांतीय पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता आदिल हैदरी ने बताया कि बंदूकधारियों ने मंगलवार देर रात को पूर्वी खोस्त प्रांत में मस्जिद से लौट रहे एक परिवार पर भी हमला किया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

नेपाल ने जारी किया नया मानचित्र, लिम्पियाधुरा, लिपुलेख व कालापानी को अपने क्षेत्र में दिखाया

भाषा। काठमांडू

नेपाल सरकार ने बुधवार को अपना नया संशोधित राजनीतिक और प्रशासनिक मानचित्र जारी किया, जिसमें उसने लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को अपने क्षेत्र में शामिल किया है। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया था कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा नेपाल के हैं। उन्होंने इस क्षेत्रों को भारत से राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए वापस लेने की प्रतिबद्धता जताई थी। भूमि सुधार मंत्री पद्मा आर्यल ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान नेपाल के नए नक्शे का अनावरण किया। संसद को संबोधित करते हुए ओली ने कहा था कि ए क्षेत्र नेपाल के हैं लेकिन भारत ने वहां अपनी सेना रखकर उन्हें एक विवादित क्षेत्र बना दिया है। उन्होंने कहा, भारत द्वारा सेना तैनात करने के बाद नेपालियों को वहां जाने से रोक दिया गया। सोमवार को ओली की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की एक बैठक में एक नए राजनीतिक मानचित्र को मंजूरी दी गई, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल के क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया। मंत्री आर्यल ने कहा कि नया नक्शा संविधान की अनुसूची में अद्यतन किया गया है और इसे सरकारी कार्यालयों में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसे आवश्यक संविधान संशोधन के लिए संसद में पेश किया जाएगा। आर्यल ने कहा कि नेपाल सरकार इस मामले पर भारत के साथ बातचीत करेगी और इस मुद्दे को कूटनीतिक प्रयासों से हल किया जाएगा।

उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भारत इस मामले पर सकारात्मक तरीके से विचार करेगा। विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली ने इस घोषणा से कुछ हफ्ते पहले कहा था कि कूटनीतिक पहलों के जरिए भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयास जारी हैं। नेपाल की सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के सांसदों ने भी लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को लौटाने की मांग के संबंध में संसद में एक विशेष प्रस्ताव पेश किया है। लिपुलेख दर्रा नेपाल और भारत के बीच विवादित सीमा, कालापानी के पास एक दूरस्थ पश्चिमी स्थान है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपनी सीमा का अभिन्न हिस्सा बताते हैं।

लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में कार्बन उत्सर्जन में आई 17 प्रतिशत तक की गिरावट

केंसिंग्टन। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन के कारण पिछले महीने दुनियाभर में कार्बन डाइऑक्साइड के रोजाना होने वाले उत्सर्जन में 17 प्रतिशत तक की कमी आई। एक नए अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि जब जनजीवन सामान्य होगा तो जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में प्रदूषण में थोड़े समय के लिए आई यह कमी समुद्र में एक बूंद के समान होगी। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने आकलन किया कि प्रदूषण का स्तर कम हो रहा है और इस साल यह चार से सात प्रतिशत के बीच रहेगा जो 2019 के स्तर से कम है। यह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी वार्षिक गिरावट है। अगर लॉकडाउन संबंधित सख्त नियम दुनियाभर में पूरे साल बने रहते हैं तो प्रदूषण के स्तर में सात प्रतिशत तक की कमी आएगी और अगर उन्हें जल्द ही हटा दिया जाता है तो यह गिरावट चार प्रतिशत ही होगी। अप्रैल में एक हफ्ते में अमेरिका ने अपने कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के स्तर में एक तिहाई तक कटौती की। विश्व के सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक चीन ने फरवरी में कार्बन प्रदूषण में करीब एक चौथाई तक कटौती की।

दक्षिण कोरिया के डेजेन के एक रेस्टोरेंट में लंच टेबल पर प्लास्टिक बैरियर के बीच बैठ कर खाना खाते सीनियर छात्र

ताइवान ने चीन के साथ संबंधों में स्थिरता की अपील की

संवाददाता। ताइपे (ताइवान)

तापेई में दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के दौरान आयोजित कार्यक्रम में जातीं ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन

ताइवान की राष्ट्रपति के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में त्साई इंग-वेन ने बुधवार को अपने संबोधन में चीन के साथ संबंधों में स्थिरता की अपील की, लेकिन उन्होंने कहा कि वह चीन की उन राजनीतिक शर्तों को स्वीकार नहीं करेंगी जो ताइवान को नीचा दिखाएं और उसकी यथास्थिति को कमजोर करें। राष्ट्रपति पद के चुनाव में लगातार दूसरी बार शानदार जीत हासिल करने वाली त्साई ने कहा कि चीन के साथ संबंध एक ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गए हैं और दोनों पक्षों के बीच मतभेदों और वैर को समाप्त करने के लिए संपर्कों का आधार शांति, समता, लोकतंत्र और वार्ता होनी चाहिए।

उन्होंने यहां ताइपे गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा, हम ताइवान की जलडमरूमध्य पार यथास्थिति को कमजोर करने और उसे नीचा दिखाने वाली बीजिंग प्राधिकारियों की एक देश, दो प्रणालियों की नीति को स्वीकार नहीं करेंगें। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के संक्रमण से बचने के लिए इस कार्यक्रम में सामाजिक दूरी का पालन किया गया और लोगों ने मास्क लगा कर इसमें भाग लिया। त्साई सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो ताइवान की औपचारिक आजादी की पक्षधर है। चीन इसके खिलाफ है और उसका कहना है कि वह इसे रोकने के लिए बलप्रयोग से भी नहीं चूकेगा।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों पर चीनी कार्वाई के बाद हुए चुनाव में त्साई ने शानदार जीत हासिल की थी। त्साई एशिया की एकमात्र आधुनिक महिला नेता हैं, जो किसी राजनीतिक परिवार का हिस्सा न होने के बावजूद शीर्ष पद पर पहुंची हैं। इस कार्यक्रम में ताइवान के 15 औपचारिक कूटनीतिक सहयोगियों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। ताइवान के साथ अमेरिका के अनौपचारिक लेकिन मजबूत संबंध हैं। अमेरिका ताइवान को सैन्य समर्थन का मुख्य स्रोत है। कार्यक्रम में त्साई के संबोधन से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ का बधाई संदेश पढ़ा गया, जिसमें उन्होंने साई के साहस और उनके नेतृत्व की सराहना की।

कोरोना वायरस लाखों अफ्रीकी नागरिकों को गरीबी की ओर धकेल सकता है: संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बुधवार को चेतावनी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस महामारी अफ्रीका के विकास के लिए खतरा है और यह लाखों लोगों को अत्यधिक गरीबी में धकेल सकती है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने अफ्रीका में कोविड-19 के प्रभाव पर एक नीति रिपोर्ट जारी करते हुए एक वीडियो संदेश में कहा कि अफ्रीकी देशों ने इस संकट पर तेजी से कदम उठाए हैं। इस संक्रमण से अफ्रीकी महाद्वीप में 2500 लोगों की मौत हो चुकी है लेकिन संक्रमण के मामलों की संख्या आशंका से कहीं कम है।

संयुक्त राष्ट्र की 28 पन्नों की रिपोर्ट के अनुसार यह वायरस सभी अफ्रीकी देशों में फैला है और ज्यादातर देशों में।,000 से कम मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 के अपेक्षाकृत कम मामलों की पुष्टि हुई है। इससे आशा जगी है कि अफ्रीकी देश इस महामारी के चलते बुरी स्थिति में आने से बच गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि मामलों की कम संख्या का कारण आवश्यकता से कम जांच और कम आंकड़ें दर्ज किया जाना भी हो सकता है।

अफगानिस्तान में हाल के हमले अल्पसंख्यकों की खतरनाक हालत दिखाते हैं: बाइडेन

भाषा। वाशिंगटन

अफगानिस्तान में उत्पीड़न का सामना कर रहे सिख और हिंदू समुदायों के साथ एकजुटता जताते हुए, डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि एक गुरुद्वारे को निशाना बनाने समेत हाल ही में हुए हमले युद्ध से प्रभावित इस देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खतरनाक हालात को दिखाते हैं। साथ ही उन्होंने ट्रम्प प्रशासन से आपात शरणार्थी सुरक्षा के लिए अनुरोध पर विचार करने की अपील भी की।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि हिंदू और सिख समुदाय अफगानी हैं और देश की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में अल्पसंख्यकों ने जिस भीषण उत्पीड़न का सामना किया है वह ऐसी त्रासदी है जिसका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। बाइडेन ने एक ऑनलाइन मंच मीडियम पर हाल ही में किए गए पोस्ट में कहा, इस सप्ताह अस्पताल के एक मातृत्व वार्ड पर भयानक हमले समेत अफगानिस्तान में हाल ही में बढ़ी हिंसा के मद्देनजर मैं वहां सिखों और हिंदुओं के समक्ष उत्पन्न हालात को लेकर चिंता जताता हूं। इस हिंसा में मार्च में काबुल स्थित गुरुद्वारा हर राय साहिब में सिखों पर आतंकवादी हमला भी शामिल है। सिख और हिंदू अफगानिस्तान में रह रहे बाहरी लोग नहीं हैं।

उन्होंने कहा, मैं अफगानिस्तान में सिख और हिंदू समुदाय के साथ एकजुटता जताते हुए उनके परिवारों के लिए सुरक्षा और अपने धर्म को मानने की आजादी देने की मांग करता हूं और विदेश विभाग से आपात शरणार्थी सुरक्षा के अनुरोध पर विचार करने का आग्रह करता हूं। सिख अमेरिकी पैरोकार समूह सिख कोलिशन ने एक बयान में बाइडेन की टिप्पणी का स्वागत किया है। यह समूह अमेरिका में सिखों के अधिकारों के लिए आवाज उठाता है।

मंद हवा में छह फुट की दूरी कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं : अध्ययन

भाषा। लंदन

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए दुनियाभर में सामाजिक दूरी बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन एक अध्ययन के अनुसार छह फुट की सामाजिक दूरी बनाने के मौजूदा दिशा निर्देश अपर्याप्त साबित हो सकते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि धीमी गति से चलने वाली हवा में हल्की खांसी से मुंह की लार के छीटें 18 फुट की दूरी तक फैल सकते हैं। साइप्रस में निकोसिया विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि प्रति घंटे चार किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली मद्धिम हवा के साथ खांसने पर मुंह की लार के छीटें पांच सेकंड में 18 फुट की दूरी तक फैल सकते हैं। अध्ययन के सह-लेखक दिमित्री द्रिकाकिस ने कहा, ये सूक्ष्म बूंदें अलग-अलग कद काठी के वयस्कों और बच्चों को प्रभावित करेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर छोटी कद काठी के वयस्क और बच्चे लार की सुक्ष्म बूंदें गिरने के दायरे के भीतर आते हैं तो उन्हें अधिक खतरा है।

‘फिल्म उद्योग की अनिश्चितता आपके पैर धरती पर बनाए रखती है’

अभिनेता **करन टैकर** को पिछली बार ‘एक हजारों में मेरी बहना है’ में देखा गया था लेकिन इस बार वो हॉटस्टार स्पेशल्स में ‘स्पेशल ऑप्स’ में दिखाई देंगे। **पायनियर संवाददाता मुस्बा हाशमी** से बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्होंने इसमें फारुख अली का चरित्र क्यों किया और 2008 में गंभीर वित्तीय संकट के कारण ही उन्हें अभिनय की दुनिया में आना पड़ा।

■ हॉटस्टार स्पेशल्स में ‘स्पेशल ऑप्स’ में फारुख का चरित्र आपने क्या सोचकर किया ?

किसी भी चरित्र को करने से पहले मैं स्क्रिप्ट, चरित्र तथा निर्देशक कौन है आदि बातों पर समुचित ध्यान देने के बाद ही मैं किसी भी भूमिका को स्वीकार करता हूं। इसमें निर्देशक थे नीरज पांडे। टीम ने मुझे कहानी केवल मेरे ऑडिशन के दूसरे राउंड के बाद दी थी। मुझे वो चरित्र करने के लिए मिल गया था। जब मुझे फारुक़ के चरित्र और उसकी यात्रा के बारे में पता चला तो मुझे ये अच्छा लगा। इसके अलावा नीरज सर ने इसका निर्देशन और लेखन दोनों किये हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि मेरे लिए विकल्प सरल था। मुझे दुबारा सोचना ही नहीं पड़ा। वास्तव में तो मुझे उनके ऑफिस में बैठकर उस प्रोजेक्ट के बारे में विचार विमर्श करना मेरा सौभाग्य लग रहा था।

■ चूंकि आप इस वेब सीरीज़ के साथ वापसी कर रहे थे तो क्या आप अपने ऊपर प्रोजेक्ट चयन को लेकर किसी प्रकार का दबाव अनुभव करते थे?

देखिये दबाव प्रोजेक्ट के चयन का नहीं था ये तब था जब मैं धारावाहिक किया करता था तब मुझे लगा कि मुझे अब टीवी से पीछे हट जाना चाहिये क्योंकि मैं उसके शीर्ष पर पहुंच गया था। तब मेरे पर दबाव था। जब आप काम कर रहे होते हैं तो आपको ऑफर मिलते हैं और अच्छी धनराषि भी मिलती थी ऐसे में सबकुछ छोड़कर पीछे हट जाने का निर्णय दबावपूर्ण था। मैंने ये कभी नहीं सोचा कि मैं किसी विशेष प्रकार के शो ही करूंगा। धारावाहिकों को छोड़ने का निर्णय मैंने इसलिये किया था क्योंकि मैं अच्छे निर्देषक और अच्छी कंटेंट वाला कुछ करना चाहता था। किसी भी टीवी अभिनेता के लिए फिल्मों में जाना कठिन होता है जहां आपको लोकप्रिय निर्देशकों का सानिध्य मिलता है। लोगों को अपने टीवी अभिनेता की वास्तविकता को विस्मृत कराना भी कठिन होता है। इंडस्ट्री में टीवी का टैग लगे अभिनेताओं को उतना महत्व नहीं मिलता। ऐसा बिलकुल नहीं था कि मुझे प्रोजेक्ट नहीं मिल रहे थे बल्कि मैं तो उसे खोज रहा था जो मैं भूमिकाएं मैं करना चाहता था।

■ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने में इतना विलंब क्यों हो गया ?

मैं यहां बहुत पहले आ गया था। इससे पहले मैंने अमेजॉन प्राइम के लिए एक सीरीज़ ‘रिमिक्स’ होस्ट की थी। इसे बेस्ट फिक्शन डिजिटल शो के लिए कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले थे। लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि जैसे निर्माता और जैसी कहानियों पर मैं काम करना चाहता था वो मिलने में कुछ विलंब अवष्य हुआ है। ये भी एक तथ्य है कि आपका पहला प्रोजेक्ट आपके कॅरियर के लिए महत्वपूर्ण होता है। मुझे यही भरोसा है। यही कारण है कि मैं सही स्क्रिप्ट की प्रतीक्षा कर रहा था जिसमें मैं अपनी कला का प्रदर्षन कर सकूं। ये बात मुझे इस प्रोजेक्ट में मिली है। इस चरित्र को करना रोचक अनुभव होगा।

■ क्या आप प्रारंभ से ही अभिनय करना चाहते थे?

नहीं ऐसा नहीं था। मैं बिजनेस का छात्र था। पूरा बचपन मैंने अपने पिता को उनके बिजनेस में सहायता की है। अभिनय करना मेरे लिए स्वाभाविक बात नहीं थी। ये तो बस ऐसे ही हो गया। लेकिन जब मैं अभिनय करने लगा तो मुझे इससे प्यार होता चला गया। फिर मुझे लगने लगा कि यही वो काम है जो मैं आजीवन कर सकता हूं।

■ ये परिवर्तन कैसे आया ?

ये भी एक विडंबना है। ये पूर्वनियोजित नहीं था। ये 2008 की बात है जब विष्व में मंदी चल रही थी और हमें बिजनेस में काफी हानि हुई थी। इससे अपने परिवार को उबारने के लिए मैंने वो सब किया जो हम कर सकते थे। ये कठिन समय था। मैंने कई चीजों में हाथ मारना प्रारंभ किया। मैंने एक एअरलाइन्स में भी आवेदन किया था और पास भी हो गया था। उस समय स्ट्रीट कास्टिंग चल रही थी और मुझे भी ये अच्छी लगती थी। यदि हमें वो वित्तीय हानि न हुई होती तो मैंने अभिनेता बनने के बारे में सोचा भी न होता।

■ इंडस्ट्री की एक अच्छाई और एक बुराई क्या है?

अच्छी बातें तो कई हैं। ये कला मुझे प्रिय है और यही कारण है कि मुझे लगता ही नहीं कि मैं काम कर रहा हूं। अपने कॅरियर की अनिष्चितता से पार पाना वास्तव में कठिन होता है। हर प्रोजेक्ट के बाद आप किसी दूसरे प्रोजेक्ट के लिए अपना रिज्यूमे लिए घूमते हैं। एक प्रोजेक्ट से दूसरे में जाने के लिए भावनात्मक संतुलन की आवश्यकता होती है।

एक हंसी की बात मैं अपने स्पेशन ऑप्स की बताना चाहता हूं। तब मुझे लोगों के संदेष मिलते रहते थे कि उन्हें ये बहुत अच्छा लग रहा है। उसी समय मैं एक दूसरे प्रोजेक्ट के लिए ऑडिषन देने की प्रतीक्षा कर रहा था। इंडस्ट्री की अच्छी बातों में एक ये भी है कि जब आप एक का हर्ष मना रहे होते हैं तो दूसरे प्रोजेक्ट की अनिष्चितता आपके पैर धरती पर बनाए रखती है।

■ एकांतवास या क्वारंटीन अवधि में आप किस कार्य में व्यस्त रहते हैं ?

मैं प्रात: उठ जाता हूं और व्यायाम मेरी पहली व्यस्तता है। मैं इसे महत्वपूर्ण मानता हूं और एक घंटे व्यायाम करता हूं उसके बाद ही कलेवा करता हूं। शेष समय झाड़ू पोछा जैसे घर के कार्य करने में निकल जाता है। मैं सायंकाल टहलने जाता हूं। मुझे लगता है कि सभी ऐसा ही कर रहे होंगे।

फिर जागा कंगना रानौत का कवि मन

अभिनेत्री कंगना रानौत ने फिर एक बार कवि बन, प्यार और जीवन के बारे में अपने विचार एक कविता ‘आसमान’ के माध्यम से व्यक्त किये हैं।

उन्होंने ये कविता अपने स्वरों में रिलीज़ भी की है। उनका ये वीडियो टीम कंगना रानौत द्वारा उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रषंसकों से साझा किया गया।

उनकी टीम ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, ‘कंगना ने अपनी असंख्य प्रतिभाओं में से एक और खजाने को सामने रखा है। उन्होंने इस आसमान नामक कविता का लेखन और निर्देषन दोनों किया है। ऐसी कठिन परिस्थिति में उनके ऐसे विचार वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।’

अपने इस वीडियो में वो बिना मेकअप लगाए चाय पीते, लिखते, घास पर लेटे और फायरप्लेस के सामने बैठे दिखाई दे रही हैं।

कृति सेनन को वजन बढ़ाना ही पड़ा

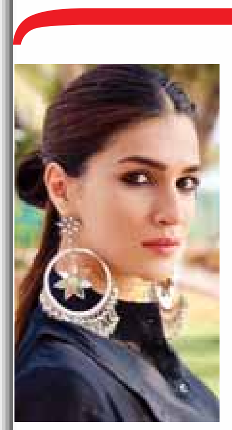

अभिनेत्री कृति सेनन का कहना है कि फिल्म ‘मिमी’ में मुझे गर्भावस्था के दृश्य की शूटिंग करनी थी। लेकिन लक्ष्मण सर का मानना था कि बिना भार बढ़ाए ये संभव नहीं था क्योंकि वैसे वो बात नहीं आ सकती थी। मुझे पता था कि मुझे अधिक खाना होगा और कैलरी भी अधिक लेना होगा। यही कारण था कि मैंने व्यायाम और योग करना बिलकुल छोड़ दिया।

मजदूरों के लिए सोनाक्षी ने बनाई पेंटिंग

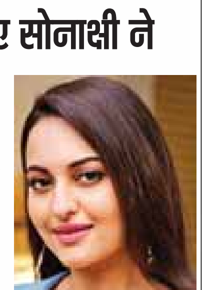

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने बताया है कि उन्हें लोगों के चेहरे की पेंटिंग बनाना अच्छा लगता है। सोमवार को उन्होंने एक वीडियो साझा किया जिसमें वो बुद्ध भगवान की पेंटिंग बनाती देखी जा सकती हैं। उनकी पेंटिंग का शीर्षक था ‘द इनलाइटेंन्ड वन’ और उन्होंने इस पेंटिंग को दैनिक मजदूरों के लिए धन जमा करने के लिए नीलामी पर लगा दिया है।

इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए सोनाक्षी ने लिखा–‘मुझे लोगों के चेहरे स्केच करना प्रिय है। यही कारण है कि मैंने सबसे सुंदर चेहरे का चयन किया। ये पेंटिंग मैंने दैनिक वेतन भोगियों के लिए धन एकत्र करने के लिए नीलामी पर लगा दी है। यदि आप इसे अपना बनाना चाहते हैं तो इसके लिए बोली लगाने के लिए दी गई लिंक पर क्लिक करें।

एमी जैक्शन अपने लिटिल बनी पर मोहित

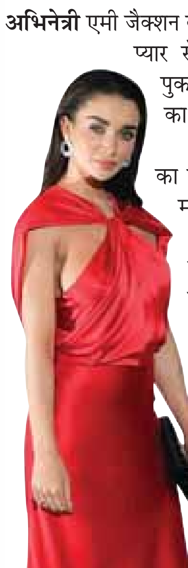

अभिनेत्री एमी जैक्शन का पुत्र एंड्रियास जिसे वो प्यार से लिटिल बनी कहकर पुकारती हैं अब आठ माह का हो गया है।

आठ माह के अपने पुत्र का एक फेटो उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया जिसमें एंड्रियास खिड़की के बाहर देख रहा है।

एमी ने छवि के साथ लिखा, ‘बस इसी प्रकार मेरा लिटिल बनी आठ माह का हो गया है।’

हाल ही में उन्होंने बताया था कि लॉकडाउन की अवधि में घर से काम करने के क्या लाभ और हानि हो सकते हैं।

यूलिया वंतूर को लांच करेंगे सलमान

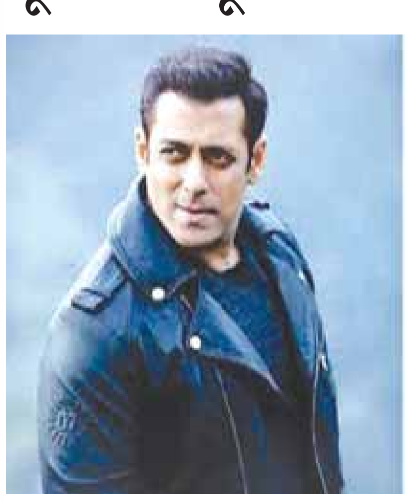

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान अपनी फ्रेंड यूलिया वंतूर को फिल्म इंडस्ट्री में लांच कर सकते हैं। सलमान खान को बॉलीवुड में गॉडफादर माना जाता है। सलमान ने कई कलाकारों को लांच किया है। काफी समय से चर्चा हो रही है कि सलमान खान अपनी फ्रेंड यूलिया वंतूर को फिल्म जगत में लॉन्च कर सकते हैं, जो अबतक नहीं हुआ। ऐसी चर्चा है कि अब सलमान खान ने यूलिया को बॉलीवुड में लाने का मन बना लिया है। यूलिया भसगिग में अपना हाथ आजमा चुकी हैं ।बताया जा रहा था कि यूलिया वंतूर सलमान खान के अगली प्रोडक्शन फिल्म कभी ईद कभी दिवाली में दिखाई दे सकती हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक जानकारी आना बाकी है। यूलिया लॉकडाउन में सलमान खान के फार्म हाउस पर ही रह रही हैं। उनके साथ जैकलीन फर्नांडीस भी हैं, जिन्होंने हाल ही में सलमान खान के साथ गाना भी शूट किया था। यूलिया हाल ही में सोशल मीडिया पर सलमान के फार्म हाउस पर मस्ती करते हुए फोटो और वीडियो शेयर कर रही हैं। साथ ही पहले सलमान खान के साथ रिलेशनशिप की खबरों को लेकर भी यूलिया काफी चर्चा में रही थीं।

फरहान अख्तर ने कामा अस्पताल में भेजी पीपीई किट की खेप

भाषा। मुंबई

अभिनेता एवं फिल्मकार फरहान अख्तर ने कहा कि उन्होंने निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की खेप कामा अस्पताल भेजी है। अभिनेता ने हाल ही में 1000 पीपीई किट कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रहे स्वास्थ्य पेशेवरों को भेजने की घोषणा की थी। वह, फिल्म जगत की चर्चित हस्तियों द्वारा अतिरिक्त पीपीई किट के लिए पैसे इकट्ठे करने के लक्ष्य से शुरू की गई पहल ट्रंगि का भी हिस्सा हैं। फरहान ने अस्पताल भेजे जाने के लिए तैयार रखे पीपीई किट के डिब्बों की तस्वीर मंगलवार को ट्वीट की थी।

उन्होंने लिखा, यह बताते हुए खुश हूं कि हमारी पीपीई किट की खेप मुम्बई के कामा अस्पताल के लिए भेज दी गई है। योगदान देने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। यह, कोरोना वायरस के खिलाफ अपनी जान जोखिम में डाल कर अग्रिम मोर्चे पर जंग लड़ रहे चिकित्सा कर्मियों को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। जय हिंद।

फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो या ओटीटी पर, अभिनेताओं को इससे फर्क नहीं पड़ना चाहिए : नवाजुद्दीन

भाषा। मुंबई

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को इसकी कोई फिक्र नहीं है कि उनकी फिल्में सिनेमाघरों में देखी जाती हैं या अमेजन प्राइम, जी5, नेटफ्लिक्स आदि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होती हैं क्योंकि उनका मानना है कि कई बार फिल्मों का रिलीज होना भी अपने आप में ही बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। अभिनेता की फिल्म घूमकेतु बहुत विलंब के बाद 22 मई को जी5 पर प्रसारित होने वाली है। फिल्म 2014 में पूरी हो गई थी। पुष्पेंद्र नाथ मिश्रा द्वारा निर्देशित और फैंटम फिल्म्स और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स (एसपीएन) के बैनर तले बनी इस फिल्म में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप, अभिनेत्री इला अरुण, रघुबीर यादव, स्वानंद किरकिरे और रागिनी खन्ना भी हैं। नवाजुद्दीन ने कहा, हमने इस फिल्म की शूटिंग वैसे ही की थी जैसे हम सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों की शूटिंग करते हैं। मुझे लगता है कि आज के समय में ओटीटी ही एकमात्र तरीका है जिस पर लोग फिल्में देख सकते हैं। इसलिए व्यक्तिगत रूप से मैं नहीं समझता कि अभिनेताओं के लिए यह वास्तव में मायने रखता है। नवाजुद्दीन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, अभिनेताओं को इस बात से चिंतित नहीं होना चाहिए कि उनकी फिल्में ओटीटी पर प्रसारित हों या सिनेमाघरों में रिलीज हों। हमारी फिल्में रिलीज हो रही हैं यही अपने आप में उपलब्धि है।

मुश्किल वक्त में कड़वाहट को क्वारंटाइन करें : अमिताभ

मुंबई। बॉलीवुड अभि नेता अमिताभ बच्चन ने बुधवार को अपने प्रशंसकों से इस मुश्किल वक्त में शिकायतों को दरकिनार करने और अपने रिश्ते निभाने की अपील की। 77 वर्षीय अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड की जिसमें वह कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा , हमारे दिलों में दूसरों के लिए जो भी कड़वाहट है चलिए उसे अलग (क्वारांटाइन) रखे ताकि हम अपने रिश्तों को वेंटीलेटर्स पर जाने से रोक सकें। इससे पहले बच्चन ने देशव्यापी बंद के बीच उनके बंगले जलसा के बाहर ड्यूटी पर तैनात सफाई कर्मचारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया था। अभिनेता जून में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली शूजीत सरकार की गुलाबो सिताबो में दिखाई देंगे।

लॉकडाउन : दो वक्त की रोटी के संकट से जूझ रहे बैकग्राउंड डांसर

भाषा। मुंबई

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन ने फिल्मों में हीरो–हीरोइन के साथ नृत्य करने वाले कलाकारों (बैकग्राउंड डांसर) के जीवन पर बहुत बुरा असर डाला है और कड़ी मेहनत के बावजूद बेहद मामूली मेहनताना पाने वाले इन कलाकारों के सामने अब दो वक्त की रोटी का संकट पैदा हो गया है।

सैकड़ों बैकग्राउंड डांसर को ऐसा लग रहा है कि जैसे जिंदगी से संगीत और नृत्य गायब हो गया है। इन्हीं कलाकारों में एक हैं तेज, जो सिने डांस असोसिएशन के सदस्य हैं। इस असोसिएशन में 800 सदस्य हैं। तेज बताते हैं कि जब लॉकडाउन की घोषणा हुई तब वह यशराज फिल्म स्टूडियो के लिए बंटी और बबली 2 के लिए एक डांस की रिहर्सल कर रहे थे। उन्होंने कहा, इस रिहर्सल के लिए मुझे मार्च में 3,000 रुपए मिले थे। इसके बाद अप्रैल में सलमान खान ने 3,000 रुपए दिए थे और अमिताभ बच्चन ने बिग बाजार के 1,500 रुपए के कूपन दिए थे। यह रकम इतनी नहीं हैं जिससे काम चल सके। तेज कहते हैं कि उनकी रातों की नींद उड़ गई है क्योंकि घर में सिर्फ वही कमाने वाले हैं और उन्होंने हाल ही में एक घर खरीदा है तो उसकी ईएमआई की भी उन्हें चिंता हैं। इसी असोसिएशन के अन्य सदस्य राज सुरानी कहते हैं कि इस संगठन के अनेक लोगों को मदद की दरकार है और इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए मदद मांगने का निर्णय किया। राज बताते हैं कि सोशल मीडिया पर उनके वीडियो पर रेमो डिसूजा और बोस्को जैसे नृत्य निर्देशकों का ध्यान गया। इसके अलावा धर्मा प्रोडक्शन्स तथा रैपर रफ्तार ने भी इसे गंभीरता से लिया और मदद का भरोसा दिया है। रेमो ने पीटीआई–भाषा से बातचीत में कहा , हम सब जानते हैं कि हालात वाकई में खराब हैं और फिल्म उद्योग जल्दी नहीं खुलने वाला। हमें उनकी मदद करनी चाहिए और उनके साथ खड़े होना चाहिए। रफ्तार ने कहा कि वह भी उनकी मदद करना चाहते हैं। रफ्तार ने एक बयान जारी करके कहा, मैं नृत्य समुदाय का हिस्सा रह चुका हूं और मैं समझ सकता हूं कि लॉकडाउन के दौरान उन्हें किस तरह की समस्याएं पेश आ रही होंगी। मैं उनकी जैसे भी हो सके, मदद करना चाहता हूं। जिस समुदाय ने मुझे पहचान दिलाई, उसके लिए कुछ करना चाहता हूं। एक अन्य डांसर कुर्नालियां बताती हैं कि एक नृत्य के लिए एक बैकग्राउंड डांसर को प्रतिदिन 4,500 रुपए मिलते हैं और रिहर्सल के लिए एक शिफ्ट में 750 रुपए मिलते हैं। वह कहती हैं, 4,500 रुपए में से भी कुछ पैसा काट लिया जाता है और हमें 3,900 से 4,000 रुपए के बीच ही मिलता है। इस पर भी कई बार दो महीने में भुगतान होता है और हाल ही में एक फिल्म बुरी तरह पिट गई तो हमें सात माह बाद भुगतान किया गया। लगभग सभी कलाकारों की यही समस्या है। अधिकतर कलाकार मुंबई से बाहर के हैं और किराए के मकानों में रहते हैं। उनका कहना है कि न तो उनके पास किराया देने के लिए पैसा है और न ही खाने पीने के लिए।